# लूका रचित सुसमाचार

## भूमिका

1 बहोत स मनई हमरे बीच होइजाइ वाली घटना क ब्यौरा लिखइ क कोसिस करेन ह। 2उहइ बातन हमका उ सबइ मनइयन क जरिये जान पड़िन जउन उ पचे सुरुआत स देखेन अउर जउन सुसमाचार क प्रचार करत रहेन। 3हे मान्यवर थियुफिलुस! काहेकि मइँ सुरुआत स सब कछू होसियारी स पढ़ेउँ ह। यह बरे मोका इ नीक जान पड़त ह कि तोहरे बरे एक ठु एक क बाद एक एक घटना क लिखेउँ। 4जेसे तू सब इन बातन क बेफिकिर होइके जान ल्या जउन तोहका सिखाइ ग अहइँ।

## जकरयाह अउर इलीसिबा

5उ समइया मँ जब यहूदिया प हेरोदेस क राज्य रहा। हुवाँ जकरयाह नाउँ क एक याजक रहत रहा। जउन याजकन क अबिय्याह दल* क रहा अउर ओकर पत्नी इलीसिबा हारून बंस क रही। 6उ दुइनउँ परमेस्सर क निगाह मँ धर्मी रहेन। उ पचे बिना केउ दोख क पर्भू क सबइ हुकुमन अउर बिधानन क पालन करत रहेन। 7मुला ओनके कउनो संतान नाहीं रही, काहेकि इलीसिबा बाँझ रही अउर उ दुइनउँ बहोत बुढ़वा होइ ग रहेन।

8जब जकरयाह क आपन दले क मंदिर मँ याजक क काम खातिर बारी आइ, अउर उ परमेस्सर क समन्वा आराधना बरे हाजिर भवा। 9तउ याजकन मँ चली भइ रीति रिवाजे क तरह पर्ची डाइके ओका चुना गवा कि उ पर्भू क मंदिर मँ जाइके धूप जरावइ। 10जब धूप जरावइ क समइ आइ तउ बाहेर एँकट्ठा भवा मनई पराथना करत रहेन। 11उहइ समइया जकरयाह क समन्वा एक ठु पर्भू का दूत परगट भवा। उ दूत धूप क वेदी क दाहिन कइँती खड़ा रहा। 12जकरयाह जइसे उ दूत क निहारेस तउ उ घबराइ गवा अउर डर जइसे ओका जकड़ि लिहस। 13फिन सरगदूत ओसे कहेस, "जकरयाह जिन डेराअ, तोहार पराथना सुनि लीन्ह गइ अहइ। यह बरे तोहार पत्नी इलीसिबा एक बेटवा क जनम देई, अउर तू ओकर नाउँ यूहन्ना धर्‌या। 14उ तोहका आनंद अउर खुसी देइ, साथे ओकरे जनम स अउर भी बहोत स मनइयन क खुसी होई। 15काहेकि उ पर्भू क निगाहे मँ महान होई। उ कबहुँ कउनो दाखरस या कउनो मदिरा क न पिई। आपन जन्म स पवित्तर आतिमा स भरपूर होई। 16उ इस्राएल क बहोतन मनइयन क ओनकइ पर्भू परमेस्सर कइँती लौटइ बरे फेरी। 17उ एलिय्याह क आतिमा अउर सामर्थ मँ होइके पर्भू क अगवा अगवा चली। उ बापन क हिरदय ओनके संताने कइँती मोड़ देइ अउर आज्ञा न मानइवालन क मने क बदल देइ जेहसे उ पचे धर्मी मनइयन क नाईं सोचइ लागइ। इ सबइ, उ मनइयन क पर्भू बरे तइयार करइ क करी।"

18तबहीं जकरयाह दूत स कहेस, "मइँ इ कइसे जान लेउँ कि इ सच अहइ? काहेकि मइँ एक बुढ़वा हउँ अउर मोर पत्नी बुढ़िया होइ ग अहइ।"

19तबहिं सरगदूत जवाब देत ओसे कहेस, "मइँ जिब्राईल हउँ। मइँ उहइ हउँ जउन परमेस्सर क अगवा खड़ा रहत हउँ। मोका तोसे बात करइ अउर इ सुसमाचार क बतावइ बरे पठवा ग अहइ। 20मुला देखा, काहेकि तू मोरे सब्दन प, जउन निस्चित समइ क आइ प सच सिद्ध होइहीं, बिसवास नाहीं किहा, यह बरे तू गूँगा होइ जाब्या अउर उ दिना तलक नाहीं बोल पउब्या जबहिं ताईं इ घटित न होइ जाइ।"

21ओहर बाहेर मनई जकरयाह क इंतजार करत रहेन। ओनका अचरज भवा कि उ एँतनी देर मंदिर मँ काहे ठहर गवा अहइ। 22फिन जब उ बाहेर आवा तउ उ ओनसे बोल नाहीं पावत रहा। ओनका इ लाग कि जइसे मंदिर क भीतर कउनो दर्सन होइ गवा अहइ। उ गूँगा होइ ग अउर सिरिफ इसारा करत रहा। 23अउर फिन अइसा भवा कि जब ओकर आराधना क काम होइ गवा तउ जकरयाह वापस आपन घर लौटि गवा।

24थोड़े दिना बाद ओकरे पत्नी इलीसिबा गर्भवती भइ। पाँच महीना तलक उ सबन स अलगइ रही। उ कहेस, 25"अब आखिर मँ जाइके इ तरह पर्भू मोर मदद करेस ह। मनइयन क बीच मोर लाज राखइ बरे उ मोर सुधि लिहस ह।"

## कुँवारी मरियम

26-27 इलीसिबा क छठा महीना चलत रहा, गलील क एक सहर नासरत मँ परमेस्सर क दूत जिब्राईल क एक कुँवारी कन्या क लगे पठएस जेकर यूसुफ नाउँ क

---

**अबिय्याह क दल** यहूदी याजकन 24 दलन मँ बँटा रहा। देखा 1इति. 24

एक मनई स गोदी भरि दीन्ह गइ। उ दाऊद क बंस मँ
जनमा रहा अउर उ कुँवारी कन्या क नाउँ मरियम
रहा।

28जिब्राईल ओकरे लगे आइ अउर कहेस, "तोह
पइ अनुग्रह भइ अहइ, तोहार जय होइ। पर्भू तोहरे संग
बा।"

29इ बचन सुनिके उ बहोत घबरान, उ सोच मँ पड़ि
गइ, "एकर का अरथ होइ सकत ह?"

30तब सरगदूत ओसे कहेस, "मरियम तू जिन डेराअ,
तोसे परमेस्सर खुस अहइ। 31सुना! तू गोड़वा स भारी
होब्या अउर एक पूत क जनम देबू अउर ओकर नाउँ
ईसू रखबिउ। 32उ महान होई अउर उ सबन त सर्वोच्च
(परमेस्सर) क पूत कहवावा जाई। पर्भू परमेस्सर ओका
ओकरे बाप दाऊद क सिंहासन दइ देई। 33उ अनन्त
समइया ताईं याकूब क घराने प राज करी। ओकर
राज्य क नास कबहुँ न होई।"

34यह पइ मरियम सरगदूत स कहेस, "इ सच कइसे
होइ सकत ह? काहेकि मइँ तउ अबहूँ कुँवारी हउँ।"

35जवाबे मँ सरगदूत ओसे कहेस, "तोहरे लगे पवित्तर
आतिमा आई अउर सर्वोच्च (परमेस्सर) क सक्ती तोहका
आपन परिछाहीं मँ लइ लेई। इ तरह उ जनम लेइवाला
पवित्तर पूत परमेस्सर क पूत कहवावा जाई। 36अउर इ
भी सुनि ल्या कि तोहरे कुनबा क इलीसिबा क कुनबे मँ
बुढ़ौती क गरभ मँ एक बेटवा अहइ अउर ओकरे
कोखी क इ छठा महीना चलत बा। लोग कहत रहेन कि
उ बाँझ बा! 37मुला परमेस्सर बरे कछू न होइ सकइ,
अइसा नाहीं!"

38मरियम कहेस, "मइँ पर्भू क दासी हउँ जइसा तू
मोरे बरे कह्या ह, वइसा ही होइ!" अउर तब उ सरगदूत
ओकरे लगे स चला गवा।

## मरियम क इलीसिबा अउर जकरयाह क लगे जाब

39उहइ समइया मरियम तइयार होइके यहूदिया क
पहाड़ी पहँटा मँ बसा एक ठु सहर क फउरन चली गइ।
40फिन उ जकरयाह क घरे गइ अउर उ इलीसिबा क
अभिवादन किहेस। 41इ भवा कि जबइ इलीसिबा मरियम
क अभिवादन सुनेस तउ जउन बचवा ओकरे पेटवा मँ
रहा, उछरि गवा अउर इलीसिबा पवित्तर आतिमा स
सराबोर होइ गइ।

42ऊँची आवाजे मँ चिल्लात भइ उ कहेस, "तू स्त्रियन
मँ सबते जिआदा बड़भागी अहा अउर जउने बचवा क तू
जनम देबू उ धन्य बा। 43मुला इ एँतनी बड़ी बात मोरे संग
काहे घटि गई कि मोरे पर्भू क महतारी मोरे नियरे
आइ। 44काहेकि तोहरे पैलगी क सब्द जइसेन मोरे कनवा
मँ आइ, मोरे पेटवा मँ बचवा खुसी स उछरि गवा। 45तू
धन्य अहा जउन इ बिसवास किहेस कि पर्भू जउन कछू
कहेस उ होइके रही।"

## मरियम क परमेस्सर क स्तुति

46तबहीं मरियम कहेस,

47"मोर प्रान पर्भू (परमेस्सर) क स्तुति करत ह;
मोर आतिमा मोरे उद्धारकर्ता परमेस्सर मँ
खुस भइ।
48 उ आपन दीन दास की बिटिया क सुधि
लिहेस अउर अब हाँ आजु क बाद सबहीं
मोका धन्य कइहीं।
49 काहेकि उ सक्तीवाला मोरे बरे बड़कवा
कारज किहेस ह। ओकर नाउँ पवित्तर अहइ।
50 जउन ओसे डेरात हीं उ ओन पइ पीढ़ी दर
पीढ़ी दाया करत ह।
51 उ आपन बाँहन क सक्ती देखॉइस। उ
घमंडी मनइयन क ओनके डींग हाँकइवालन
क बिचारन क छितराइ दिहेस।
52 उ राजन क सिंहासने स तरखाले उतार दिहस।
दीनन क ऊँचा उठाएस
53 उ भुखान मनइयन क नीक चीजे स भरपूर
कइ देई अउर धनी लोगन क निकारि देई।
54 उ आपन नउकरन इस्राएलियन क दाया करइ
आवा अउर हमरे पूर्वजन क बचन क
मुताबिक
55 ओका इब्राहीम अउर ओकर संताने प सदा
दाया देखॉवइ क याद रही।"

56मरियम तीन महीने ताईं इलीसिबा क संग ठहरी
रही अउर फिन आपन घरवा लौटि आइ।

## यूहन्ना क जनम

57फिन इलीसिबा क बचवा पइदा करइ क समइ
आइ अउर ओकरे एक बेटवा पइदा भवा। 58जब ओकर
पड़ोसी अउर ओकर नातेदार सुनेन कि पर्भू ओह प
दाया देखाइस ह तउ सबइ साथे मिलिके खुसी मनाएन।

59अउर फिन अइसा भवा कि अठवें दिन बचवा क
खतना खातिर मनइयन हुवाँ आएन। उ पचे ओकरे बाप
क नाउँ क मुताबिक ओकर नाउँ जकरयाह धरइ जात
रहेन, 60तबहीं ओकर महतारी बोल पड़ी, "नाहीं! एकर
नाउँ तउ यूहन्ना धरे चाही।"

61तब उ पचे ओसे बोलेन, "तोहरे कउनो भी नातेदार
का इ नाउँ नाहीं बा।" 62अउर फिन उ पचे इसारन मँ
ओकरे बाप स पूछेन, "उ ओका का नाउँ देइ चाहत ह?"

63एह प जकरयाह ओनसे एक ठु तख्ती माँगेस
अउर लिखेस, "एकर नाउँ अहइ यूहन्ना।" एह पइ उ
सबइ अचरजे मँ पड़ि गएन। 64तबहीं फउरन ओकर मुँह
खुलि गवा अउर ओकर बाका फूटि गवा। उ बोलइ लाग
अउर परमेस्सर क स्तुति करइ लाग। 65एँसे सबइ पड़ोसी
डेराइ गएन अउर यहूदिया क समूचइ पहाड़ी पहँटा मँ

मनइयन ऍकरे बारे मँ बतियाई लागेन। 66जउन कउनो
भी इ बात सुनेस, अचरजे मँ पड़िके कहइ लागेन, “इ
गदेला का बनी?” काहेकि पर्भू क हाथ ओह प अहइ।

## जकरयाह क स्तुति

67तब ओकर बाप जकरयाह पवित्तर आतिमा स
सराबोर होइ गवा अउर उ भविस्सबाणी किहेस:

68“इस्राएल क पर्भू परमेस्सर क आसीस होइ
काहेकि उ आपन मनइयन क मदद बरे
आवा अउर ओनका आजाद कराएस।
69 उ हमरे बरे आपन सेवक दाऊद क परिवार
स एक उद्धारकर्त्ता दिहस।
70 जइसा कि उ बहोत पहिले आपन पवित्तर
नबी स बचन देवॉएस।
71 उ हमका हमार दुस्मनन स अउर ओन सब
क हथवन स, जउन हम स घिना करत
रहेन, हमका छोड़ावइ क बचन दिहस।
72 हमरे पूर्वजन प दाया देखावइ क अउर आपन
पवित्तर बचन क याद रखइ क।
73 ओकर बचन रहा एक उ सपथ जउन हमरे
पूर्वजन इब्राहीम क संग लीन्ह गइ रहिन,
74 कि हमार दुस्मनन क हथवन स हमार
छुटकारा अउर बेडर क पर्भू क सेवा करइ
क हुकुम दीन।
75 अउर आपन जिन्नगी भर हर रोज ओकरे
समन्वा हम पचे पवित्तर अउर धर्मी रहि
सकी।
76“हे बालक! अब तू सर्वोच्च (परमेस्सर) क
बड़ा नबी कहा जाइ काहेकि तू पर्भू क अगवा
अगवा चलिके ओकरे बरे राह तइयार करी।
77 अउर ओकरे मनइयन स कही कि ओनके
पापन क छमा स उ ओनके लोगन क उद्धार
का गियान देबा।
78 हमरे परमेस्सर क नरम अनुग्रह स एक
नवा दिन क भोर हम पइ ऊपर स उतरी।
79 ओन प चमकइ बरे जउन मउत क गहरी
छाया मँ जिअत अहइँ काहेकि हमरे गोड़वन
सांति क राहे प सीधा जाइँ।”

80इ तरह उ लरिका बाढ़इ लाग अउर ओकर आतिमा
मजबूत स मजबूत होइ लाग। उ मनइयन मँ परगट होइ स
पहिले निर्जन जगहिया मँ रहत रहा।

## ईसू क जनम

*(मत्ती 1:18-25)*

2 उ दिना औगुस्तुस कैसर कइँती स एक हुकुम निकरा
कि समूचइ रोम क राज्य मँ जनगणना दर्ज कीन्ह
जाइ। 2इ पहली जनगणना रही। जब सीरिया क राज्यपाल
क्विरिनियुस रहा। 3एह बरे जनगणना खातिर हर कउनो
आपन सहर आवा।
4यूसुफ भी, गलील क नासरत सहर स यहूदिया मँ
दाऊद क सहर बैतलहम क आवा काहेकि उ दाऊद क
परिवार अउर बंस क सदस्य रहा। 5उ हुवाँ आपन
होइवाली स्त्री मरियम क संग, जउन गर्भवती रही, आपन
नाउँ लिखावावइ ग रहा। 6अबहिं जब उ पचे हुवाँ रहेन,
मरियम क बचवा पइदा करइ क समइ आइ गवा।
7अउर उ आपन पहिलौटी पूत (ईसू) क जनम दिहस।
काहेकि हुवाँ सराय क भीतरे उ पचन क कउनो ठउर
नाहीं मिल पावा। एँह बरे उ ओका ओढ़ना मँ लपेटिके
चरही मँ लोटाएस।

## ईसू क जनम क खबर

8तबहीं हुवाँ उ पहँटा मँ बाहेर खेत मँ कछू गड़रियन
रहेन जउन राति क समइ आपन आपन झूंड क रखवारी
करत रहेन। 9उहइ समइया पर्भू क एक दूत परगट भवा
अउर ओनकइ चारिहुँ कइँती पर्भू क तेज फूटइ लाग।
उ सबइ सहमि गएन। 10तबहीं सरगदूत ओनसे कहेस,
“डेराअ जिन, मइँ सुसमाचार लइ आवा हउँ, जेसे सबइ
मनइयन क महान आनंद होई। 11काहेकि आज दाऊद
क सहर मँ तोहार उद्धारकर्ता मसीह पर्भू क जनम भ
अहइ। 12तोहका ओका पहिचानइ क चीन्हा होइ कि तू
एक ठु बचवा क ओढ़ना मँ लपेटा भवा, चरही मँ
ओलरा पउब्या।”
13उहइ समइया एकाएक उ सरगदूते क संग ढेरि क
अउर सरगदूतन हुवाँ हाजिर भएन। उ पचे इ कहत भवा
परमेस्सर क गुन गावत रहेन:

14“सरगे मँ परमेस्सर क महिमा होइ अउर धरती
प ओन मनइयन क सांति मिलइ जेसे उ खुस
होइ।”

15अउर जब सरगदूतन ओनका तजिके सरग लौटि
गएन तउ उ सबइ गड़रियन आपुस मँ कहइ लागेन
“आवा हम बैतलहम चली अउर जउन घटना भइ अहइ
अउर जेकॉ पर्भू हमका बताएन ह, ओका देखी।”
16तउ उ पचे जल्दी गयेन अउर हुवाँ मरियम अउर
यूसुफ क पाएन अउर निहारेन कि बचवा चरही मँ
लोटा बा। 17गड़रियन जब ओका निहारेन तउ इ बचवा
क बारे मँ जउन संदेसा ओनका दीन्ह ग रहा, उ पचे
ओनका सबइ क बताइ दिहन। 18जउन कउनो भी ओनका
सुनेन, उ पचे गड़रियन क कही बातन प अचरज करइ
लागेन। 19मुला मरियम इ सबइ बातन क आपन मनवा
मँ राखि लिहेस अउर उ ओन प सोचइ बिचारइ लाग।
20अउर ओहर उ सबइ गड़रियन जउन कछू सुनेन
अउर देखे रहेन, ओके बरे परमेस्सर क स्तुति अउर

धन्यबाद देत अपने घरन क लौटि गएन। इ सब अइसेन
घटा जइसेन कि ओनका बतावा गवा रहा।
21अउर जब बचवा क खतना खातिर अठवाँ दिन
आइ तउ ओकर नाउँ ईसू रखेन। ओका इ नाउँ ओकरे
गरभ मँ आवइ स पहिले सरगदूत दइ दिहन।

## ईसू क मंदिर मँ लइ जाब

22अउर जब मूसा क व्यवस्था क मुताबिक पइदा
भए बचवा क सूतक क दिन पूरा होइ गवा अउर सुद्ध
होइ क समइ आइ तउ उ पचे ईसू क पर्भू क अरपन
करइ बरे यरूसलेम लइ गएन। 23पर्भू क लिखे भइ
व्यवस्था क मुताबिक, "हर पहिलौटी क बेटवा पर्भू क
बरे बिसेस मानी जाई।'"* 24अउर पर्भू क व्यवस्था
कहत ह, "एक जोड़ी कबूतर या पड़ुँकी क दुइ नवा
बचवा क बलिदान देइ चाही।"* तउ उ पचे पर्भू क
व्यवस्था क मुताबिक बलि चढ़ावइ लइ गएन।

## समौन क ईसू क दर्सन

25यरूसलेम मँ समौन नाउँ क एक धर्मी अउर
भगत रहा। उ इस्राएल क सुख चइन क बाट जोहत
रहा। पवित्तर आतिमा ओकरे साथ रही। 26पवित्तर
आतिमा ओका परगट किए रही कि जब तलक उ पर्भू
क मसीह क दर्सन नाहीं कइ लेइ, मरी नाहीं। 27उ
पवित्तर आतिमा क साथ मंदिर मँ आवा अउर जब
व्यवस्था क मुताबिक कारज बरे बालक ईसू क ओकर
महतारी बाप मंदिर मँ लइ आएन। 28तउ समौन ईसू क
आपन गोदी मँ उठाइके परमेस्सर क स्तुति करत बोला:

29"पर्भू, अब तू आपन बचन क मुताबिक मोका
आपन दास क सांति क साथ मुक्ती द्या
30 काहेकि मइँ आपन आँखिन स तोहरे उ उद्धार
क दर्सन कइ लीन्ह ह।
31 जेका तू सबहीं मनइयन क उपस्थिति मँ
तइयार किए अहा।
32 इ बचवा गैर यहूदियन बरे तोहरे राहे का
देखावय बरे ज्योति क सोता अहइ अउर
तोहरे इस्राएल क मनइयन बरे इ महिमा
अहइ।"

33ओकर महतारी बाप ईसू क बारे मँ कही गइ इ
बातन स अचरजे मँ पड़ि गएन। 34फिन समौन ओनका
आसीर्बाद दिहस अउर ओकर महतारी मरियम स कहेस,
"इ बचवा इस्राएल मँ बहोतन क गिरावइ या उठावइ क
कारण बनइ अउर एक अइसा चीन्हा ठहरावा जाइ बरे
तय कीन्ह ग अहइ जेकर खिलाफत कीन्ह जाइ। 35अउर
मनइयन जेका गूढ़ समझिहीं, उ लोगन क पता लगि जाई
जेहसे तोहरे हिरदय क दुख होइ।"

## हन्नाह ईसू क देखत ह

36हुवँइ हन्नाह नाउँ क एक ठु नबिया रही। उ
असेर कबीले क फनूएल क बिटिया रही। उ बहोत
बुढ़िया रही। आपन बियाहे क सिरिफ सात बरिस पाछे
तलक उ आपन भतारे क साथे रही। 37अउर फिन
चौरासी बरिस तलक उ विधवा रही। उ मंदिर कबहुँ
नाहीं तजेस। उपवास अउर पराथना करत भइ उ रात-दिन
आराधना करत रही। 38उहइ समइ उ उहाँ खड़ी ही। उ
परमेस्सर क धन्यबाद दिहस अउर जउन मनइयन
यरूसलेम क छुटकारा क बाट जोहत रहेन, उ ओन
सबन्क छोड़ावइ क बारे मँ बताएस।

## यूसुफ अउर मरियम क घर लौटब

39अउर जब उ पचे पर्भू क व्यवस्था क मुताबिक
सब कछू पूरा कइ लिहेन तउ उ सबइ गलील मँ आपन
सहर नासरत लौटि आएन। 40अउर उ बालक बाढ़इ
लाग अउर हिट्ठ पुट्ठ होइ लाग। उ बहोत बुद्धिमान रहा
अउर ओह प परमेस्सर क अनुग्रह रही।

## बालक ईसू

41फसह क त्यौहार प हर बरिस ओकर महतारी
बाप यरूसलेम जात रहेन। 42जब उ बारह बरिस क रहा
तउ सदा क नाईं उ पचे त्यौहार प गएन। 43जब त्यौहार
खतम भवा अउर उ सबइ घरवा लौटत रहेन तउ बालक
ईसू यरूसलेम मँ रुकि गवा मुला महतारी बाप क एँकर
जानकारी नाहीं होइ पाइ। 44इ बिचारत भए कि उ दले मँ
कहूँ होई, उ सबइ दिन भर जात्रा करत रहेन। फिन उ
सबइ ओका आपन नातेदारन अउर नजदीकी मीतन मँ
हेरइ लागेन। 45अउर जब उ ओनका नाहीं मिल पावा
तउ उ सबइ हेरत हेरत उ पचे यरूसलेम लौटि आएन।
46अउर फिन भवा ई कि तीन दिना बाद उ ओहका
मंदिर मँ पाएन। उ उपदेस देइ वालेन क साथ बइठ के
ओनका सुनत रहा अउर ओनसे सवाल पूछत रहा। 47उ
सबहिं जउन ओसे सुने रहेन, ओकर समझ बूझ अउर
ओकरे सवाले क जवाब स अचरजे मँ पड़ि गएन। 48जब
ओकर महतारी बाप ओका निहारेन तउ दंग रहि गएन।
ओकर महतारी ओसे पूछेस, "बेटवा, तू हमरे साथ अइसा
काहे किहा? तोहार बाप अउर मइँ तोहका हेरत हेरत
बहोतइ फिकिर मँ रहेन।"
49तब ईसू ओनसे कहेस, "तू मोका काहे हेरत रह्या?
का तू नाहीं जनत्या कि मोका मोरे बाप क चीजन मँ
सामिल होइ चाही?" 50मुला ईसू ओनका जउन जवाब
दिहस, उ पचे ओकरे बचन क ना समझ सकेन।

---

**"हर ... जाई"** निर्ग 13:2

**"एक ... चाही"** लैव्य 12:8

[51]फिन उ ओनके संग नासरत लौटि आवा अउर ओनकइ हुकुम क मानत रहा। ओकर महतारी इ सब बतियन क आपन मने मँ राखत जात रही।
[52]ओह कइँती ईसू बुद्धि मँ, डील डौल मँ अउर परमेस्सर अउर मनइयन क पिरेम मँ बाढ़इ लाग।

## यूहन्ना क प्रचार

*(मत्ती 3:1-12, मरकुस 1:1-8; यूहन्ना 1:19-28)*

3 तिबिरियुस कैसर क राज्य क पन्द्रहवाँ बरिस मँ जब यहूदिया क राज्यपाल पुन्तियुस पीलातुस रहा अउर उ पहँटा क चउथाई भाग क राजन मँ हेरोदेस गलील क, ओकर भइया फिलिप्पुस इतूरैया अउर त्रखोनीतिस क, अउर लिसानियास अबिलेने क मातहत राजा रहा।
[2]हन्ना अउर काइफा महायाजक रहेन, तबहीं परमेस्सर क बचन जकरयाह क बेटवा यूहन्ना क लगे रेगिस्तान मँ पहुँचा। [3]तउ यरदन नदी क नगिचे क समूचे पहँटा मँ गवा, उ पापन क छमा बरे मनफिराय क खातिर बपतिस्मा क प्रचार करइ लाग। [4]नबी यसायाह क बचन क किताबे मँ जइसा लिखा बा :

"कउनो क रेगिस्तान मँ चिल्लात भवा सब्द:
'पर्भू क बरे रस्ता तइयार करा अउर ओकरे बरे रस्ता सोझ बनवा।
[5] हर घाटी भरि दीन्ह जाई अउर हर पहाड़ अउर पहाड़ी सपाट होइ जइहीं टेढ़ मेंढ़ स्थान सीधे अउर ऊबड़ खाबड़ रस्ता चौरस कइ दीन्ह जाई।
[6] अउर सबइ मनई परमेस्सर क उद्धार क दर्सन करिहीं।' "

*यसायाह 40:3-5*

[7]यूहन्ना बपतिस्मा लेइ आएन मनइयन क भीड़ स कहत रहा, "अरे सँपोला, तू पचन क कउन चेताएस ह कि तू आवइवाले किरोध स बच जा? [8]फल क जरिये तोहका प्रमाण देइ क होई कि असल मँ तोहका अपने पापन क पछतावा अहइ। अउर आपुस मँ इ कहब जिन सुरू करा, 'इब्राहीम हमार बाप अहइ।' मइँ तोहसे कहत हउँ कि परमेस्सर इब्राहीम बरे इन पाथरन स भी बचवन पइदा कइ सकत ह। [9]बृच्छन क जड़े प कुल्हाड़ा धरा गवा अहइ अउर हर उ बृच्छ जउन नीक फर नाहीं पइदा करत, काटिके गिराइ दीन्ह जाई अउर फिन ओका आगी मँ झोंकि दीन्ह जाई।"
[10]तब भीड़ ओसे पूछेस, "तउ हमका का करइ चाही?" [11]जवाबे मँ उ ओनसे कहेस, "जउन कउनो क लगे दुइ कुरता होइ, उ ओनका जेकरे लगे न होइ, ओनके संग बाँटि लेइँ। अउर जेकरे लगे खइया क होइ, उ भी अइसा ही करइ।"
[12]कछू चुंगी (टिक्स) त उगहिया ओकरे लगे बपतिस्मा बरे आएन अउर फिन उ पचे ओसे पूछेन, "गुरु, हमका का करइ क चाही?"
[13]एँह पइ उ ओनसे कहेस, "जेतॅना चाही ओसे जिआदा जिन वसूला।" [14]कछू सिपाही ओसे पूछेन, "अउर हमका का करइ चाही?"
तउ उ ओनका समझाएस, "जोर अउर दबाव स कउनो स धन जिन ल्या। कउनो प झूठ दोख जिन लगावा। आपन पगार स संतोख करा।"
[15]लोग बड़की आसा स बाट जोहत रहेन अउर यूहन्ना क बारे मँ आपन मने मँ इ बिचारत रहेन कि कहूँ, "इ तउ मसीह नाहीं बा।"
[16]तबहीं यूहन्ना इ कहत भवा उ सबन क उत्तर दिहस, "मइँ तउ तोहका जले स बपतिस्मा देत हउँ मुला उ जउन मोसे जिआदा बरियार बा, आवत अहइ। मइँ ओकरे पनही क फीता तलक खोलइ क जोग्ग नाहीं हउँ। उ तोहका पवित्तर आतिमा अउर आगी स बपतिस्मा देइ। [17]ओकरे हाथ मँ ओसावइ क पाँचा अहइ, जेसे उ दाना क भूसा अलगाइ क आपन खरिहाने मँ उठाइके धरत ह। मुला उ भूसा क अइसी आगी मँ झोंकी जउन कबहुँ नाहीं बुताइवाली अहइ।" [18]इ तरह अइसे ही अउर बहोत स सब्दन स उ ओनका समझावत भवा सुसमाचार सुनावत रहत रहा।

## कइसे यूहन्ना क कारज क खतम भवा

[19](पाछे यूहन्ना उ चौथाई पहँटा क मातहत राजा हेरोदेस क ओकर भाई क पत्नी हेरोदियास क संग ओकर गलत संबंध अउर ओकर दूसर कुकरम बरे डाटेस फटकारेस। [20]एह पइ हेरोदेस यूहन्ना क बंदी बनाइके, जउन कछू कुकरम उ किहे रहा, ओहमाँ एक अउर जोर दिहस।)

## यूहन्ना क जरिए ईसू क बपतिस्मा

*(मत्ती 3:13-17, मरकुस 1:9-11)*

[21]अइसा भवा कि जब सब लोग बपतिस्मा लेत रहेन तउ ईसू भी बपतिस्मा लिहेस। अउर जब ईसू पराथना करत रहा, तबहीं अकास खुलि गवा [22]अउर पवित्तर आतिमा एक ठु कबूतरे क देह धइके ओह प तरखाले ओतरा। अउर अकासबाणी भइ, "तू मोर पियारा पूत अहा, मइँ तोहसे बहोत खुस हउँ।"

## यूसुफ क बंसज बृच्छ

*(मत्ती 1:1-17)*

[23]ईसू जब आपन सेवा सुरु किहेस तउ उ खुद लगभग तीस बरिस क रहा। अइसा बिचारा गवा कि उ यूसुफ क बेटवा था। एली क बेटवा यूसुफ। [24]मत्तात क बेटवा एली। लेवी क बेटवा मत्तात। मलकी क बेटवा

लेवी। यन्ना क बेटवा मलकी। यूसुफ क बेटवा यन्ना।
[25]मत्तित्याह क बेटवा यूसुफ। आमोस क बेटवा मत्तित्याह।
नहूम क बेटवा आमोस। असल्याह क बेटवा नहूम।
नोगह क बेटवा असल्याह। [26]मात क बेटवा नोगह।
मत्तित्याह क बेटवा मात। सिमी क बेटवा मत्तित्याह।
योसेख क बेटवा सिमी। योदाह क बेटवा योसेख।

[27]योनान क बेटवा योदाह। रेसा क बेटवा योनान।
जरुब्बाबिल क बेटवा रेसा। सालतियेल क बेटवा
जरुब्बाबिल। नेरी क बेटवा सालतियेल। [28]मलकी क
बेटवा नेरी। अद्दी क बेटवा मलकी। कोसाम क बेटवा
अद्दी। इलमोदाम क बेटवा कोसाम। एर क बेटवा
इलमोदाम। [29]येसु क बेटवा एर। एलीएजेर क बेटवा
येसु। योरीम क बेटवा एलीएजेर। मत्तात क बेटवा योरीम।
लेवी क बेटवा मत्तात।

[30]समौन क बेटवा लेवी। यहूदाह क बेटवा समौन।
यूसुफ क बेटवा यहूदाह। योनान क बेटवा यूसुफ।
एलियाकीम क बेटवा योनान। [31]मलेआह क बेटवा
एलियाकीम। मिन्नाह क बेटवा मलेआह। मत्तता क
बेटवा मिन्नाह। नातान क बेटवा मत्तता। दाऊद क
बेटवा नातान । [32]यिसै क बेटवा दाऊद। ओबेद क
बेटवा यिसै। बोअज क बेटवा ओबेद। सलमोन क बेटवा
बोअज। नहसोन क बेटवा सलमोन।

[33]अम्मीनादाब क बेटवा नहसोन। आदमीन क बेटवा
अम्मीनादाब। अरनी क बेटवा आदमीन। हिस्रोन क
बेटवा अरनी। फिरिस क बेटवा हिस्रोन। यहूदाह क
बेटवा फिरिस। [34]याकूब क बेटवा यहूदाह। इसहाक क
बेटवा याकूब। इब्राहीम क बेटवा इसहाक। तिरह क
बेटवा इब्राहीम। नाहोर क बेटवा तिरह। [35]सरूग क
बेटवा नाहोर। रऊ क बेटवा सरूग। फिलिग क बेटवा
रऊ। एबिर क बेटवा फिलिग। सेलाह क बेटवा एबिर।

[36]केनान क बेटवा सेलाह। अरफक्षद क बेटवा
केनान। सेम क बेटवा अरफक्षद। नूह क बेटवा सेम।
लिमिक क बेटवा नूह। [37]मथूसिलह क बेटवा लिमिक।
हनोक क बेटवा मथूसिलह। यिरिद क बेटवा हनोक।
महललेल क बेटवा यिरिद। केनान क बेटवा महललेल।
[38]एनोस क बेटवा केनान। सेत क बेटवा एनोस। आदम
क बेटवा सेत। अउर परमेस्सर क पूत आदम था।

## ईसू क परीच्छा

*(मत्ती 4:1-11, मरकुस 1:12-13)*

**4** पवित्तर आतिमा स भरा भवा ईसू यरदन नदी स
लौटि आवा। आतिमा ओका ऊसरे मँ राह देखॉवत
रही। [2]हुवाँ सइतान चालीस दिना ताईं ओकर परीच्छा
लिहस। ओ दिनन मँ ईसू बे खइया क खाए रहा। फिन
जब समइ पूर भवा तउ ईसू भुखान।

[3]यह बरे सइतान ओसे कहेस, "जदि तू परमेस्सर क
पूत अहा तउ इ पथरे स रोटी बनइ बरे कहा।"

[4]एँह पइ ईसू जवाब दिहस, "पवित्तर सास्तरन मँ
लिखा बा:

'मनई सिरिफ रोटी प नाहीं जिअत।'"

*व्यवस्था विवरण 8:3*

[5]फिन सइतान ओका बहोत ऊँच लइ गवा अउर
छिन भर मँ समूचे संसार क राज्य ओका देखॉवत बोला,
[6]अउर सइतान ने ओसे कहेस, "मइँ इन राज्यन क
तोहक हुकूमत अउर धन दौलत दइ देइहउँ अउर मइँ
जेका चाहउँ ओका दइ सकत हउँ। [7]यह बरे यदि तू मोर
आराधना करब्या तउ इ सब तोहार होइ जाई।"

[8]ईसू ओका जवाब देत भवा बोला, "पवित्तर सास्तरन
मँ लिखा बा:

'तोहका सिरिफ आपन पर्भू परमेस्सर क ही
आराधना चाही। तोहका सिरिफ उहइ क सेवा
करइ चाही!'"

*व्यवस्था विवरण 6:13*

[9]तब उ ओका यरूसलेम लइ गवा अउर हुवाँ मंदिर
क सबते ऊँची चोटी प लइ जाइके खड़ा कइ दिहस।
अउर उ ओसे बोला, "जदि तू परमेस्सर क पूत अहा तउ
हिआँ स अपने आपक तरखाले गिरावा। [10]पवित्तर
सास्तर मँ लिखा अहइ :

'उ आपन सरगदूतन क तोहरे बारे मँ हुकुम देई
कि उ पचे तोहार रच्छा करइँ।'

*भजन संहिता 91:11*

[11]अउर लिखा अहइ :

'उ पचे तोहका आपन बाँहे मँ अइसे उठइहीं कि
तोहार गोड़ कउनो पाथर स न टकराई।'"

*भजन संहिता 91:12*

[12]ईसू जवाब देत भवा कहेस, "पवित्तर सास्तरन मँ
इ भी लिखा बा:

'तोहका आपन पर्भू परमेस्सर क परीच्छा मँ
नाहीं नावइ चाही।'"

*व्यवस्था विवरण 6:16*

[13]तउ जब सइतान ओकर सबइ तरह क परीच्छा लइके
हारि गवा तउ दूसरइ समइ तलक ओका तजिके चल
दिहस।

## ईसू का लोगन क उपदेस

*(मत्ती 4:12-17, मरकुस 1:14-15)*

[14]फिन ईसू आतिमा क समर्थ स भरा भवा गलील
लौटि आवा अउर उ समूचे पहँटा मँ ओकर चर्चा फैलि
गइ। [15]उ ओनके आराधनालय मँ उपदेस दिहेस। सबइ
ओकर प्रसंसा करत रहेन।

[16]फिन उ नासरत आवा जहाँ उ पला अउर बड़ा
भवा। आपन आदत क मुताबिक सबित क दिन उ
आराधनालय मँ गवा। जबहिं उ पाठ बाँचइ खड़ा भवा।
[17]तउ यसायाह नबी क किताब ओका दीन्ह गई। जब उ
किताब खोलेस तउ ओका उ जगह मिला जहाँ लिखा
रहा कि:

[18]"पर्भू क आतिमा मोरे मँ समाइ गइ अहइ
काहेकि किहेस ह उ मोर अभिसेक कि
दुइनउँ क सुसमाचार सुनाउब मइँ, उ मोका
पठएस ह बंदीयन क इ बतावइ कि उ पचे
अजाद अहइँ। आँधर क आँखिन मँ जोति
सरसावइ, अउर दलितन क छुटकारा देवॉवइ;
[19] पर्भू क अनुग्रह क समइ बतावइ क भेजा
अहइ!"

*यसायाह 61:1-2*

[20]फिन उ किताब क बंद कइके परिचारक क
हथवा मँ दइ दिहस अउर बैठ गवा। आराधनालय मँ
सबइ क आँखिन ओका निहारत रहिन। [21]तब उ ओनसे
कहब सुरु किहेस, "आज इ बचन तोहरे काने मँ पूर
भवा!"

[22]हर कउनो ओकरे बारे मँ अच्छी बातन कहत
रहेन। ओकरे मुँहना स जउन सुन्दर बचन निकरत
रहेन, ओन प सबन क अचरज भवा। उ पचे कहेन,
"का इ यूसुफ क बेटवा नाहीं अहइ?"

[23]फिन ईसू ओनसे कहेस, "तू पचे जरूर मोका इ
कहावत सुनउब्या, 'अरे बैद्य खुद आपन इलाज करा।'
कफरनहूम मँ तोहरे जउन काजे क बारे मँ हम पचे
सुना ह, उ काजे क हिआँ आपन खुद क सहर मँ भी
कइ डावा!'" [24]ईसू तब ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे सच
कहत हउँ कि आपन सहर मँ कउनो नबी क स्वागत
नाहीं होत। [25]मइँ तोहसे सच कहत हउँ इस्राएल मँ एलिय्याह
क समइ मँ जब अकास जइसे मुँद गवा रहा अउर साढ़े
तीन बरिस तलक पूरी धरती मँ खौफनाक अकाल पड़ि
गवा, तउ हुवाँ बहुत विधवन रहेन। [26]मुला सैदा पहँटा के
सारपत सहर क एक विधवा क तजिके एलिय्याह क
कउनो अउर क लगे नाहीं पठवा गवा रहा। [27]अउर
नबी एलीसा क समइया मँ इस्राएल मँ ढ़ेर कोढ़ी रहेन
मुला ओहमाँ स सीरिया क बसइया नामान क तजिके
अउर कउनो क सुद्ध नाहीं कीन्ह गवा रहा।"

[28]तउ जबहिं आराधनालय मँ मनइयन इ सुनेन तउ
सबहिं बहोत क्रोध स भर गएन। [29]तउ उ पचे खड़ा
भएन अउर ओका सहर स बाहेर ढकेल दिहेन। उ सबइ
ओका पहाड़े क उ चोटी प लइ गएन जेह प ओकर
सहर बसा रहा जेसे उ पचे हुवाँ तरखाले झोंकि देइँ।
[30]मुला उ ओनके बीच स निकरिके कहूँ आपन राहे प
चला गवा।

## ईसू का एक मनई क दुस्ट आतिमा स छुटकारा

*(मत्ती 1:21-28)*

[31]फिन उ गलील क एक सहर कफरनहूम गवा
अउर सबित क दिन मनइयन क उपदेस देइ लाग।
[32]मनई ओकरे उपदेस स अचरज मँ पड़ि गएन काहेकि
ओकर संदेस मुड्ढ विद्वान क तरह रहा। [33]हुवँई एक ठु
मनई आराधनालय मँ रहा जेहमाँ एक दुस्ट आतिमा क
सवारी रही। उ जोर स चिल्लान, [34]"हे नासरत क ईसू!
तू हमसे का चाहत बाट्या? का तू हमार नास करइ आइ
अहा? मइँ जानत हउँ तू कउन अहा-तू परमेस्सर क
पवित्तर मनई अहा!" [35]ईसू झिड़कत भवा ओसे कहेस,
"चुप रह। एहमाँ स बाहेर निकरि आवा!" एँह पइ दुस्ट
आतिमा उ मनई क लोगन्क समन्वा दइ मारेस अउर
ओका बे नसकान किए ओसे बाहेर निकरि गइ।

[36]सबइ कोउ अचरजे मँ पड़ि गएन। उ सबइ एक
दूसर स बतियात कहेन, "इ कइसा सन्देस बा? हक
अउर सक्ती क संग इ दुस्ट आतिमन क हुकुम देत ह
अउर उ सबइ बाहेर निकरि जात हीं।"

[37]उ पहँटा मँ लगे हर ठउरे प ओकरे बारे मँ खबर
सँचर गइ।

## रोगी स्त्री क चंगा कीन्ह जाब

*(मत्ती 8:14-17, मरकुस 1:29-34)*

[38]तब ईसू आराधनालय स समौन क घर चला
गवा। समौन क सासे क बहोत बोखार चढ़ा रहा। उ पचे
ईसू स मदद बरे बिनती किहेन। [39]ईसू ओकरे सिरहाने
खड़ा भवा अउर बोखारे क डाटेस। बोखार ओहका
छोड़ि दिहस। उ फउरन खड़ी होइ गइ अउर ओनकर
सेवा करइ लाग।

## ईसू बहोतन क चंगा किहेस

[40]जब सूरज ओनवबत रहा तउ जेकरे हिआँ किसिम
किसिम क बेमारी स पीड़ित रहेन, उ सबइ ओनका
ओकरे लगे लइ आएन। अउर उ आपन हथवा ओहमाँ
स हर एक पर रखत भए ओनका चंगा किहेस। [41]ओहमाँ
बहोतन मँ दुस्ट आतिमन चिचियात भइ इ कहत बाहेर
निकरि आइन, "तू परमेस्सर क पूत अहा।" मुला उ
ओनका डाँटेस अउर बोलइ नाहीं दिहस, काहेकि उ
सबइ जानत रहिन कि उ मसीह अहइ।

## ईसू क दूसर सहरन क जात्रा

*(मरकुस 1:35-39)*

42जब भिनसार भवा तउ हुवाँ स उ कउनो एकांत
ठउर चला गवा। मुला भीड़ ओका हेरत हेरत हुवँइ
जाइके पहोंच गइ जहाँ उ रहा। उ पचे ओका ओनका
छोड़िके जाइ स रोकेन।

43मुला उ ओनसे कहेस, "परमेस्सर क राज्य क
बारे मँ सुसमाचार मोका दूसर सहरन मँ भी पठवइ क
बा काहेकि मोका यह बरे पठवा ग अहइ।"

44अउर इ तरह उ यहूदिया क आराधनालय मँ
लगातार उपदेस देत रहा।

## ईसू क पहिले चेलन

*(मत्ती 4:18-22, मरकुस 1:16-20)*

5 अइसा भवा कि भीड़ मँ मनइयन ईसू क चारिहुँ
कइँती स घेरिके जब परमेस्सर क बचन सुनत
रहेन अउर उ गन्नेसरत नाउँ क झिलिया क किनारे
खड़ा रहा। 2तबहीं उ झीले क किनारे दुइ नाउ देखेस।
मछुआरा ओहमाँ स निकरिके आपन जाल साफ करत
रहेन।

3ईसू ओहमाँ स एक नाउ प जउन समौन क रही,
चढ़ि गवा अउर उ नाउ क किनारे स हटावइ बरे
कहेस। फिन उ नाउ प बइठि गवा अउर हुवँई नाउ प स
मनइयन क भीड़े क उपदेस देइ लाग।

4जब उ उपदेस देब बंद किहेस तउ उ समौन स
कहेस, "गहिर पानी कइँती बढ़ा अउर मछरी धरइ क
आपन जालि डावा।"

5समौन कहेस, "स्वामी हम सारी राति बहोत मेहनत
कीन्ह ह, मुला हमका कछू नाहीं मिला। तउ भी तू कहत
बाट्या, यह बरे मइँ जालि नाइ देत हउँ।" 6जब उ पचे
जलिया डारि दिहन तउ ढेर मछरी धरी गइन। ओनकइ
जालि जइसे फाटत रहिन। 7तउ उ पचे दूसर नाउन मँ
बइठन आपन साथी संगी क इसारा कइके मदद बरे
बोलाएन। उ सबइ आइ गएन अउर उ सबइ दुइनउँ
नाउन प एँतनी ढेरि क मछरी लादि दिहन कि माना उ
पचे बूड़इ लागेन।

8-9 जब समौन पतरस इ निहारेस तउ उ ईसू क
गोड़वा मँ गिरिके बोला, "मोसे दूर रहा, काहेकि हे पर्भू
मइँ एक पापी मनई हउँ।" उ इ यह बरे कहेस कि एँतनी
मछरी बटोर पावइ क कारण ओका अउर ओकँरे सबहीं
साथी क बहोत अचरज होत रहा। 10जब्दी क बेटवा
याकूब अउर यूहन्ना क भी, जउन समौन क साथी
रहेन, इ तरह बहोत अचरज भवा।

तउ ईसू समौन स कहेस, "डेराअ जिन, काहेकि
अबहिं स तू मनइयन क बटोरब्या।"

11फिन उ पचे आपन नाउन क किनारे लइ आएन
अउर सब कछू तजिके ईसू क पाछे होइ गएन।

## कोढ़ी क सुद्ध कीन्ह जाब

*(मत्ती 8:1-4, मरकुस 1:40-45)*

12तउ अइसा भवा कि जब ईसू एक सहर मँ रहा
तबहीं हुवाँ कोढ़ स बिआपा एक ठु मनई रहा। उ जइसेन
ईसू क निहारेस तउ दण्डवत प्रणाम कइके ओसे बिनती
किहेस, "पर्भू, जदि तू चाहा तउ मोका चंगा कइ सकत
ह।"

13एँह पइ ईसू आपन हाथ बढ़ाइके कोढ़ी क इ
कहत भवा छुएस, "मइँ चाहत हउँ, चंगा होइ जा!"
अउर फउरन ओकर कोढ जात रहा। 14फिन ईसू ओका
हुकुम दिहेस, "एँकरे बारे मँ उ कउनो स कछू न कहइ।
मुला याजक क लगे जा अउर अपने सुद्ध होइ बरे मूसा
क हुकुम क मुताबिक भेंट चढ़ाइ द्या जेसे मनइयन क
तोहरे चंगा होइ क प्रमाण मिलइ।" 15मुला ईसू क बारे मँ
खबर अउर जिआदा रफ्तार स संचरइ लाग। अउर
मनइयन क झुंड क झुंड एँकट्ठा होइके ओका सुनइ
अउर आपन बेरामी स जरटुट होइ बरे ओकरे नगिचे
आवत रहेन। 16मुला ईसू अक्सर कहूँ एकान्त जंगल मँ
चला जात रहा अउर उहाँ पराथना करत रहा।

## लकवा क रोगी क चंगा करब

*(मत्ती 9:1-8, मरकुस 2:1-12)*

17अइसा भवा कि एक दिना जब उ उपदेस देत रहा
तउ हुवाँ फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन भी बइठा
रहेन। उ सबइ गलील अउर यहूदिया क हर सहर अउर
यरूसलेम स आए रहेन। मनइयन क चंगा करइ क पर्भू
क सक्ती ओकरे साथे रही। 18तबहीं कछू मनई खटिया
प लकवा क एक बेरमिया क ओकरे लगे लइ आएन।
उ पचे ओका भितरे लइ आइके ईसू क समन्वा धरइ क
जतन करत रहेन। 19मुला भीड़ क कारण भीतर जाइके
रस्ता न मिल पावइ स उ सबइ छत प चढ़ि गएन अउर
उ पचे ओका बिछउना क साथ छत क बीचोबीचे स
खपरैल टारिके मोर के बीच मँ ईसू क समन्वा उतार
दिहन। 20ओनके बिसवास क लखत भवा ईसू कहेस,
"अरे तोहार, पाप छमा होइ गएन।"

21तब धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन आपन मँ
सोचइ लागेन, "इ कउन बा जउन परमेस्सर बरे अइसे
बेज्जती स बोलत ह? परमेस्सर क तजिके दूसर कउन
अहइ जउन पाप छमा कइ सकत ह?"

22मुला ईसू ओनकइ सोचब बिचारब क ताड़ लिहस।
फिन जवाबे मँ उ ओनसे कहेस, "तू पचे आपन मने मँ
अइसा काहे सोचत अहा? 23जिआदा असान का बाटइ?
इ कहब, 'तोहार पाप छमा हुआ' या इ कहब, 'उठा
अउर चला'? 24मुला यह बरे कि तू जान ल्या कि मनई
क पूत क धरती प छमा करइ क हक अहइ।" उ
लकवा क बेरमिआ स कहेस, "मइँ तोहसे कहत हउँ,
खड़ा हवा! आपन बिछउना उठावा अउर घरे जा।"

25तउ उ तुरंतहि खड़ा भवा अउर ओनके लखत
लखत जउने बिछउना प उ ओलरा रहा, ओका उठाइके
परमेस्सर क स्तुति करत भवा आपन घर चला गवा।
26उ पचे जउन हुवाँ रहेन सब चकित होइके परमेस्सर
क बड़कई करइ लागेन। उ पचे स्रद्धा अउर अचरज स
भरि गएन अउर बोलेन, "आजु हम पचे कछू अजूवा
निहारा ह!"

## लेवी क ईसू क बोलॉवा

*(मत्ती 9:9-13, मरकुस 2:13-17)*

27एकरे पाछे ईसू चला गवा। तबहीं उ चुंगी (टिक्स)
क चौकी पइ बइठा लेवी नाउँ क चुंगी उगहिया* क
लखेस। उ ओसे कहेस, "मोरे पाछे चला आवा!" 28तउ
उ खड़ा भवा अउर सब कछू तजिके ओकरे पाछे होइ
गएन।

29फिन लेवी आपन घरे प ईसू क मान बरे एक ठु
स्वागत जेवनार दिहस। हुवाँ चुंगी क उगहिया अउर
दूसर मनइयन क बड़का जमघट मिलिके ओकरे संग
जेवंत रहा। 30तब फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन
लोग ओकरे चेलन स इ कहत भए सिकाइत किहन, "तू
चुंगी उगहिया अउर पापी मनइयन क संग काहे खात
पिअत ह?"

31जवाबे मँ ईसू ओनसे कहेस, "हिट्ठ पुट्ठ क
नाहीं, मुला बेरमियन क बैद्य (डाक्टर) क जरूरत होत
ह। 32मइ मनफिराव बरे धर्मी लोगन क नाहीं मुला पापी
मनइयन क बोलावइ आवा हउँ!"

## उपास प ईसू क मत

*(मत्ती 9:14-17, मरकुस 2:18-22)*

33उ पचे ईसू स कहेन, "यूहन्ना क चेलन अक्सर
उपास राखत हीं अउर पराथना करत हीं। अउर अइसा
ही फरीसियन क मनवइयन भी करत ही मुला तोहार
मनवइयन तउ खात पिअत रहत हीं।"

34ईसू ओनसे पूछेस, "का दुल्हा क संग मेहमान जब
तलक दुल्हा क लगे रहत हीं, उपास करत हीं? 35मुला
उ सबइ दिनन अबहीं जबहिं दुल्हा ओनसे छीन लीन्ह
जइहीं। फिन उ दिनन मँ उ पचे उपास करिहीं।"

36उ ओनसे एक दिस्टान्त कथा अउर कहेस, "कउनो
भी नवा पोसाके स टुकड़ा फाड़िके ओका पुरान पोसाके
प नाहीं लगावत अउर जदि कउनो अइसा करत ह तउ
ओकर नवा पोसाक तउ फाटि जाई, ओकरे संग उ नवा
पइबंद भी पुरान क साथ मेल न खाई। 37कउनो भी
पुरान मसकन मँ नई दाखरस नाहीं भरत अउर जदि
भरि देत ह तउ नई दाखरस पुरान मसकन क फोरि देई,
उ फैलि जाई अउर मसकन क फोरि देई। 38मनई
हमेसा नई दाखरस नई मसकन मँ ही धरत ह। 39पुरान
दाखरस पीके कउनो भी नई का नाहीं चाहत काहेकि उ
कहत ह, 'पुरान उत्तिम अहइ।'"

## सबित क पर्भू ईसू

*(मत्ती 12:1-8, मरकुस 2:23-28)*

6 अब अइसा भवा कि सबित क एक दिन ईसू जब
अनाजे क खेतन्स जात रहा तउ ओनकर चेलन
अनाजे क बलिया तोड़तेन, हथेली प रगड़ितेन अउर
ओनका चबात जात रहेन। 2तबहीं कछू फरीसियन कहेन,
"जेका सबित क दिन कीन्ह जाब नीक नाहीं बा, ओका
तू पचे काहे करत अहा?"

3जवाब देत भवा ईसू ओनसे पूछेस, "का तू पचे नाहीं
पढ़्या जब दाऊद अउर ओकर साथी भुखान रहेन, तब
दाऊद का किहेस? 4का तू नाहीं बँच्या कि उ परमेस्सर
क घरे मँ घुसिके, परमेस्सर क चढ़ाई गइ रोटिन क
उठाइके खाइ लिहस अउर ओनका भी दिहेस जउन
ओकरे संग रहेन? जब कि याजकन क तजिके ओकर
खाब कउनो बरे नीक नाहीं।"

5उ अगवा फिन कहेस, "मनई क पूत सबित क
दिन क भी पर्भू अहइ।"

## ईसू सबित क दिन रोगी क चंगा किहेस

*(मत्ती 12:9-14, मरकुस 3:1-6)*

6दूसर सबित क दिना अइसा भवा कि उ आराधनालय
मँ जाइके उपदेस देइ लाग। हुवँई एक अइसा मनई रहा
जेकर दाहिन हाथ सुखंडी होइ गवा रहा। 7हुवँई धरम
सास्तिरियन अउर फरीसियन इ ताक मँ रहेन कि उ
सबित क दिन कउनो क चंगा किहे होइ तो ओह प दोख
लगावइ क कउनो कारण पाइ जाइँ। 8उ ओनके बिचारन
क जानत रहा। यह बरे उ सुखंडी हथवावाले मनई स
कहेस, "उठा अउर सबन क समन्वा खड़ा होइ जा।" उ
उठि गवा अउर हुवाँ खड़ा होइ गवा। 9तब ईसू मनइयन
स कहेस, "मइँ तोहसे पूछत हउँ−सबित क दिन कउनो
क भला करब चंगा अहइ या कउनो क नोसकान
करब, कउनो क जिन्नगी बचाउब नीक बा या कउनो
क जिन्नगी क नास करब।"

10ईसू चारिहुँ कइँती ओन सबन क निहारेस अउर
फिन ओसे कहेस, "आपन हथवा सोझ फइलावा।" उ
वइसा ही किहेस अउर ओकर हाथ फिन स चंगा होइ
ग।

11मुला एँह पइ उ पचे आपुस मँ तहत्तुक करत
कोहाइ गएन अउर बिचारइ लागेन, "ईसू क का कीन्ह
जाइ?"

---

**चुंगी (टिक्स) उगहिया** मनइयन स चुंगी उगहिया बरे यहूदियन क पगारे प रखा जात रहा। इ चुंगी क उगहिया मनइयन क ठगत रहेन। यह बरे मनई एनका इज्जत स नाहीं देखत रहेन।

## ईसू बारह प्रेरितन क चुनेस

*(मत्ती 10:1-4, मरकुस 3:13-19)*

12उ दिनन मँ अइसा भवा कि ईसू पराथना करइ
बरे एक पहाड़े प गवा अउर सारी राति परमेस्सर क
पराथना करइ मँ बिताएस। 13फिन भोर भवा तउ उ
आपन मनवइयन क लगे बोलॉएस। ओहमाँ स उ बारहु
क चुनेस, जेनका उ "प्रेरितन" क नाउँ दिहस। 14समौन
जेका उ पतरस का नाउँ दिहेस, अउर ओकर भइया
अन्द्रियास, याकूब अउर यूहन्ना, फिलिप्पुस, बरतुलमै,
15मत्ती, थोमा, हलफई क बेटवा याकूब अउर समौन
कनानी,*16याकूब क बेटवा यहूदा अउर यहूदा
इस्करियोती जउन दगाबाज होइ गवा।

## ईसू क मनइयन क उपदेस अउर चंगा करब

*(मत्ती 4:23-25, 5:1-12)*

17फिन ईसू ओनके संग पहाड़ी स तरखाले उतरिके
समथर भुइयाँ प खड़ा भवा। हुवँई ओकरे चेलन क
भारी जमघट रहा। एकरे साथ समूचइ यहूदिया, यरूसलेम,
सूर अउर सैदा क समुद्दर किनारे स अनगिनत आलम
हुवाँ आइके एॅकट्टा भवा। 18उ पचे ओका सुनइ अउर
बेरामी स छुटकारा पावइ हुवाँ आए रहेन। जउन दुस्ट
आतिमा स सतावा रहेन, उ पचे भी हुवाँ आइके चंगा
भएन। 19समूची भीड़ ओका छुइ भरि लेइ क जतन मँ
रही काहेकि ओहमाँ स सक्ती निकरत रही अउर ओन
सबन क बेरामी स दूर करत रही।
20फिन उ आपन चेलन क निहारत भवा बोला,

"धन्य अहा तू दीन जनन काहेकि परमेस्सर
क राज्य तोहार अहइ।
21 धन्य अहा तू, जउन अबहीं भूखा अहा काहेकि
तृप्ति तउ होइ तोहार, धन्य अहा तू, जउन
आजु आँसू बहावत अहा, काहेकि तू आगे
हँसब्या।

22"धन्य अहा तू, जब मनई क पूत क कारण लोग
तोहसे घिना करइँ, अउर तोहका निकारि देइँ; अउर
करइँ तोहार बुराई, नाउँ तलक क दुस्ट कहिके, काटि
देइँ उ पचे। 23तब उहइ दिन तू मगन होइके खुसी मँ
उछर्‌या काहेकि सरग मँ तोहार प्रतिफल महान अहइ।
काहेकि ओनके पूर्वजन भी नबियन क संग अइसा ही
किहन ह।

24"हाय! धिक्कार अहइ तोहका ओ धनी मनइयो।
काहेकि तोहका मिल गवा सुख चइन भरभूर।
25 अहइ तोहका धिक्कार, जउन भरपेट अहा
अब काहेकि तू भूखा रहब्या। अहइ तोहका
धिक्कार, जउन अबहिन हँसत अहा, काहेकि
तू आँसू बहउब्या अउर सोक करब्या।

26"बा धिक्कार तोहका, जब सबन दुआरा तोहार
बड़कई होइ काहेकि ओनके पूर्वजन भी इही ब्यौहार
झूठे नबियन क संग किहे रहेन।

## आपन बैरी स पिरेम करा

*(मत्ती 5:38-48; 7:12)*

27"ओ सुनवइया लोगो, मइँ तोहसे कहत हउँ आपन
बैरी स भी पिरेम करा। जउन तोहसे घिना करत हीं
ओनके संग भलाई करा। 28ओनका भी आसीर्बाद द्या
जउन तोहका सरापत हीं। ओनके बरे पराथना करा
जउन तोहरे संग नीक ब्यौहार नाहीं करतेन। 29जदि
कउनो तोहरे एक गाले प थप्पड़ियावइ तउ तू दूसर गाल
भी ओकरे अगवा कइ द्या. जदि कउनो तोहार कोट
तोसे लइ लेइ तउ ओहका कुर्ता भी लइ लेइ द्या। 30जदि
कउनो तोसे माँगइ, ओका द्या। जदि कउनो तोहार कछू
राखि लेइ तउ ओसे ओका वापस जिन माँगा। 31तू आपन
बरे जइसा ब्यौहार दूसरन स चाहत बाट्या, तोहका वइसा
ही दूसर क संग ब्यौहार करइ चाही। 32जदि तू बस
ओनही क पिआर करत ह, जउन तोहका पिआर करत
हीं, तउ एॅहमा तोहार कउन बड़कई? काहेकि आपन स
पिरेम करइवालन स पिरेम तउ पापी मनई तलक करत
हीं। 33जदि तू बस ओनहीं क भला करत ह, जउन
तोहार भला करत हीं, तउ तोहार कउन बड़कई? अइसा
तउ पापी तलक करत हीं।
34जदि तू सिरिफ ओनही क उधार देत ह, जेनसे
तोहका वापस मिल जाइ क आसा बा, तउ तोहार कउन
बड़कई? अइसे तउ पापी भी पापी मनइयन क देत हीं
कि ओनका ओनकी पूरी रकम वापस मिलि जाइ।
35मुला आपन दुस्मन स भी पिआर करा, ओनके संग
भलाई करा। कछू भी वापस मिलि जाइके आसा तजिके
उधार द्या। इ तरह तोहार फल महान होइ जाई अउर तू
सर्वोच्च (परमेस्सर) क संतान बनब्या काहेकि परमेस्सर
एहसाने क मानइवालन अउर दुस्ट मनइयन प भी दाया
करत ह। 36जइसे तोहार परमपिता दयालु बा, वइसे ही तू
दयालु बना।

## आपन क पहिचाना

*(मत्ती 7:1-5)*

37"कओ क दोखी जिन कहा तउ तोहका भी दोखी
नाहीं कहा जाइ। कओ क नोक्ताचीनी जिन करा तउ
तोहार भी नोक्ताचीनी नाहीं कीन्ह जाइ। छमा करा,
तोहका छमा मिली। 38द्या, तोहका भी दीन्ह जाइ। उ पचे

---

**कनानी** एक ठु कट्टर पंथी राजनीति दल क नाउँ रहा, जेकर उ निअंबर होत रहा।

तोहरे झोरी मँ पूरा नाप दबाइ दबाइ के, हलाइके बाहेर निकसत भइ उड़ेरिहीं काहेकि जउने नापे स तू दूसरन क नापत ह, उहइ स तोहका नापा जाइ।"

39उ ओनसे एक ठु दिस्टान्त कथा अउर कहेस: "का कउनो आँधर कउने दूसरे आँधर क राह देखाइ सकत ह? का उ सबइ दुइनउँ ही कउनो गड़हा मँ नाहीं भहरइहीं?

40कउनो भी पढ़वइया आपन पढ़ावइवालन स बड़वार नाहीं होइ सकत, मुला जबहिं कउनो मनई पूरी तरह हुसियार होइ जात ह तउ उ आपन गुरु क नाईं होइ जात ह।

41"तू आपन भाई क आँखी मँ कउनो ढेंढ़ा काहे लखत ह? अउर आपन आँखी क लट्ठा भी तोहका नाहीं चोंधरात। 42तउ आपन भाई स तू कइसे कहि सकत ह 'भाई तू आपन आँखी क तिनका मोका निकारइ द्या।' जब तू आपन आँखी क लट्ठा क नाहीं निहरत्या। अरे कपटी, पहिले आपन आँखी क लट्ठा दूर करा, तब तोबका आपन भाई क आँखी क ढढ़ें बाहेर निकारइ बरे देखाँइ पड़ी।

## दुइ किसिम क फर

*(मत्ती 7:17-20; 12:34-35)*

43"कउनो भी अइसा उत्तिम बृच्छ नाहीं अहइ जेह पइ बुरा फर लागत होइ। न ही कउनो अइसा बुरा बृच्छ बाटइ, जेह पइ उत्तिम फर आवति होइ। 44हर बृच्छ आपन फर स पहिचाना जात ह। मनइयन कँटेहरी झारी स अंजीर नाहीं बटोरतेन। न ही कउनो झरबेली स मनई अंगूर बटोरत हीं।

45एक नीक मनई क मन मँ अच्छाइ क भंडार बाटइ। अउर एक खोटा मनई, जउ ओकरे मने मँ बुराई बाटइ, उहइ स बुराई पइदा करत ह। काहेकि एक मनई मुँहना स उहइ बोलत ह, जउन ओकरे हिरदइ मँ उफनाइ के बाहेर आवत ह।

## आपन क पहिचाना

*(मत्ती 7:24-27)*

46"तू मोका, 'पर्भू पर्भू' काहे पुकारत ह अउर जउन मइँ कहत हउँ, ओह प नाहीं चलत्या। 47हर कउनो जउन मोरे लगे आवत ह अउर मोर उपदेस सुनि लेत ह अउर ओह पर आचरण करत ह, उ कउने तरह क होत ह, मइँ तोहका बताउब। 48उ उहइ मनई क नाईं अहइ जउन मकान बनावत बाटइ। उ गहिर खुदाई किहेस अउर चट्टानें प नेंव डाएस। फिन जब बाढ़ आइ अउर नदी मकाने प टकरान तउ ओका हलाइ नाहीं पाएस, काहेकि उ बहोत अच्छी तरह स बना रहा। 49मुला जउन मोर उपदेस सुनत ह अउर ओहँ प चलत नाहीं, उ ओ मनई क नाईं अहइ जउन बे नेंव धरे धरती प मकान बनाएस। नदी ओसे टकरान अउर उ फउरन ढहाइ गवा अउर पूरी तरह बरबाद होइ गवा।"

## बिसवास क सक्ती

*(मत्ती 8:5-13; यूहन्ना 4:43-54)*

7 ईसू मनइयन क जउन सुनावा चाहत रहा, ओका कहि चुकइ क पाछे उ कफरनहूम चला गवा। 2हुवाँ एक फऊजी नायक रहा जेकर नउकर एँतना बेरमिया रहा कि मरइ के नगीचे रहा। उ नउकर ओकर बहोत पियारा रहा। 3फऊजी नायक जब ईसू क बारे मँ सुनेस तउ उ कछू बुजुर्ग यहूदी नेतन क इ बिनती करइ क ओकरे लगे पठएस कि उ आइके ओकरे नउकर क प्राण बचाइ लेइ। 4जब उ पचे ईसू क नगीचे पहुँच गएन तउ उ सबइ सच्चे मने स बिनती करत भए कहेन, "उ इ जोग्ग अहइ कि तू ओकरे बरे अइसा करा। 5काहेकि उ हमरे मनइयन स पिरेम करत ह। उ हमरे बरे आराधनालय क बनवाएस ह।"

6एँह पर ईसू ओनके संग चल दिहेस। अबहीं जब उ घरे स जिआदा दूर नाहीं रहा, उ फऊजी नायक ओकरे लगे आपन मीतन क इ कहइ बरे पठएस, "पर्भू, आपन क कस्ट जिन द्या काहेकि मइँ एँतना नीक मनई नाहीं कि तू मोरे घरवा आवा। 7यह बरे मइँ तोहरे लगे आवइ तलक नाहीं सोचेउँ। मुला तू बस कहि भर द्या, मोर नउकर नीक होइ जाई।

8मइँ खुद कउनो अधिकारी क मातहत काम करत हउँ अउर मोरे मातहत भी कछू सिपाही अहइँ। मइँ जब कउनो स कहत हउँ, 'जा' तउ उ चला जात ह। अउर जब मइँ आपन नउकर स कहत हउँ, 'आवा' तउ उ आइ जात ह अउर जब मइँ आपन नउकर स कहत हउँ, 'इकरा' तउ उ ओका करत ह।"

9ईसू जब इ सुनेस तउ ओका ओह प बहोत अचरज भवा। जउन भारी मनइयन क भीड़ ओकरे पाछे चली आवत रही, ओनके कइँती मुड़िके ईसू कहेस, "मइँ तोहका बतावत हउँ अइसा बिसवास मोका इस्राएल मँ भी कहूँ नाहीं मिला।"

10फिन पठए भए उ पचे जब वापस घरे पहुँचेन तउ उ सबइ उ नउकरे क बेरामी स जरटुट पाएन।

## मुर्दा क जिन्नगी देब

11फिन अइसा भवा कि ईसू नाइन नाउँ क एक सहर चला गवा। ओकर चेलन अउर भारी आलम ओकरे संग रहा। 12उ जइसे ही सहर दुआरे क नगिचे आवा तउ हुवाँ स एक मुर्दा क लइ जात रहेन। उ आपन विधवा महतारी क इकलौता बेटवा रहा। तउ सहर क अनगिनत मनइयन क भीड़ ओकरे संग रही। 13जइसे पर्भू ओका निहारेस तउ ओकार हिरदय दया स भर गवा। उ उससे बोला, "जिन रोवा।" 14फिन उ अगवा बढ़ा अउर उ

ताबूत क छुइ लिहस उ पचे जउन ताबूते क लइ जात रहेन, हुवँइ ठहर गएन। ईसू कहेस, "नउ जवान! मइँ तोहसे कहत हउँ खड़ा ह्वा!" 15तउ उ मुर्दा मनई बइठ गवा अउर बोलइ लाग। ईसू ओका ओकरी महतारी क वापस लौटाएस। 16अउर फिन उ सबइ स्रद्धा अउर अचरज मँ पड़ि गएन! अउर इ कहन भएन परमेस्सर क महिमा बखानइ लागेन, "हमरे बीच एक महान नबी परगट भवा अहइ!" अउर कहइ लागेन, "परमेस्सर आपन मनइयन क मदद करइ बरे आइ ग अहइ।" 17ईसू क समाचार यहूदिया अउर आस-पास क देसन मँ सब कहूँ कइँती फैलि गइ।

## यूहन्ना क सवाल

*(मत्ती 11:2-19)*

18इ सबइ बातन क बारे मँ यूहन्ना क मनवइयन ओका सब कछू बताइ दिहन। तउ यूहन्ना आपन दुइ चेलन क बोलाइ के 19ओनका पर्भू स इ पूछइ बरे पठएस, "का तू उहइ अहा, जउन आवइवाला अहइ या हम पचे कउनो अउर क बाट जोही?"

20फिन उ मनइयन ईसू क लगे पहुँचेन तउ उ पचे कहेन, "बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना हमका तोहसे इ पूछइ पठएस ह, 'का तू उहइ अहा जउन आवइवाला अहइ या हम सबइ कउनो अउर क बाट जोही।'"

21उहइ समइ उ बहोत स बेरमिया क नीक किहेन अउर ओनका करुण दुख अउर दुस्ट आतिमन स छुटकारा दियाएस। अउर बहोत स आँधर न क आँखिन दिहेस। 22फिन उ ओनका जवाब दिहस, "जा अउर यूहन्ना स जउन तू निहार्‌या ह अउर सुन्या ह, ओका बतावा कि आँधर फिन स लखत अहइँ, लँगड़ा लूला चलत फिरत अहइँ अउर कोढ़ी सुद्ध होइ ग अहइँ। बहिरन सुनि पावत हीं अउर मुरदा फिन जिआवा जात अहइँ। गरीब मनइयन क सुसमाचार सुनाई जात अहइ। 23उ मनई धन्य अहइ जेका मोरे क स्वीकार करइ मँ कउनो हिचक नाहीं।"

24जब यूहन्ना क संदेस लइ आवइवालन चला गएन तउ ईसू भीड़े मँ मनइयन क यूहन्ना क बारे मँ बताउब सुरु किहेस: "तू पचे बियाबान जंगल मँ का लखइ गवा रह्या? का हवा मँ झूलत कउनो सरपत लखे गवा रइया? नाहीं? 25फिन तू का लखइ गवा रह्या? का कउनो पुरुस क मँहगा ओढ़ना पहिरे क लखइ गवा रह्या? नाहीं, उ पचे जउन उत्तिम ओढ़ना पहिरत हीं अउर जउन भोग बिलास क जिन्नगी मँ जिअत हीं, उ सबइ तउ रजवाड़ा मँ पाइ जात हीं। 26मुला बतावा तू का देखइ गवा रह्या? का कउनो नबी? हाँ, मइँ तोहका बतावत हउँ कि तू जेका लख्या ह, उ कउनो नबी स कहीं जिआदा बा। 27इ उहइ अहइ जेकरे बारे मँ लिखा अहइ:

'देखा! तोहसे पहिले मइँ आपन दूत पठवत अही,
उ तोहसे पहिले ही राह तइयार करी।'

*मलाकी 3:1*

28मइँ तोहका बतावत हउँ कि कउनो स्त्रियन स पइदा भएन मँ यूहन्ना स महान कउनो नाहीं अहइ। मुला फिन भी परमेस्सर क राज्य क छोटा स छोटा मनई भी ओस बड़का बा।" 29(तबहीं हर कउनो, हियाँ तलक कि चुंगी (टिक्स) उगहिया भी यूहन्ना क सुनिके ओकर बपतिस्मा लइके इ मान लिहेन कि परमेस्सर क रस्ता सच्चा अहइ। 30मुला फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन ओकर बपतिस्मा न लइके ओनके बारे मँ परमेस्सर क इच्छा क टारि दिहन।)

31"तउ फिन इ पीढ़ी क मनइयन क उपमा मइँ कउने स करउँ कि उ पचे कइसे बाटेन? 32उ पचे बजारे मँ बइठेन ओन बचवन क नाई अहइँ जउन एक दूसर क पुकारिके कहत हीं:

'हम तोहरे बरे बाँसुरी बजावा मुला तू नाच्या
नाहीं। हम तोहरे बरे सोक गवनिया गावा मुला
तू रोया नाहीं।'

33काहेकि बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना आवा जउन न तउ रोटी खात रहा अउर न ही दाखरस पिअत रहा अउर तू कहत ह, 'ओहमाँ दुस्ट आतिमा समाइ गइ अहइ।' 34फिन खात पिअत भवा मनई क पूत आवा, मुला तू कहत अहा, 'देखा, इ पेटार अहइ! पियक्कड़ अहइ, चुंगी उगहियन अउर पापी मनइयन क मीत अहइ!' 35बुद्धि क उत्तिम होब ओकरे फल स सिद्ध होत ह।"

## फरीसी समौन

36फरीसियन मँ एक ठु फरीसी आपन संग खइया प ओका न्योत दिहस। तउ उ फरीसी क घर गवा अउर ओकरे हियाँ भोजन करइ बइठा। 37हुवँई सहर मँ एक पापी स्त्री रही, ओक जब इ पता चलि गवा कि उ एक फरीसी क घर भोजन करत अहइ तउ उ स्फटिक क एक पथरी मँ इतर लइके आइ। 38उ ओकरे पाछे ओकरे गोड़वा क लगे खड़ी रही। उ रोवत रही। आपन आँसुअन स उ ओकर गोड़ भिजवइ लाग। फिन उ गोड़वा क आपन बाले स पोंछेस अउर गोड़वा क चूमिके ओन प इतर उड़ेरेस। 39उ फरीसी जउन ईसू क आपन घर बोलाएस, इ लखिके मनवा मँ सोचेस, "जदि इ मनई नबी होत तउ जान लेत कि ओका छुवइवाली स्त्री कउन अहइ अउर कइसी अहइ? उ जान लेत कि इ तउ पापिन अहइ।" 40जवाबे मँ ईसू ओसे कहेस, "समौन मोका तोहसे कछू कहइ क अहइ।"

उ बोला, "हे गुरु, कहा।"

41ईसू कहेस, “कउनो साहूकारे क दुइ करजदार
रहेन। एक प ओकरे पाँचसौ चानी क सिक्का निकरत
रहेन अउर दूसर प पचास। 42काहेकि उ दुइनउँ करजा
नाहीं पाट पाएन। यह बरे उ दाया कइके दुइनउँ क
करजा माफ कइ दिहस। अब बतावा दुइनउँ मँ स ओका
जिआदा पिरेम कउन स करी?”
43समौन जवाब दिहस, “मोर बिचार बा, उहइ जेका
उ जिआदा करजा छोड़ दिहस।”
ईसू कहेस, “तू नीक सोच्या ह।” 44फिन उ स्त्री
कइँती मुड़िके उ समौन स कहेस, “तू इ स्त्री क लखत
अहा? मइँ तोहरे घरवा आवा अही, तू मोड़े गोड़वा धोवइ
क पानी नाहीं दिहा मुला इ मेरे गोड़वा क अँसुअन स
धोइ दिहस अउर फिन आपन बरवा स पोंछेस। 45तू
स्वागत मँ मोका नाहीं चूम्या मुला इ जब तलक मइँ
भितरे गवा हउँ, मोरे गोड़वा क लगातार चूमत बाटइ।
46तू मोरे मूँड़े प तेल नाहीं मल्या, मुला इ मोरे गोड़वा प
इतर छिड़केस। 47यह बरे मइँ तोहका बतावत हउँ कि
एँकर अगाध पिरेम दर्सित करत हय कि एँकर पाप छमा
कइ दीन्ह ग अहइँ। मुला उ जेका तनिक पापन क छमा
मिली, उ थोड़का पिरेम करत ह।”
48तब ईसू उ स्त्री स कहेस, “तोहार पाप छमा कइ
दीन्ह ग अहइँ।”
49फिन जउन ओकरे संग जेंवत रहेन, उ सबइ मने
मँ सोचइ लागेन, “इ कउन अहइ, जउन पापन क छमा
कइ देत ह?”
50तब उ स्त्री स ईसू कहेस, “तोहार बिसवास तोहार
रच्छा किहेस ह। सांति स जा।”

## ईसू आपन चेलन क संग

8 एँकरे बाद अइसा भवा कि ईसू परमेस्सर क राज्य
क सुसमाचार मनइयन क सुनावत भवा सहर–सहर
अउर गाउँ गाउँ घूमइ लाग। ओकर बारहु प्रेरितन भी
ओकरे संग होत रहेन। 2ओकरे संग कछू स्त्रियन भी
होत रहीं जेनका उ बेरामी अउर दुस्ट आतिमन स
छुटकारा दियावत रहा। एनमाँ मरियम मगदलीनी नाउँ
क एक स्त्री रही जेका सात दुस्ट आतिमन स छुटकारा
मिला रहा। 3हेरोदेस क सरंजाम अफसर खोजा क पत्नी
योअन्ना भी एनहीं मँ रहिन। साथ ही सूसन्नाह अउर ढेर
क स्त्रियन भी रहिन। इ स्त्रियन आपन जतन स ईसू
अउर ओकरे प्रेरितन क सेवा क सरंजाम करत रहिन।

## बिआ बोवइ क दिस्टान्त कथा

*(मत्ती 13:1-17, मरकुस 4:1-12)*

4जब सहर-सहर स आइके मनइयन क बड़ी भीड़
एँकट्ठा होत रही, तउ उ ओनसे एक दिस्टान्त कथा
कहेस: 5“एक किसान आपन बिआ बोवइ निकरा। जब
उ बिआ बोएस कछू बिआ राह क किनारे जाइके गिरेन
अउर गोड़े तरे रौंद गएन। अउर चिड़ियाँ ओनका चुग
लिहेन। 6कछू बिआ पथरही धरती प गिरेन, उ सबइ जब
उगेन तउ ओद न होइ स मुरझाइ गएन। 7कछू बिआ
कँटेहरी झड़िन मँ गिरेन। काँटन क बाढ़इ क संग संग
उ भी बाढ़ेन अउर कँटवन ओनका दबोच लिहन। 8अउर
कछू बिआ धरती प गिरेन। उ उगेन अउर उ सबइ सउ
गुना फसल दिहेन।”
इ बातन क बतावत भवा उ पुकारिके कहेस, “जेकरे
लगे कान अहइँ, उ सबइ सुनि लेइँ।”
9ओकर चेलन ओसे पूछेन, “इ दिस्टान्त कथा क
अरथ का अहइ?”
10तउ उ बताएस, “परमेस्सर क राज्य क भेद जानइ
क सुविधा तोहका दीन्ह गइ अहइ मुला दूसर क इ भेद
दिस्टान्त कथा स दीन्ह ग अहइँ जेहसे:

‘वे देखते भी न देख पावइँ अउर सुनते हुए भी न
समझ पावइँ।’

*यसायाह 6:9*

11“इ दिस्टान्त कथा क अरथ इ अहइ: बिआ परमेस्सर
क उपदेस अहइ। 12उ बिआ जउन राह क किनारे गिरा
रहेन, उ मनइयन उपदेस जउन अब उपदेस सुनत हीं,
सइतान आवत ह अउर उपदेस क ओनके मने स निकार
लइ जात ह जेहसे उ सबइ पतिआय न पावइँ अउर
ओनकइ उद्धार न होइ सकइ। 13उ बिआ जउन पथरही
भुइयाँ प गिरा रहेन ओनकइ अरथ अहइ ओन मनइयन
स जउन उपदेस सुनत हीं तउ ओका खुसी स तउ अपनावत
हीं। मुला बिआ ओनके भितरे जम नाहीं पावत उ सबइ
कछू समइ बरे बिसवास करत हीं मुला परीच्छा क घड़ी
मँ डुग जात हीं। 14अउर जउन बिआ काँटन मँ गिरेन
ओकर अरथ अहइ, ओन मनइयन स जउन उपदेस
सुनत हीं, मुला जब उ पचे आपन राहे प चलइ लागत
हीं। तउ फिकिर, धन दौलत अउर जिन्नगी क भोग
बिलास ओका दहबोचि लेत हीं, जेहसे ओन प कबहुँ
फसल पाकत नाहीं। 15अउर बढ़िया भुइयाँ प गिरा भवा
बिआ क अरथ अहइ ओन मनइयन स जउन अच्छा
अउर सच्चा मन स जब उपदेस क सुनत हीं तउ ओका
धारण भी करत हीं। फिन आपन धीरज क संग उ पचे
उत्तिम फल देत हीं।

## आपन सच्चाई क बैपरा

*(मत्ती 4:21-25)*

16“कउनो दीया ढकना स ढाकइ बरे नाहीं जलावत।
या ओका बिछउना तरे नाहीं धरत। मुला उ ओका डीबट
प धरत ह काहेकि जउन भीतर आवइँ, रोसनी देखि
सकइँ। 17काहेकि कछू भी अइसा छुपा नाहीं अहइ
जउन उजागर न होई अउर कछू भी अइसा छुपा नाहीं

बा जउन जाना न जाई अउर परगट न होई। 18यह बरे
थियान स सुना काहेकि जेकरे लगे बा ओका भी दीन्ह
जाई अउर जेकरे लगे नाहीं अहइ, ओसे भी ओकरे
नगिचे देखात ह, उ भी लइ लीन्ह जाई।"

### ईसू क मनवइयन ही ओकर सच्चा परिवार

*(मत्ती 12:46-50, मरकुस 3:31-35)*

19तबहीं ईसू क महतारी अउर ओकर भाइयन ओकरे
लगे आएन मुला उ पचे भीड़ क कारण ओकरे नगिचे
नाहीं जाइ सकेन। 20यह बरे ईसू स इ कहा गवा, "तोहार
महतारी अउर तोहार भाइयन बाहेर खड़ा अहइँ। उ पचे
तोसे भेंटइ चाहत हीं।"

21मुला ईसू ओनका जवाब दिहस, "मोर महतारी
अउर मोर भाइयन तउ इ सबइ अहइँ जउन परमेस्सर
क उपदेस सुनत हीं अउर ओह प चलत हीं।"

### चेलन क ईसू क सक्ति क दर्सन

*(मत्ती 8:23-27, मरकुस 4:35-41)*

22तब्बइ एक दिन अइसा भवा कि उ आपन चेलन
क संग एक नाउ प चढ़ा अउर ओनसे बोला, "आवा,
झिलिया क उ पार चली।" तउ उ पचे पाल खोलि दिहन।
23उ पचे जब नाउ खेवत रहेन, ईसू सोइ गवा। झिलिया प
आन्धी अउर तूफान उतर आवा। ओनके नाउ मँ पानी
भरइ लाग। उ पचे खतरा मँ रहेन। 24एँहसे उ सबइ
ओकरे लगे आएन अउर ओका जगाइके कहइ लागेन,
"स्वामी! स्वामी! हम बूड़त अही!"

फिन उ खड़ा भवा अउर उ आन्धी, अउर लहरन
क फटकारेस। उ सबइ थम गइन अउर हुवाँ सान्ति होइ
गइ। 25फिन उ ओनसे पूछेस, "तोहार बिसवास कहाँ
गवा?"

मुला उ पचे डेरान रहेन अउर अचरज मँ पड़ा
रहेन। उ पचे आपुस मँ एक दूसरे स कहेन, "आखिर इ
अहइ कउन जउन हवा अउर पानी दुइनउँ क हुकुम
देत ह अउर उ सबइ ओका मानत हीं!"

### दुस्ट आतिमन स छुटकारा

*(मत्ती 8:28-34, मरकुस 5:1-20)*

26फिन उ पचे गिरासेनियन लोगन क पहँटा मँ
पहुँचेन जउन गलील झीले क समन्वा रहा। 27जइसेन ही
उ किनारे प उतरा, सहर क एक मनई ओका मिला।
ओहमा दुस्ट आतिमन क सवारी रहिन। बहोत दिना स
उ न तउ ओढ़ना पहिरत रहा, न ही उ घरे मँ रहत रहा,
मुला उ मकबरे मँ रहत रहा। 28उ जब ईसू क लखेस
तउ चिचियात भवा ओकरे समन्वा गिरिके ऊँची अवाज
मँ बोला, "हे सर्वोच्च परमेस्सर क पूत ईसू, तू मोसे का
चाहत ह? मइँ बिनती करत हउँ मोका पीरा जिन द्या।"
29उ उ दुस्ट आतिमा क उ मनई मँ स बाहेर निकरइ क
हुकुम दिहेस, काहेकि उ दुस्ट आतिमा उ मनई क
बहोत दाईं पकड़े रही। अइसेन अवसरन प ओका हथकड़ी
बेड़ी स बाँधि के पहरुअन क बीच राखि जात रहा। मुला
उ हमेसा जंजीरे क तोरि डावत अउर दुस्ट आतिमा
ओका वीरान जगहन मँ भगावत रहत!"

30तउ ईसू ओसे पूछेस, "तोहार नाउँ का अहइ?"

उ कहेस, "सेना।" (काहेकि बहोत स दुस्ट आतिमन
ओहमा समाई रहिन।) 31उ सबइ ईसू स बहस मोबहसा
क संग बिनती करत रहिन कि ओनका गहिर गड़हा मँ
जाइके हुकुम न देइँ। 32अब देखा, तबहीं हुआँ पहाड़ी प
सुअरन क झुण्ड चरत रहा। दुस्ट आतिमन ओसे बिनती
किहेन कि उ ओनका सुअरिअन मँ जाइ देइँ। तउ उ
ओनका जाइके हुकुम दिहेस। 33एँह प उ सबइ दुस्ट
आतिमन उ मनई मँ स बाहेर निकरीं अउर ओन
सुअरिअन मँ घुस गइन। अउर सुअरिअन क झुंड तरखाले
उ ढालू तट स लुढ़कत पुढ़कत अउर दउड़त भवा झीले
मँ जाइके गिरि गवा अउर बूड़ गवा।

34सुअरिअन क झुंड क बहोरइया, जउन कछू भवा
रहा, ओका निहारिके हुवाँ स परानेन। अउर एँकर
खबर उ पचे सहर अउर दिहात मँ सुनाएन। 35फिन हुवाँ
क मनइयन जउन कछू मँ रहा ओका लखइ बाहेर
आएन। उ सबइ ईसू स भेंटेन। अउर उ पचे उ मनई क
जेहमाँ स दुस्ट आतिमन निकरी रहिन, ईसू क गोड़वा प
पाएन। उ मनई ओढ़ना पहिरे रहा अउर ओकर दिमाग
एकदम सही रहा। एँहसे उ सबहिं डेराइ गएन। 36जउन
निहारेन, उ पचे बताएन कि दुस्ट आतिमन क सवारीवाला
मनई कइसे नीक भवा। 37गिरासेन पहँटा के सबहीं
बसइया ओसे बिनती किहेन कि उ हुवाँ स चला जाइ
काहेकि सबहीं बहोत डेरान रहेन। तउ ईसू नाउ मँ आवा
अउर लौटि गवा। 38मुला जउने मनई स दुस्ट आतिमन
निकरी रहिन, उ ईसू स आपन क संग लइ जाइके
बिनती करत रहा। एँह पइ ईसू ओका इ कहत भवा
लौटाइ दिहस , 39"घर जा अउर जउन कछू परमेस्सर
तोहरे बरे किए अहइ ओका बतावा।"

तउ उ लौटिके ईसू ओकरे बरे जउन कछू किहस
ह, ओका सारे सहर मँ कहत फिरा।

### मरी लरकी क जिन्नगी देब अउर बेरमिया स्त्री क चंगा होब

*(मत्ती 9:18-26, मरकुस 5:21-43)*

40जब ईसू लौटा तउ मनइयन क भीड़ ओकर अगवानी
किहेस, काहेकि उ सबइ ओका जोहत रहेन। 41तबहीं
याईर नाउँ क एक मनई हुवाँ आइ। उ हुवाँ क आराधनालय
क मुखिया रहा। उ ईसू क गोड़वा मँ गिरि गवा अउर
ओसे आपन घरे जाइके बिनती करइ लाग। 42काहेकि
ओकर बारह बरिस क एक इकलौती बिटिया रही, उ
मरइ क रही।

तउ ईसू जब जात रहा तउ भीड़ ओका कुचरि देत रही। 43हुवाँ एक स्त्री रही जेकर बारह बरिस स खून बहत रहा। जउन कछू ओकरे लगे रहा, उ बैद्य (डाक्टर) पर खरिच कइ दिहस, मुला उ कउनो स नीक नाहीं होइ पाइ। 44उ ओकरे पाछे आइ अउर ओकरे चोंगा क मोहरी छुएस अउर तुरंतहि ओकर लहू बहब रुकि गवा। 45तब ईसू पूछेस, "उ कउन अहइ जउन मोका छुएस ह?"

जब सबहीं मुकरइ लागेन कि उ पचे ईसू क नाहीं छुएन तउ पतरस कहेस, "स्वामी तोहका भिड़िया घेरे अहइ अउर तोहका दबावति अहइ।"

46मुला ईसू कहेस, "कउनो मोका छुएस ह काहेकि मोका लागत अहइ कि मोसे सक्ती निकरी गइ होइ।" 47जब उ स्त्री देखेस कि मइँ छुप नाहीं सकित तउ उ काँपत काँपत आइ अउर ईसू क समन्वा गिरि गइ। हुवाँ सबहीं मनइयन क समन्वा उ बताएस कि मइँ तोहका कउने कारण स छुए हउँ अउर कइसे फउरन नीक होइ गइ। 48एँह प ईसू ओसे कहेस, "बिटिया तोहरे पतियाये स तोहार उद्धार भवा ह। चइन स जा।"

49उ अबहीं बोलत रहा कि आराधनालय क मुखिया क घरे स कउनो आवा अउर बोला, "तोहार बिटिया मरि गइ अहइ। तउ गुरु क अब अउर कस्ट जिन द्या।"

50ईसू इ सुनि लिहस। तउ उ ओसे बोला, "डेराअ जिन! बिसवास राखा। उ बचि जाई।"

51जब ईसू उ घरे मँ आवा उ आपन संगे पतरस, यूहन्ना, याकूब अउर बिटिया क महतारी बाप क तजिके कउनो अउर क आपन संग भितरे नाहीं लइ गवा। 52सबहीं मनइयन उ लरकी बरे रोवत रहेन अउर बिलाप करत रहेन। ईसू कहेस, "रोउब बंद कइ द्या। इ मरी नाहीं बा, मुला सोवति अहइ।"

53एँह पइ मनइयन ओकर हँसी उड़ाएन। काहेकि उ जानत रहेन कि लरकी मरि चुकी बा। 54मुला ईसू ओकर हथवा पकड़ेस अउर चिल्लाइके कहेस, "बच्ची, खड़ी होइ जा!" 55ओकर आतिमा लौटि आइ, अउर उ फउरन उठि गइ। ईसू हुकुम दिहेस, "एँका कछू खइया क दीन्ह जाइ।" 56एँह पइ लरकी क महतारी बाप क बहोत अचरज भवा मुला ईसू ओनका हुकुम दिहेस कि जउन भवा अहइ, ओका उ पचे कउनो क न बतावइँ।

## ईसू बारहु प्रेरितन क पठएस

*(मत्ती 10:5-15, मरकुस 6:7-13)*

9 फिन ईसू बारहु प्रेरितन क एक साथे बोलॉएस। अउर ओनका दुस्ट आतिमन स छुटकारा दियावइ क सामर्थ अउर हक दिहेस। उ ओनका बेरामी दूर करइके सामर्थ दिहेस। 2फिन उ ओनका परमेस्सर क राज्य क सुसमाचार का घोसना किहेस अउर बेरमियन क नीक करइ बाहेर पठएस। 3उ ओनसे कहेस, "आपन जात्रा बरे कछू संग न लेइँ, न लाठी, न झोरा, न रोटी, चाँदी अउर न कउनो अउर ओढ़ना। 4तू जउन कउनो घरे क भितरे जा, हुवँइ ठहरा। अउर जब तलक बिदा न ह्वा, हुवइँ ठहरा रहा। 5अउर जहाँ कहूँ मनई तोहार अगवानी न करइँ तउ जब तू उ सहर क तजि द्या अउर ओनके खिलाफ सनद क रूप मँ गोड़वा क धूरि झाड़ि द्या।"

6तउ हुवाँ स चलिके उ सबइ हर कतहूँ सुसमाचार क उपदेस देतेन अउर मनइयन क चंगा करत सबहीं गाउँन स फिरत भए जात्रा करइ लागेन।

## हेरोदेस क भरम

*(मत्ती 14:1-12, मरकुस 6:14-29)*

7अब जबहिं एक चउथाई देस क राजा हेरोदेस, जउन कछू भवा रहा, ओकरे बारे मँ सुनेस तउ उ भरम मँ पड़ि गवा काहेकि कछू मनइयन इ कहत रहेन, "यूहन्ना क मरे हुअन मँ स जिआइ दीन्ह ग अहइ।" 8दूसर कहत रहेन, "एलिय्याह परगट भ अहा।" कछू अउर कहत रहेन, "पुरान जुग क कउनो नबी जी उठा बा।" 9मुला हेरोदेस कहेस, "मइँ तउ यूहन्ना क गटइ कटवाइ दिहे रहेउँ। फिन इ अहइ कउन जेकरे बारे मँ मइ अइसी बात सुनत रहत हउँ?" तउ हेरोदेस ओका देखइ क जतन करइ लाग।

## पाँच हजार स जिआदा क भोज

*(मत्ती 14:13-21, मरकुस 2:30-44; यूहन्ना 6:1-14)*

10फिन जब प्रेरितन लौटिके आएन तउ उ पचे जउन कछू किहे रहेन, सब ईसू क बताएन। तउ उ ओनका हुवाँ स आपन संग लइके चुप्पे बैतसैदा नाउँ क सहर चला गवा। 11मुला भीड़ क पता लग गवा तउ उ भी ओनके पाछे होइ गइ। ईसू ओनकइ सुआगत किहेस अउ परमेस्सर क राज्य क बारे मँ ओनका बताएस। अउर जेनका दवाई क जरूरत रही ओनका नीक किहेस।

12जब दिन ओनवइ लाग तउ उ पचे बारहु ओकरे लगे आएन अउर बोलेन, "भीड़ क बिदाई दइ द्या जैसे उ सबइ नगिचे क गाउँन अउर खेतन मँ जाइके ठहरइ क ठिकाना अउर खइया क पाइ सकइँ काहेकि हम हिआँ बहोत दूर सुनसान जगह मँ अही।"

13मुला उ ओनसे कहेस, "तू ही एँनका खइया क द्या।"

उ पचे बोलेन, "हमरे लगे बस पाँच रोटी अउर दुइ मछरी क छोड़िके अउर कछू भी नाहीं अहइ। या तू इ तउ नाहीं चाहत अहा कि हम पचे जाई अउर इ सबन बरे खइया के मोल क लइ आई।" 14 (हुवाँ करीब पाँच हजार पुरुसन रहेन।)

मुला ईसू आपन चेलन स कहेस, "ओनका पचास पचास क दल मँ बइठाइ द्या।"

15तउ उ पचे वइसा ही किहेन अउर हर कउनो क
बइठाइ दिहन। 16फिन ईसू पाँच रोटी अउर दुइ मछरी क
लइके सरगे कइँती लखत भवा ओनके बरे धन्यबाद
दिहेस अउर फिन ओनके टुकड़न मँ तोरत भवा ओनका
आपन चेलन क दिहस कि उ पचे मनइयन क परोस
देइँ। 17मनइयन खूब जिअरा भरिके खाएन अउर बचा
भवा टुकड़न स ओकर चेलन बारह झउआ भरेन।

## ईसू ही मसीह अहइ

*(मत्ती 16:13-19, मरकुस 8:27-29)*

18इ भवा कि ईसू जब अकेल्ले मँ पराथना करत
रहा तउ ओकर चेलन भी ओकरे संग रहेन। तउ ईसू
ओनसे पूछेस, "मनइयन का कहत हीं कि मइँ कउन
हउँ?"

19उ पचे जवाब दिहन, "बपतिस्मा देवइया यूहन्ना
कछू कहत हीं एलिय्याह मुला कछू दूसर कहत हीं पुरान
जुग क कउनो नबी उठि खड़ा भवा बा।"

20ईसू ओनसे कहेस, "अउर तू का कहत ह कि मइँ
कउन हउँ?"

पतरस जवाब दिहस, "परमेस्सर क मसीह।"

21मुला इ बारे मँ कउनो क भी न बतावइ क
चिताउनी देत भवा। ईसू ओनसे कहेस, 22"इ तइ अहइ
कि मनई क पूत ढेरि क कस्ट उठाई अउर उ बुजुर्ग
यहूदी नेतन, मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन क
मना कइ दिहे स मारि डावा जाई फिन तिसरे दिन जी
जाई।"

23फिन उ ओन सबन स कहेस, "जदि कउनो मोरे
साथ चलत चाहत ह तउ ओका खुद आपन क नकारइ
क होई। अउर हर दिन ओका आपन क्रूस (यातना)
उठावइ क होई। अउर मोर अनुसरन करइ क होइ।
24काहेकि जउन कउनो आपन जिन्नगी बचाउब चाहत
ह, उ ओका खोइ बइठी मुला जउन कउनो मोरे बरे
आपन जिन्नगी क तजि देइ, उहइ ओका बचाई। 25काहेकि
ऍहम कउनो मनई का का लाभ अहइ कि उ समूचे
संसार क लइ लेइ मुला खुद आपन क नास कइ देइ या
खोइ देइ। 26जउन कउनो भी मोरे या मोरे सब्दन बरे
लजात ह, ओकरे बरे मनई क पूत भी जब आपन
महिमा मँ, आपन परमपिता अउर पवित्तर सरगदूतन क
महिमा मँ परगट होई तउ ओकरे बरे लजाइ जाई। 27मुला
मइँ तोसे सच कहत हउँ, हिआँ कछू खड़ा अहइँ, जउन
जब तलक मउत क सेवाद नाहीं लेइहीं, जब ताईं परमेस्सर
क राज्य क ना लखि लेइँ।"

## मूसा अउर एलिय्याह क संग ईसू

*(मत्ती 17:1-8, मरकुस 9:2-8)*

28इ सब्दन के कहइ क लगभग आठ दिना बाद उ
पतरस, यूहन्ना अउर याकूब क संग लइके पराथना बरे
पहाड़े प गवा। 29फिन अइसा भवा कि पराथना करत
भए ओकरे मुँहना क रूप तनिक अलग होइ गवा अउर
ओकर ओढ़ना चमचमात सफेद होइ गएन। 30हुवँई ओसे
बतियात दुइ मनई परगट भएन। उ सबइ मूसा अउर
एलिय्याह रहेन। 31जउन आपन महिमा क संग परगट भ
रहेन अउर ईसू क मउत क बारे मँ बात करत रहेन
जेका ओका यरूसलेम मँ पूरा करइ क रहा। 32मुला
पतरस अउर जउन ओनके संग रहेन ओनका नींद आइ
गइ। तउ जब उ पचे जागेन उ पचे ईसू क महिमा क
लखेन अउर उ सबइ उ दुइ मनइयन क लखेन जउन
ओकरे संग खड़ा रहेन। 33अउर फिन भवा अइसा कि
जइसे ही उ पचे ईसू स बिदाई लेत रहेन, पतरस ईसू स
कहेस, "स्वामी अच्छा बा कि हम हिआँ अही, हमका
तीन माँड़व बनवइ क अहइँ एक तोहरे बरे, एक मूसा
बरे अउर एक एलिय्याह बरे।" (उ नाहीं जानत रहा, उ
का कहत अहइ।) 34उ इ कहत रहा कि एक बादर
उमड़ा अउर उ ओनका आपन छाया मँ घेरि लिहस।
जइसे ही ओन प बादर छावा, उ पचइ घबराइ गएन।
35तबहीं बदरे स अकासबाणी भइ, "इ मोर पूत अहइ,
ऍका मइँ चुन्यों ह, एकर सुना।"

36जब अकासबाणी होइ गइ तउ उ पचे उहाँ ईसू क
अकेल्लन पाएन। उ पचे ऍकरे बारे मँ चुप रहेन। उ
सबइ जउन कछू लखेन, ओकरे बारे मँ उ समइ कउनो
स कछू नाहीं कहेन।

## लरिका क दुस्ट आतिमा स छुटकारा

*(मत्ती 17:14-18, मरकुस 9:14-27)*

37अगवा दिन अइसा भवा कि जब उ पचे पहाड़ी स
तरखाले उतरेन तउ ओनका एक बड़ी भीड़ मिलि गइ।
38तबहिं भीड़ मँ स एक मनई चिचियान, "गुरु, मइँ
पराथना करत हउँ कि मोरे बेटवा प दया दृस्टि करा। उ
मोर इकलौती संतान अहइ। 39एकदम्मई एक दुस्ट आतिमा
ओका जकरि लेत ह अउर चिचिआत ह। ओका दुस्ट
आतिमा अइसे अइँठत ह कि ओकरे मुँहे स झाग निकरइ
लागत ह। उ ओका बराबर सतावत रहत ह अउर कउनो
तरह नाहीं छोड़त। 40मइँ तोहरे चेलन स पराथना किहा
ह कि ओका बाहेर खदेर देइँ मुला उ पचे अइसा नाहीं
कइ सकेन।"

41तब ईसू जवाब दिहेस, "अरे अबिसवासियो अउर
भटक गवा मनइयो, मइँ अउर केतॅना दिन तोहरे संग
रहब अउर कब ताईं तोहार सहत रहब?" आपन बेटवा
क हिआँ लिआवा।"

42अबहीं उ लरिका अउतइ रहा कि दुस्ट आतिमा
ओका पटकनी दिहस अउर अइँठेसि। मुला ईसू दुस्ट
आतिमा क फटकारेस अउर लरिका क रोग स जरटूट
कइके बाप क सौंपि दिहस। 43उ सबइ परमेस्सर क इ
बड़कई स अचरजे मँ पड़ि गएन।

## ईसू क जरिये आपन मउत क कहब

*(मत्ती 17:22-23, मरकुस 9:30-32)*

ईसू जउन कछू करत रहा ओखा लखिके मनइयन जब अचरज करत रहेन तबहीं ईसू आपन चेलन स कहेस, [44]"अब मइँ जउन तोहसे कहत हउँ, ओन बातन प धियान द्या। मनई क पूत मनइयन क हाथे स धरावइ जाइवाला अहइ।"

[45]मुला उ पचे इ बात क नाहीं समुझ सकेन। इ ओनसे छुपी रही। तउ उ सबइ ओका पहिचान नाहीं पाएन। अउर उ पचे उ बात क बारे मँ ओसे पूछइ स ससान रहेन।

## सब स बड़कवा कउन

*(मत्ती 18:1-5, मरकुस 9:33-37)*

[46]एक दाईं ईसू क चेलन क बीच इ बाते प झगड़ा भवा कि ओनमाँ स सब स बड़कबा कउन बाटइ? [47]ईसू जानि गवा कि ओनके मने मँ का बिचार अहइँ। तउ उ गदेला क लिहस अउर ओका अपने लगे ठाड़ कइके [48]ओनसे बोला, "जउन कउनो इ गदेला क मोरे नाउँ मँ ग्रहण करत ह, उ माना मोर ग्रहण करत बाटइ। अउर जउन कउनो मोर ग्रहण करत ह, उ ओकर (परमेस्सर) ही ग्रहण करत बाटइ जउन मोका पठएस ह। यह बरे जउन तू सबन मँ सब स नान्ह बाटइ, उहइ सबइ त बड़कवा अहइ।"

## जउन तोहार बिरोधी नाहीं, उ तोहार ही अहइ

*(मरकुस 9:38-40)*

[49]यूहन्ना आपन प्रतिक्रिया परगट करत भवा कहेस, "स्वामी, हम पचे तोहरे नाउँ प एक ठु मनई क दुस्ट आतिमन क निकारत लखा ह। हम सबइ ओखा रोकइ थामइ क जतन कीन्ह ह काहेकि उ हम पचन मँ स कउनो नाहीं अहइ, जउन तोहरे पाछे पाछे चलत हीं।"

[50]एँह पइ ईसू यूहन्ना स कहेस, "ओका जिन रोका काहेकि जउन तोहरे बिरोध मँ नाहीं अहइ, उ तोहरे पच्छ मँ ही बाटइ।"

## एकसामरी सहर

[51]अब अइसा भवा कि जब ओका ऊपर सरगे मँ लइ जाइके समइ आइ तउ उ यरूसलेम जाइके मन पक्का कइके चला गवा। [52]उ आपन दूतन क पहिले ही पठइ दिहस। उ पचे चलेन अउर ओकरे बरे तइयारी करइ क सामरी लोगन क गाउँ मँ पहुँचेन। [53]मुला सामरी मनइयन हुवाँ ओकर सुआगत मान नाहीं किहेन काहेकि उ यरूसलेम जात रहा। [54]जब ओकर चेलन याकूब अउर यूहन्ना इ देखेन तउ उ पचे बोलेन, "पर्भू का तू चाहत ह कि हम हुकुम देई कि अकासे स आगी बरिसइ अउर ओनका भसम कइ देइ?"

[55]एँह प उ ओनकी कइँती मुड़ा अउर ओनका डाटेस फटकारेस।* [56]फिन उ सबइ दूसर गाउँ चला गएन।

## ईसू क पाछे चलब

*(मत्ती 8:19-22)*

[57]जब उ सबइ सड़क पा जात रहेन कउनो ओसे कहेस, "तू कतहूँ भी जा मइँ तोहरे पाछे चलब।"

[58]ईसू ओसे कहेस, "लोखरिन क लगे बिल होत ही अउर अकासे क चिरइयन क घोंसला होत हीं मुला मनई क पूत क मूँड़ धरइ क कउनो ठउर नाहीं।"

[59]उ दूसर स कहेस, "मोरे पाछे होइ जा।"

मुला उ मनई बोला, "पर्भू, पहिले मोका जाइ द्या काहेकि मइँ आपन बाप क दफनियाइ आवउँ।"

[60]तब ईसू ओसे कहेस, "मरे भवा लोगन क आपन मुर्दा गाड़इ द्या, तू जा अउर परमेस्सर क राज्य क एँलान करा।"

[61]फिन कउनो अउर भी कहेस, "हे पर्भू, मइँ तोहरे पाछे चलब मुला पहिले मोका आपन घरे क मनइयन स बिदाइ कइ देइ द्या।"

[62]एँह प ईसू ओसे कहेस, "अइसा कउनो भी जउन हरे प हाथ धरे क बाद पाछे देखत ह, परमेस्सर क राज्य क जोग्ग नाहीं।"

## ईसू बहत्तर चेलन क पठएस

10 इ सबइ घटि जाइके पाछे पर्भू बहत्तर* अउर मनइयन क तय किहन अउर फिन जउन जउन सहरन अउर ठिकानन प ओका खुद जाइके रहा, दुइ दुइ कइके उ ओनका उ आपन स अगवा पठएस। [2]उ ओनसे बोला, "फसल खूब जिआदा बा, मुला काम क करइया मजूर कम अहइँ। यह बरे फसल क पर्भू स बिनती करा कि उ आपन फसल मँ मजूर पठवइ। [3]जा अउर सुमिरत रहा, मइँ तोहका बिगवन क बीच भेड़ क मेमनन क नाईं पठवत अहउँ। [4]कउनो बटुआ आपन संग जिन ल्या, न थैला अउर न ही पनही। राहे मँ कउनो स पैलगी तलक जिन करा। [5]जउनो घरवा मँ जा, सब ते पहिले कहा, 'इ घरवा क सान्ति मिलइ।' [6]जदि हुवाँ कउनो सान्ति क मनई होई तउ तोहार सान्ति ओका मिली। मुला जदि उ मनई सान्ति क न होई तउ तोहार सान्ति लौटि आई। [7]जउन कछू उ पचे तोहका देइँ।

---

**पद 55** कछू यूनानी प्रतियन मँ इ भाग जोड़ा गवा अहइ: "अउ ईसू कहेस, 'का तू नाहीं जानत्या कि तू कइसी आतिमा स रिस्ता रखत ह। 56 मनई क पूत मनइयन क आतिमन क नासय नाहीं मुला ओनकइ उद्धार करइ आवा अहइ।'"

**बहत्तर** लूका क कछू यूनानी प्रतियन मँ इ गिनती सत्तर भी मिलत ह।

ओका खात पिअत उहइ घरवा मँ ठहरा। काहेकि मजूरी
प मजूर क हक अहइ। घर घर जिन फिरा। [8]अउर जब
कबहूँ तू कउनो सहर मँ जा अउर उ सहर क मनई
तोहार सुआगत करइँ तउ जउन कछू तोहका परसई,
बस उहइ खा। [9]उ सहर क बेरमियन क बीमार स
जरटुट करा अउर ओनसे कहा, 'परमेस्सर क राज्य
तोहरे नगिचे आइ पहुँचा बा!' [10]अउर जब कबहूँ तू
कउनो अइसे सहर मँ जा जहाँ क मनई तोहार मानसम्मान
न करइँ, तउ हुवाँ क गलियन मँ जाइके कहा, [11]'इ
सहर क उ धूरि तलक जउन हमरे गोड़े मँ चिपकी रही,
हम तोहरे खिलाफ हिआँ झार देत अही। फिन भी इ
धियान रहइ कि परमेस्सर क राज्य नगिचे आइ गवा
बा।' [12]मइँ तोहसे कहत हउँ कि उ दिन उ सहर क
लोगन स सदोम क लोगन क दसा कहूँ नीक होइ।

## बिसवास न करइवालन क चिताउनी

*(मत्ती 11:20-24)*

[13]"अरे खुराजीन, अरे बैतसैदा, तोहका धिक्कार
अहइ काहेकि जउन अद्भुत कारजन तोहमाँ कीन्ह
गएन, जदि ओनका सूर अउर सैदा मँ कीन्ह जात तउ न
जानी कबहूँ उ टाट क कपरा पहिरि के राखि प बइठिके
मनफिराव कइ लेतेन। [14]कछू भी होइ निआन क दिन
सूर अउर सैदा क हालत तोहसे कहूँ नीक होई। [15]अरे
कफरनहूम का तू सरग क ऊँचाई क तरह ऊँचा उठब्या?
तू तउ तरखाले नरक मँ जाब्या।

[16]"जउन कउनो तोहका सुनत ह, मोका सुनत ह,
अउर जउन कउनो तोहका दुरियावत ह, उ मोका
दुरियावत ह जउन मोका पठएस ह। अउर जउन मोका
नकारत अह उ उसे नकारत अह जउन मोका पठएस
ह।"

## सइतान गिरत ह

[17]फिन उ सबइ बहत्तर आनन्द होइके वापस लउटेन
अउर बोलेन, "हे पर्भू, दुस्ट आतिमन तलक तोहरे नाउँ
मँ हमार हुकुम मानत हीं!" [18]एँह पइ ईसू ओनसे कहेस,
"मइँ सइतान क अकास स बिजरी क नाईं गिरत लखा
हउँ। [19]सुना, कीरा अउर बीछी क गोड़े तरे रौंदब अउर
सइतान क समूची सक्ती प हावी होइ क सामर्थ मइँ
तोहका दिहे अही। तोहका कउनो नसकान नाहीं पहुँचाइ
पाई। [20]मुला इ बात प खुस जिन ह्वा कि आतिमन तोहरे
बसे मँ अहइँ बल्कि एह पइ खुस होइ जा कि तोहार नाउँ
सरगे मँ लिखा बाटइ।"

## ईसू क परमपिता स पराथना

*(मत्ती 11:25-27; 13:16-17)*

[21]उहइ छिन उ पवित्तर आतिमा मँ रहिके आनंद मँ
रहा अउर बोला, "हे परमपिता! हे सरग अउर धरती क
पर्भू! मइँ तोहार स्तुति करत हउँ कि तू इ बातन क
चतुर अउर बुद्धिमान मनइयन स छुपाइ के राखत भवा
भी गदेलन बरे ओनका परगट कइ दिहा ह। हे परमपिता!
सचमुच ही तू अइसा ही करब चाहत रह्या।

[22]"मोका मोरे परमपिता क जरिये सब कछू दीन्ह ग
अहइ अउर परमपिता क अलावा कउनो नाहीं जानत
कि पूत कउन अहइ अउर पूत क अलावा कउनो नाहीं
जानत कि परमपिता कउन अहइ या ओकरे अलावा
जेका पूत एँका परगट करइ चाहत ह।"

[23]फिन चेलन कइँती मुड़िके ईसू चुप्पे स कहेस,
"धन्य अहइँ उ आँखिन जउन तू देखत अहा, ओका
देखत हीं। [24]काहेकि मइँ तोहका बतावत हउँ कि उन
बातन क बहोत स नबी अउर राजा देखइ चाहत रहिन।
जेनका तू देखत रह्या, मुला देखि नाहीं सक्या। जउन
बातन क तू सुनत रहत ह, उ सबइ ओनका सुनइ चाहत
रहेन, मुला उ पचे सुन नाहीं पाएन।"

## नीक सामरी क कथा

[25]तब एक धरम सास्तरी खड़ा भवा अउर ईसू क
परीच्छा लेइ बरे ओसे पूछेस, "गुरु, अनन्त जीवन पावइ
बरे मइँ का करउँ?"

[26]एँह पइ ईसू ओनसे कहेस, "व्यवस्था मँ का लिखा
बाटइ? तू हुवाँ का पढ़त ह?"

[27]धरम सास्तरी उत्तर दिहस, "'तू आपन समूचा
मन, सारी आतिमा, सारी सक्ती अउर सारी बुद्धि क
संग आपन पर्भू स पिरेम करा।'* अउर 'आपन पड़ोसी
स भी वइसे ही पिआर करा, जइसे तू आपन खुद स
करत ह।'*"

[28]तब ईसू ओसे कहेस, "तू ठीक जवाब दिहा ह। तउ
तू अइसा ही करा अउर एँहसे तू जीवित रहब्या।"

[29]मुला उ आपन ताईं निआव स जुरा भवा ठहरावइ
क इच्छा करत भवा ईसू स कहेस, "अउर मोर परोसी
कउन अहइ?"

[30]ईसू जवाबे मँ कहेस, "देखा, एक मनई यरूसलेम
स यरीहो जात रहा कि उ डाकुअन स घिरि गवा। उ पचे
सब कछू मुच्छ कइ ओका नंगा कइ दिहन अउर मार
पीटिके ओका अधमरा छोड़ि के उ पचे चल दिहन।
[31]अब संजोग स उहइ रस्ता स एक यहूदी याजक जात
रहा। जब उ एका निहारेस तउ दूसर कइँती चला गवा।
[32]उहइ रस्ता स गुजरत भवा, एक लेवी* भी हुवाँ आवा।
उ ओका देखेस अउर उ भी दुसरी कइँती चला गवा।
[33]मुला एक सामरी भी जात भवा हुवँई आइ गवा जहाँ उ

---

**'तू ... करा'** व्यवस्था 6:5

**'आपन ... ह'** लैव्य 19:18

**लेवी** लेवी परिवार समूह क एक मनई। इ परिवार समूह
मंदिर मँ याजक क मदद करत रहा।

ओलार दीन्ह ग रहा। उ जब उ मनई क देखेस तउ ओकरे बरे ओकरे मन मँ करुना आइ। 34तउ उ ओकरे नगिचे आवा ओकरे घाउन प तेल अउर दाखरस डाइके पट्टी बाँधेस। फिन उ ओका आपन पसु प लदिके एक ठु सराय मँ लइ गवा अउर ओका देखइ भालइ लाग। 35दुसरे दिन उ दुइ दीनार निकारेस अउर ओनका भटियारा क देत भवा कहेस, 'एँकर धियान रख्या अउर एँसे जिआदा जउन कछू खरच होइ, जब मइँ लौटिहउँ, तोहका चुकाइ देबूँ।'

36"बतावा तोहरे बिचार स डाकुअन क बीच घिरे भए मनई क पड़ोसी इ तीनउँ मँ स कउन भवा?"

37धरम सास्तरी कहेस, "उहइ जउन ओह प दाया किहेस।"

एँह पइ ईसू ओनसे कहेस, "जा अउर वइसा ही करा जइसा उ किहेस ह।"

## मरियम अउर मार्था

38जब ईसू अउर ओकर चेलन आपन राहे प जात रहेन तउ ईसू एक गाउँ मँ पहुँचा। एक स्त्री, जेकर नाउँ मार्था रहा, दिल खोलिके ईसू क अगवानी अउर सम्मान किहेस। 39मार्था क बहिन मरियम नाउँ क रही जउन ईसू क गोड़वा मँ बैठि गई अउर जउन कछू उ कहत रहा, ओका सुनत रही। 40ओहँर तरह तरह क तइयारी मँ लाग मार्था बियाकुल होइके आई अउर बोली, "पर्भू, का तोहका चिंता नाहीं कि मोर बहिन सारा काम बस मोहे प डाइ दिहे अहइ? यह बरे ओसे मोर मदद करइ क कहा?" 41पर्भू ओका जवाब दिहेस, "मार्था अरी मार्था! तू बहोत स बातन क बरे चिंता मँ बूड़ी अउर बियाकुल रहत ह। 42मुला बस एक ही बात जरूरी अहइ। मरियम आपन बरे उहइ उत्तिम हींसा क चुने बाटइ, तउ उ ओसे छीना नाहीं जाई।"

## पराथना क बारे मँ ईसू क उपदेस

*(मत्ती 6:9-15, मरकुस 7:7-11)*

11 अब अइसा भवा कि ईसू कहूँ पराथना करत रहा। जब उ पराथना खतम कइ चुका तउ ओकर एक चेला ओसे कहेस, "पर्भू हमका सिखावा कि हम पराथना कइसे करी। जइसा कि यूहन्ना आपन चेलन क सिखाए रहा।"

2एँह पइ उ ओसे कहेस, "तू पराथना करा, तउ कहा:

'परमपिता, तोहार नाउँ पवित्तर होइ, आवइ तोहार राज्य
3 हर दिन क बरे जरूरी रोटी हमका द्या;
4 हमार अपराध छमा करा, काहेकि हमहूँ छमा कीन्ह ह आपन अपराधी क, कठिन परीच्छा मँ हमें जिन डावा।'"

## माँगत रहा

5-6फिन ईसू कहेस, "मान ल्या तोहमाँ स कउनो क एक मीत अहइ, तउ तू आधीरात ओकरे लगे आइके कहत ह, 'मीत, मोका तीन रोटी दया। काहेकि एक मीत अबहीं अबहीं जात्रा प मोरे लगे आवा ह अउर मोरे लगे ओकरे समन्वा परसइ क कछू भी नाहीं बा।' 7अउर मान ल्या उ मनई भितरे स जवाब दिहस, 'मोका तंग जिन करा, दुआर बंद होइ चुका अहइ बिछउना प मोरे साथ गदेलन अहइँ, यह बरे तोहका कछू देइ मँ खड़ा नाहीं होइ सकित।' 8मइँ तोहका बतावत हउँ उ अगर न उठी अउर तोहका कछू न देई, मुला फिन भी काहेकि उ तोहार मीत बा, तउ तोहरे लगातार, बे सरमाये क माँगत रहइ स उ खड़ा होई अउर तोहार जरूरत भर तोहका देई। 9अउर यह बरे मइँ तोहसे कहत हउँ माँगा, तोहका दीन्ह जाई। ढूँढ़ा तू पउब्या खटखटावा, तोहरे बरे दुआर खोलि दीन्ह जाई। 10काहेकि हर कउनो जउन माँगत ह, पावत ह। जउन ढूँढ़त ह, ओका मिलत ह। अउर जउन खटखटावत ह, ओकरे खातिर दुआर खोलि दीन्ह जात ह। 11तोहरे मँ अइसा बाप कउन होई जउन जदि ओकर बेटवा मछरी माँगइ, तउ मछरी क जगह प ओका कीरा थमाइ दीन्ह जाइ। 12अउर जदि उ अण्डा माँगइ तउ ओका बीछी दइ देइ। 13तउ बुरा होत भवा जब तू जानत ह कि आपन गदेलन क उत्तिम भेंट कइसे दीन्ह जात हीं, तउ स्वर्गीय पिता जउन ओसे माँगत हीं, ओनका पवित्तर आतिमा केतँना ढेरि क देई।"

## ईसू की सक्ती परमेस्सर स मिली

*(मत्ती 12:22-30, मरकुस 3:20-27)*

14फिन ईसू जब एक गूँगा बनइ डावइवाली दुस्ट आतिमा क निकारत रहा तउ अइसा भवा कि जइसा ही दुस्ट आतिमा बाहेर निकरी, तउ उ गूँगा बोलइ लाग। भीड़ क मनई एँसे बहोतइ अचरजे मँ पड़ि गएन। 15मुला ओहमाँ स कछू कहेन, "इ सइतान क सासक बालजबूल क मदद स दुस्ट आतिमन क खदेरत ह।"

16मुला अउर मनइयन ओका परखइ बरे कउनो सरग क चीन्हा क माँग किहेन। 17लेकिन ईसू जानत रहा कि ओनके मनवा मँ का बाटइ? उ ओनसे कहेस, "उ राज्य जेहमाँ आपन भीतर ही फूट परि जाइ, ओकर नास होइ जात ह अउर अइसे ही कउनो घरे क फूट परे प नास होइ जात ह। 18जदि सइतान आपन खिलाफ होइ जाइ तउ ओकर राज्य कइसे टिक सकित ह? इ मइँ तोहसे यह बरे पूछत हउँ काहेकि तू कहत ह कि मइँ बालजबूल क मदद स दुस्ट आतिमन क निकारत हउँ। 19मुला जदि मइँ बालजबूल क मदद स दुस्ट आतिमन क निकारत हउँ तउ तोहार मनवइयन ओनका केकरी मदद स निकारत हीं? तउ तोहार आपन मनई ही तोहका गलत बतइहीं। 20मुला जदि मइँ परमेस्सर क

सक्ती स बुरी आतिमा को निकारत हउँ तउ इ साफ बा
कि परमेस्सर क राज्य तू ताईं आइ गवा अहइ!
21“जब एक सकत क मनई पूरी तरह हथियार
टेइके आपन घरे क रच्छा करत ह तउ ओकरे धन
दौलत क रच्छा होत ह। 22मुला जब कबहूँ कउनो ओसे
जिआदा बरिआर ओह प हमला कइके ओका हराइ देत
ह तउ उ ओकरे सबहीं हथियारन क, जउने प ओका
भरोसा रहा, ओसे छीन लेत ह अउर लूट क माल क उ
पचे अपने दोस्तन मँ बाँट लेत हीं।
23“जउन मोर संग नाहीं अहइँ, मोर खिलाफत मँ
बाटेन। उ जउन मोरे संग बटोरत नाहीं अहइ, छितरइहीं।

## बे कामकाजी मनई

*(मत्ती 12:43-45)*

24“जब कउनो दुस्ट आतिमा कउनो मनई स बाहेर
निकरत ह तउ अराम क ढूँढ़त सूखे ठउरन मँ स होत
जात ह अउर जब ओका अराम नाहीं मिलत तउ उ
कहत ह, ‘मइँ आपन उहइ जगह लौटब जहाँ स गइ हउँ।’
25अउर वापस जाइके उ ओका साफ सूथर अउर तरकीबे
मँ बसी पावत ह। 26फिन उ जाइके आपन स भी जिआदा
दुस्ट दूसर सात जिआदा दुस्ट आतिमन क हुवाँ लइ
आवत ह। फिन उ सबइ ओहमाँ जाइके रहइ लागत हीं।
इ तरह उ मनई क पाछे क दसा पहिले स जिआदा
खराब होइ जात ह।”

## उ पचे धन्य अहइँ

27फिन अइसा भवा कि जइसे ही ईसू इ बातन
कहेस, भिरिया मँ स एक स्त्री उठी चिल्लाइके बोली, “उ
गरभ धन्य अहइ, जउन तोहका धारण किहेस ह। अउर
उ चूची धन्य अहइ, जेका तू चूस्या ह।”
28ऍह प उ कहेस, “धन्य तउ मुला उ पचे बाटेन
जउन परमेस्सर क बचन सुनत हीं अउर ओह प चलत
हीं!”

## प्रमान क माँग

*(मत्ती 12:38-42; मरकुस 8:12)*

29जइसे जइसे भिरिया बढ़त रही, उ कहइ लाग, “इ
एक दुस्ट पीढ़ी अहइ। इ कउनो अद्भुत चीन्हा लखइ
चाहत ह। मुला ऍका योना क चीन्हा क अलावा अउर
कउनो चीन्हा नाहीं दीन्ह जाइ। 30काहेकि जइसे निनवे
क मनइयन बरे योना चीन्हा बन गवा, वइसे ही इ पीढ़ी
बरे मनई क पूत भी चीन्हा बनी। 31दक्खिन क
रानी*निआव क दिन परगट होइके इ पीढ़ी क मनइयन
क दोखी ठहराई, काहेकि उ धरती दूसर कोने स सुलैमान
क गियान सुनइ बरे आइ अउर अब लखा हिआँ तउ
कउनो सुलैमान स भी बड़कवा अहइ। 32नीनवे क
मनइयन निआव क दिना इ पीढ़ी क मनइयन क खिलाफ
खड़ा होइके ओन पइ दोख लगइहीं काहेकि उ पचे योना
क उपदेस क सुनिके मनफिराव करि लिहन ह। अउर
देखा अब तउ योना स भी महान कउनो हिआँ नाहीं बा!

## संसार क ज्योति बना

*(मत्ती 5:15; 6-22:23)*

33“दिया बारिके कउनो भी ओका कउनो छुपा ठउर
या कउनो भाँड़ी क भीतर नाहीं राखत, मुला ओका
डीबट प धरत ह जेहसे जउन भितरे आवइँ, ज्योति लखि
सकइँ। 34तोहरे देह क दिया तोहार आँखिन अहइँ, तउ
जदि आँखी नीक अहइँ तउ समूची देह ज्योति स भरि
गइ बाटइ मुला, जदि इ सबइ खराब अहइँ तउ तोहार देह
अँधियार होइ जात ह। 35तउ धियान राखा! कि तोहरे
भीतर ज्योति अहइ, अँधियारा नाहीं। 36यह बरे जदि
तोहार समूची देह ज्योति स भरिपूर अहइ अउर ऍकर
कउनो भी अंग अँधियारा नाहीं तउ उ पूरी तरह अइसे
चमकी मान ल्या कउनो दिया तोह पइ आपन किरण स
प्रकासित होत ह।”

## ईसू फरीसियन क नुक्ता चीनी करत ह

*(मत्ती 23:1-36, मरकुस 12:38-40; लूका 20:45-47)*

37ईसू जब आपन बात पूरी किहस तउ एक फरीसी
ओसे अपने साथ खाइ बरे हठ किहेस। तउ उ भितरे
जाइके खइया क खाइ बैठि गवा। 38मुला उ फरीसी जब
इ देखेस कि खइया स पहिले उ आपन हाथ नाहीं धोएस
तउ ओका बड़ा अचरज भवा।
39ऍह पइ पर्भू ओनसे कहेस, “अब लखा तू फरीसियन
टाठी अउर खोरा क बस बाहेर स तउ माँजत ह मुला
तोहरे भीतर लालच अउर दुस्टता भरी अहइ। 40अरे मूढ़
मनइयो! का जउन बाहरी अंग क बनाएस ह, उ भीतरी
अंग क नाहीं बनाएस। 41यह बरे जउन कछू भितरे
अहइ, ओका दीनन क दइ द्या। फिन तोहरे बरे सब
कछू पवित्तर होइ जाइ। 42अरे फरीसियन! तोहका
धिक्कार अहइ काहेकि तू आपन पुदीना अउर सुदाब
बूटी अउर हर कउनो जरी बूटी क दसवाँ हींसा तउ
चढ़ाइ देत ह मुला परमेस्सर बरे पिरेम अउर निआव क
टारि देत ह। मुला इ बातन क तोहका उ बातन क बगैर
टारि देइ क करइ चाही। 43अरे फरीसियन! तोहका
धिक्कार अहइ! काहेकि तू सबइ आराधनालय मँ बहोत
ही प्रमुख आसन चाहत बाट्या अउर बजारन मँ मान
मर्जादा क संग पैलगी तोहका सोहात ह। 44तोहका धिक्कार
अहइ काहेकि तू पचे बिना कउनो चीन्हा क कब्र क
नाईं अहा जेहँ प मनई चलत हीं मुला उ सबइ नाहीं
जानत हीं।”

---

**दक्खिन क रानी** अर्थात् सीना हजार मील चलिके
सुलैमान स परमेस्सर क गियान सीखइ आइ रही। 1राजा 10:1-3

## यहूदी धरम सास्तिरियन स ईसू क बतियाब

45तब एक धरम सास्तिरि ईसू स कहेस, "गुरु, जब
तू अइसी बातन कहत ह तउ हम भी बेज्जत होइत ह।"
46एँह प ईसू कहेस, "अरे धरम सास्तिरियो! तोहका
धिक्कार अहइ। काहेकि तू सबइ मनइयन प अइसा
बोझा लादे बाट्या जेका उठाउब मुस्किल अहइ। अउर
तू खुद ओन बोझन क एक ठु अँगुरी भर स छुअइ नाहीं
चाहत ह। 47तोहका धिक्कार अहइ काहेकि तू नबियन
बरे मकबरा क बनवत ह, जेनकइ कतल कीन्ह गवा
अउर ओनकर कतल करइया तोहार पूर्वजन रहेन।
48एँसे तू सबइ इ देखॉवत ह कि तू आपन पूर्वजन क उ
कामे क अँगीकार करत ह। काहेकि उ पचे तउ ओनका
मारेन ह अउर तू पचे ओनकइ मकबरा क बनाया ह।
49यह बरे परमेस्सर क गियान भी कहेस, 'मइँ नबियन
अउर प्रेरितन क भी ओनके लगे पठउब। फिन कछू क
तो उ पचे मारि डइहीं अउर कछू क सजा देइहीं।' 50यह
बरे संसार क सुरुआत स जेतॅना भी नबियन क लहू
बहाइ दीन्ह ग अहइ, ओनकइ हिसाब इ पीढ़ी क मनइयन
स चुकाइ जाइ। 51हाबिल क कतल स लइके जकरयाह
क कतल तलक क हिसाब जउन परमेस्सर क मंदिर
अउर वेदी क बीच कीन्ह गवा रहा। हाँ, मइँ तोहसे
कहत हउँ इ पीढ़ी क मनइयन क एँकरे बरे लेखा जोखा
देइ क होइ।

52"ओ धरम सास्तिरियो! तोहका धिक्कार अहइ,
काहेकि तू सबइ गियान क कुंजी तउ लइ लिहा ह। मुला
ओहमाँ न तउ खुद घुसि पाया अउर न घुसइ क कउनो
जतन करत रह्या। ओनका भी तू अड़ंगा डाया जे अइसा
करइ चाहेन।"

53अउर फिन जब ईसू हुवाँ स चला गवा तउ उ
सबइ धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन ओसे घोर
दुस्मनी राखइ लागेन। बहोत स बातन क बारे मँ ओसे
सोझ सवाल करइ लागेन।

54काहेकि उ सबइ ओका ओकर कही कउनो बात
स घात करइ बरे टोहत रहेन।

## फरीसियन जइसा जिन बना

12 अउर फिन जब हजारन मनइयन क भारी भीड़
जुटि गइ तउ एक दुसरे क रौंदे जात रही तब ईसू
पहिले आपन चेलन स कहइ लाग, "फरीसियन क खमीरे
स, जउन ओनकइ कपट बा, बचा रहा। 2कछू छुपा नाहीं
अहइ जउन परगट नाहीं कइ दीन्ह जाइ। अइसा कछू
अनजाना नाहीं अहइ जेका बतावा नाहीं दीन्ह जाइ। 3यह
बरे हर उ बात जेका तू अँधियारे मँ कह्या ह, उजिआरे
मँ सुनी जाइ। अउर एकांत खोली मँ जउन कछू भी तू
चुप्पे स कउनो क काने मँ कह्या ह, घरे क छते स
एॅलान कइ दीन्ह जाइ।"

## परमेस्सर स डेराअ

*(मत्ती 10:28-31)*

4"मुला मोर मीतो, मइँ तोहसे कहत हउँ ओनसे जिन
डेराअ जउन तोहरे तन क मारि डाइ सकत हीं अउर
ओकरे पाछे अइसा कछू नाहीं अहइ जउन ओनके बस
मँ होइ। 5मइँ तोहका देखाउब कि तोहका कउनो स
डेराइ चाही। ओसे (परमेस्सर) डेराअ जउन तोहका मारिके
नरक मँ नावइ क सक्ती राखत ह। हाँ, मइँ तोहका
बतावत हउँ, बस उहइ स डेराअ।

6"का दुइ पइसा मँ पाँच ठु चिरइयन नाहीं बिकतिन?
फिन भी परमेस्सर ओहमाँ स एक क भी नाहीं बिसरत।
7अउर लखा तोहरे मूँड़े प क एक एक बारि तलक गना
भवा अहइँ। डेराअ जिन तू बहोत सी चिरइयन स कहूँ
जिआदा कीमत क अहा।"

## ईसू क नाउँ प जिन सर्मा

*(मत्ती 10:32-33; 12:32; 10:19-20)*

8"मुला मइँ तोहसे कहत हउँ जउन कउनो मनई
सबहीं क समन्वा मोका मानत ह, मनई क पूत भी उ
मनई क परमेस्सर क दूतन क समन्वा मानी। 9मुला ज
जउन मोका दुसरे क समन्वा न मानी, ओका परमेस्सर
क दूतन क समन्वा इन्कार कइ दीन्ह जाइ।

10"अउर हर उ मनई क तो छमा कइ दीन्ह जाइ
जउन मनई क पूत क खिलाफ कउनो सब्द बोलत ह,
मुला जउन पवित्तर आतिमा क बुराई करत ह, ओका
छमा नाहीं कीन्ह जाइ।

11"तउ जब उ पचे तोहका आराधनालय मँ, राज्य
क करइवालन अउर अधिकारियन क समन्वा लइ जाइँ
तउ फिकिर जिन कर्या काहे तू आपन क कइसे
बचउब्या या तोहका का कछू कहे होइ। 12चिंता जिन
करा काहेकि पवित्तर आतिमा तोहका सिखाइ कि उ
समइया तोहका का बोलइ चाही।"

## सुआरथ क खिलाफ चिताउनी

13फिन भीड़ मँ स ओसे कउनो कहेस, "गुरु, मोरे
भइया स मोरे बाप क धन दौलत क हींसा बाँटइ बरे
कहि द्या।" 14एँह प ईसू ओसे कहेस, "अरे भले मनई,
मोका तोहरे बरे निआववाला या पंच कउन बनएस ह?"
15तउ ईसू ओनसे कहेस, "होसियारी क संग आपन क
लालच स दूर राखा। काहेकि जरूरत स जिआदा
धन-दौलत होइ प जिन्नगी क आधार ओकर संग्रह
नाहीं होत।"

16फिन उ ओनका एक दिस्टान्त कथा सुनाएस:
"कउनो धनी मनई क धरती प खूब पैदावार भइ। 17उ
आपन मनवा मँ सोचत भवा कहइ लाग, 'मइँ का करूँ,
मोरे लगे फसिल क रखइ बरे ठउर तउ अहइ नाहीं।'
18फिन उ बोला, 'ठीक अहइ मइँ इ करब कि आपन

अनाज क कोठिला गिराइके बड़का कोठा बनवाउब
अउर आपन समूचा अनाज क अउर सामान हुवाँ रखब।
19फिन आपन आतिमा स कहब, अरे मोर आतिमा अब
बहोत स उत्तिम बस्तु, बहोत स बरिस बरे तोहरे लगे
ऍकट्ठी अहइँ। घबरा जिन, खावा, पिआ अउर मउज
उड़ावा!' 20मुला परमेस्सर ओसे बोला, 'अरे मूर्ख! इहइ
राति मँ तोहार आतिमा तोहसे लइ लीन्ह जाइ। जउन
कछू तू तइयार किहे अहा, ओका कउन लेइ?'
21"लखा, उ मनई क संग भी कछू अइसा ही भवा
ह, उ अपने बरे बटोरत ह मुला परमेस्सर क निगाह मँ
उ धनी नाहीं।"

## परमेस्सर क राज क महत्ता

*(मत्ती 6:25-34; 19:21)*

22तब उ आपन चेलन स कहेस, "यह बरे मइँ तोहसे
कहत हउँ, आपन जिन्नगी क फिकिर जिन करा कि तू
का पहिन्ब्या? 23काहेकि जिन्नगी खइया स अउर तन
ओढ़ना स जिआदा जरूरी अहइ। 24कउअन क लखा,
न उ पचइ बोवत हीं, न ही उ पचे काटत हीं। न ओनके
लगे भण्डारा बा अउर न आजु अन्न क कोठिला, फिन
भी परमेस्सर ओनका भोजन देत ह। तू तउ चिरइयन स
केतॅना जिआदा कीमती अहा। 25चिन्ता कइके, तू पचन
मँ स कउन अइसा अहइ, जउन आपन उमिर मँ एक
घड़ी भी अउर जोर सकत ह? 26काहेकि तू जदि छोटका
काम क भी नाहीं कइ सकत्या तउ बाकी बरे काहे
फिकिर करत ह? 27कोका बेली क लखा, उ कइसे
उगत हीं? न उ सबइ मेहनत करत हीं, न कताई, फिन
भी मइँ तोहसे कहत हउँ कि सुलैमान आपन समूचे धन
दौलत क संग ओहमाँ स कउनो एक क नाईं नाहीं सज
पाएस। 28यह बरे जब मैदान क घास क, जउन आज
हिआँ बा अउर भियान ही ओका भार मँ झोंक दीन्ह
जाइ, परमेस्सर अइसे ओढ़नन स सजावत ह तउ अरे
ओ कम बिसवास करइया मनइयो! तोहका तउ उ केतॅना
अउर जिआदा ओढ़ना पहिराइ। 29अउर फिकिर जिन
करा कि तू का खाब्या अउर का पीब्या। ऍनके बरे
जिन सोचा।
30काहेकि संसार क अउर सबहीं मनई इ चीजन्क
क पाछे धावत अहइँ मुला तोहार परमपिता तउ जानत
ही आहइ कि तोहका इ चीजन्क जरूरत अहइ। 31मुला
तू तउ परमेस्सर क राज्य क चिन्ता करा। इ चीजन तउ
तोहका दइ दीन्ह जइहीं।

## धने प भरोसा जिन करा

32"हे भोली भेड़ी क झुण्ड! जिन डेराअ, काहेकि
तोहार परमपिता तोहका राज्य देइ क तइयार अहइ।
33तउ आपन धन दौलत बेंचिके धन गरीबन मँ बाँटि
द्या। आपन लगे अइसी झोरी राखा जउन पुरान न होइँ
अरथ बा कबहुँ न टूटइवाला सरगे मँ खजाना जहाँ ओह
तलक कउनो चोर क पहुँच न होइ। अउर न ओका न
किरवा नास कइ पावइँ।
34काहेकि जहाँ तोहार खजाना अहइ, हुवँई तोहार
मनवा भी रही।

## सदा तइयार रहा

*(मत्ती 24:45-51)*

35"काम करइ क सदा तइयार रहा। अउर आपन
दिया बारे रहा। 36अउर ओ मनइयन जइसा बना जउन
बियाह क भोज स लौटिके आवत आपन स्वामी क
जोहत होइँ जेहसे उ जब आवइ अउर दुआर खटखटावइ
तउ उ पचे फउरन खोलि सकइँ। 37उ नउकर धन्य
अहइँ जेका स्वामी वापस आइके जागत अउर तइयार
पइहीं। मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि उ भी ओनकर
सेवा बरे करिहाउँ बाँधि लेइ अउर ओनका खइया क
पीढ़ा प जेवंइ बरे बइठाई। उ आई अउर ओनका जेवांइ।
38उ चाहे आधी राति स पहिले आवइ अउर चाहे आधी
राति क पाछे जदि उ ओनका तइयार पावत ह तउ उ
सबइ धन्य अहइँ। 39इ बात बरे निस्चित रहा कि जदि
घरे क स्वामी क इ पता होइ कि चोर कउनो घड़ी
आवत अहइ, तउ उ ओका आपन घरे मँ सेंध नाहीं
लगावइ देइ। 40तउ तू भी तइयार रहा काहेकि मनई क
पूत अइसी घड़ी मँ आई जेका तू सोच नाहीं सकत्या।"

## बिसवास क जोग्ग सेवक कउन?

41तब पतरस पूछेस, "पर्भू, इ दिस्टान्त कथा तू हमरे
बरे कहत अहा या सब बरे?"
42ऍह प पर्भू कहेस, "तउ फिन अइसा बिसवास क
जोग्ग, बुद्धिमान सरंजाम अधिकारी कउन होइ जेका
पर्भू आपन नउकरन क ठीक समइ प खइया क चीज
देइ बरे ठहराइ? 43उ नउकर धन्य अहइ जेका ओकर
स्वामी जब आवइ तउ ओका वइसा ही करत पावइ।
44मइँ सच कहत हउँ कि उ ओका आपन सबहीं धन
दौलत क अधिकारी ठहराइ। 45मुला उ नउकर आपन
मनवा मँ सोचइ कि मोर स्वामी तउ आवइ मँ देर करत
अहइ अउर उ दूसर पुरुस अउर स्त्री नउकरन क
मारब पीटब सुरु कइ देइ अउर खाइ पिअइ अउर नसा
मँ चूर होइ। 46तउ उ नउकर क स्वामी अइसे दिन आइ
जाइ जेका उ सोचत नाहीं। एक ठु अइसी घरी जेकरे
बारे मँ निसाखातिर अहइ। फिन भी ओकर टुकरा
टुकरा कइ डाइ अउर ओका न बिसवास करइयन क
बीच ठउर देइ।
47"उ नउकर जउन आपन स्वामी क इच्छा जानत
ह अउर ओकरे बरे तइयार नाहीं होत या जइसा ओकर
स्वामी चाहत ह, वइसहु नाहीं करत, तउ नउकर प
जमिके मार परी। 48मुला उ जेका आपन स्वामी क

इच्छा क ग्यान नाहीं अउर कउनो अइसा काम कइ
डावइ जउन मार खाइ काबिल होइ तउ उ नउकर प
हल्की मार परी। काहेकि उ हर मनई स जेका बहोत
जिआदा दीन्ह ग अहइ, जिआदा माँगा जाइ। उ मनई
जेका ढेर सौंपा ग अहइ ओसे जिआदा ही माँगा जाइ।"

### मनइयन क मत ईसू स मेल नाहीं खात

*(मत्ती 10:34-36)*

49"मइँ धरती प एक आगी बारइ आवा हउँ। मोर
केतॅनी इच्छा अहइ कि उ साइद अबहुँ ताईं बरि जात।
50मोरे लगे एक बपतिस्मा अहइ जउन मोका लेब बा जब
ताईं उ पूर नाहीं होइ जात, मइँ केतॅना बियाकुल हउँ।
51तू का सोचत बाट्या कि मइँ इ धरती प सान्ति लइ
आवइ क बरे आवा हउँ? नाहीं, मइँ तोहका बतावत हउँ,
मइँ अलगावइ आवा हउँ। 52काहेकि अब स आगे एक
घरे क पाँच आदमी एक दूसर क खिलाफ बँटि जइहीं।
तीन दुइ क बिरोध मँ अउर दुइ तीन क बिरोध मँ होइ
जइहीं।

53 बाप बेटवा क बिरोध मँ, अउर बेटवा बाप
क बिरोध मँ। महतारी बिटिया क बिरोध मँ,
अउर बिटिया महतारी क बिरोध मँ, सास
दुलहिन क बिरोध मँ अउर दुलहिन सास क
बिरोध मँ होइ जइहीं।"

### समइ क पहिचान

*(मत्ती 16:2-3)*

54फिन उ भीड़ स बोला, "जब तू पच्छूँ कइँती कउनो
बदरे क उठत भइ लखत ह तउ कहि देत ह, 'बरखा
आवति अहइ।' अउर फिन अइसा ही होत ह। 55अउर
फिन जब दखिनी हवा चलत ह, तू कहत ह, 'गरमी पड़ी'
अउर अइसा ही होत ह। 56अरे कपटी मनइयो! तू धरती
अउर अकासे क रूपे क समझाउब तउ जानत बाट्या,
फिन अइसा काहेकि इ जुग क बारे मँ समझाउत्या
नाहीं?"

### आपन समसिया हल करा

*(मत्ती 5:25-26)*

57"जउन नीक अहइ, ओकर फैसला करइवाला तू
खुद काहे नाहीं बनत्या? 58जब तू आपन बैरी क संग
न्यायाधीस क लगे जात रहब्या तउ रास्ता मँ ही ओकरे
संग समझौता करइ क जतन करया। नाहीं तउ कहूँ
अइसा न होइ कि उ तोहका न्यायाधीस क लगे खैंच लइ
जाइँ अउर न्यायाधीस एक अधिकारी क सौंपि देइ।
अउर अधिकारी तोहका जेलि मँ धाँध देइ। 59मइँ तोहका
बतावत हउँ, तू हुवाँ स तब ताईं छूटि नाहीं पउब्या जब
तलक आखिरी दमड़ी तक न चुकाइ द्या।"

### मनफिरावा

13 उ समइया हुवाँ हाजिर कछू मनइयन ईसू क
ओन गलीलियन क बारे मँ बताएस जेनकइ लहू
पिलातुस ओनके बलिदान क संग मिलाइ दिहे रहा। 2तउ
ईसू ओनसे कहेस, "तू का सोचत ह कि सबइ गलीलियन
दूसर सबइ गलीलियन स जिआदा पापी रहेन काहेकि
ओनका इ सबइ बातन भीजे पड़ी? 3नाहीं! मइँ तोहका
बतावत हउँ, जदि तू भी मनफिरावा नाहीं करब्या तउ तू
भी वइसी ही मउत स मरब्या जइसी उ सबइ मरे रहेन!
4या ओन अट्ठारह मनइयन क बारे मँ तू का सोचत ह
जेनके ऊपर सीलोह क बुर्ज गिरिके ओनका मारि डाएस।
का सोचत ह, उ सबइ यरूसलेम मँ बसइया दूसर सबइ ही
मनइयन स जिआदा अपराधी रहेन? 5नाहीं! मइँ तोहका
बतावत हउँ कि जदि तू मनवा न फिरउब्या तउ तू भी
वइसे ही मरब्या!"

### बँझउ बृच्छ

6फिन उ इ दिस्टान्त कथा कहेस: "कउनो मनई
आपन अँगूरे क बारी मँ एक ठु अंजीरे क बृच्छ रोपे
रहा। तउ उ ओह पइ फल ढूँढ़इ आवा पर ओका कछू
नाहीं मिल पावा। 7ऍह पइ उ माली स कहेस, 'अब लखा
मइँ तीन बरिस स अँजीरे क बृच्छ प फल टटोरत आवत
हउँ मुला मोका एक ठु भी नाहीं मिलि पावा। यह बरे
ऍका काटि डावा। इ धरती क अइसी ही बृथा काहे
करत रहइ?' 8माली ओका जवाब दिहेस, 'स्वामी ऍका इ
बरिस तब ताईं तजि द्या, जब तलक मइँ ऍकरे चारिहुँ
कइँती खनिके एहमाँ पाँस नउबउँ। 9फिन जदि उ अगवा
बरिस फल देइ तउ नीक बा अउर जदि नाहीं देत तउ तू
ऍका काटि डाइ सकत ह।'"

### सबित क दिन स्त्री क चंगा करब

10कउनो आराधनालय मँ सबित क दिन ईसू जब
उपदेस देत रहा। 11तउ हुवँई एक अइसी स्त्री रही जेहॅमा
दुस्ट आतिमा समाइ ग रही। जउन ओका अट्ठारह
बरिस स पंगु बनाइ दिहे रही। उ निहुरिके कुबड़ी होइ
गइ अउर तनिकउ सोझ नाहीं होइ सकत रही। 12ईसू
ओका जब निहारेस तउ आपन लगे बोलाएस अउर,"हे
स्त्री, तोहका आपन बेरामी स छुटकारा मिलि गवा!" इ
कहत भवा 13ओह पइ आपन हाथ रखेस। अउर उ
फउरन सीध होइ गइ। उ परमेस्सर क गुन गावइ लाग।
14ईसू काहेकि सबित क दिन ओका बेरामी स जरटुट
किहेस, यह बरे आराधनालय क नेता किरोध मँ आइके
मनइयन स कहेस, "काम करइ क बरे छ: दिन होत हीं
तउ ओनही दिनम मँ आवा अउर आपन बेरामी क दूर
करावा पर सबित क दिन नीरोग होइ बरे जिन आवा।"
15पर्भू जवाब देत भवा ओसे कहेस, "अरे कपटियो!
का तोहमाँ स हर कउनो सबित क दिन आपन बर्धा

अउर गदहा क बारा स निकारिके कहूँ पानी पिआवइ नाहीं लइ जात ह? [16]अब इ स्त्री जउन इब्राहीम क बिटिया अहइ अउर जेका सइतान अट्ठारह बरिस स जकरिके राखे बा, का ऍका सबित क दिन ऍका बंधन स छुटकारा नाहीं देइ का चाही?" [17]जब उ इ कहेस तउ ओकर खिलाफत करइवालन सबइ सर्माइ गएन। ओह कइँती समूची भीड़ ओकरे अचरजे स भरे कामन स जेनका उ किहे रहा, खुस होइ ग।"

## सरग क राज्य कइसा अहइ

*(मत्ती 13:31-33, मरकुस 4:30-32)*

[18]तउ ईसू कहेस, "परमेस्सर क राज्य का अहइ अउर मइँ ऍकर तुलना कइसे करउँ? [19]उ सरसई क दाना क नाईं अहइ, जेका कउनो लइके आपन बगिया मँ बोएस। उ बड़ा भवा अउर एक बृच्छ होइ गवा। फिन अकासे क चिरइयन ओकर डारी प घोंसला बनाइ लिहन।"

[20]उ फिन ईसू कहेस, "परमेस्सर क राज्य क बरोबरी मइँ कइसे करउँ? [21]इ उ खमीरे क नाईं अहइ जेका एक स्त्री तीन हींसा पिसान मँ सान दिहेस अउर उ समूचा पिसान खमीरे स भरि गवा।"

## सँाकर दुआर

*(मत्ती 7:13-14; 21:23)*

[22]ईसू जब सहरन अउर गाउँन स होत भवा उपदेस देत भवा यरूसलेम जात रहा। [23]तबहीं ओसे कउनो पूछेस, "पर्भू क केवल कछू मनइयन क ही उद्धार होइ?"

ईसू कहेस, [24]"सँाकर दुआरे स घुसइ क होइ सकइवाला जतन करा, काहेकि मइँ तोहका बतावत हउँ कि भीतर जाइ क जतन बहोत स करिहीं प जाइ न पइहीं। [25]जब एक दाईं घरे क स्वामी उठिके दुआर बंद कइ देत ह, तउ तू बाहेर ही खड़ा दुआर खटखटावत कहब्या, 'महासय, हमरे बरे खोलि द्या!' मुला उ तोहका जवाब देइ, 'मइँ नाहीं जानत तू कहाँ ले आवा बाट्या?' [26]तब तू कहइ लगब्या, 'हम तोहर संग खावा ह, तोहर संग पिआ ह, तू हमरी गलियन मँ हमका सीख दिहा ह।' [27]पर उ तोसे कही, 'मइँ नाहीं जानत तू कहाँ स आवा अहा? अरे कुकर्मी मनइयो! मोरे लगे स पराइ जा!' [28]जब तू इब्राहीम, इसहाक, याकूब अउर दूसर सबहीं नबियन क परमेस्सरे क राज्य मँ निहरब्या मुला तोहका बाहेर ढकेल दीन्ह जाइ। तउ हुवाँ बस रोउब अउर दाँत पीसब होई। [29]फिन पूरब अउर पच्छूँ, उत्तर अउर दक्खिन स मनइयन परमेस्सर क राज्य मँ आइ आइके खइया क चउकी प आपन आसन ग्रहण करिहीं। [30]धियान रहइ कि हुवाँ जउन आखिरी अहइ पहिले होइ जइहीं अउर जउन पहिले अहइँ उ पचे आखिरी होइ जइहीं।"

## ईसू क मउत यरूसलेम मँ

*(मत्ती 23:27-39)*

[31]उहइ समइ ईसू क लगे कछू फरीसियन आएन अउर ओसे बोलेन, "हेरोदेस तोहका मारि डावइ चाहत ह, यह बरे हुवाँ स कहूँ अउर चला जा।"

[32]तब उ ओनसे कहेस, "जा अउर उ लोखरी* स कहा, 'मइँ मनइयन मँ स दुस्ट आतिमन क निकारब, मइँ आज ही चंगा करब अउर भियान भी। फिन तीसर दिन मइँ आपन काम पूरा करब।' [33]फिन भी मोका आजु, भियान अउर परउँ चलत ही रहइ क अहइ। काहेकि कउनो नबियन बरे इ नीक नाहीं कि उ यरूसलेम स बाहेर प्रान तजि देइ।

[34]"यरूसलेम अरे ओ यरूसलेम! तू नबियन क कतल करत ह अउर परमेस्सर जेका तोहरे लगे पठएस ह, ओन प पाथर बरिसावत ह। मइँ केतँनी दाईं तोहरे मनइयन क वइसे ही आपुस मँ बटोरइ चाहा ह जइसे एक ठु मुर्गी आपन बचवन क आपन पखना तरे बटोरत ह। मुला तू नाहीं चाह्या। [35]लखा तोहरे बरे तोहार घर तोहरे लिये उजरा पड़ा अहइ। मइँ तोहका बतावत हउँ तू मोका उ समइया तलक फिन नाहीं देखब्या। जब ताईं उ समइ न आइ जाइ जब तू कहब्या, 'धन्य अहइ उ, पर्भू क नाउँ प जउन आवत बा।'*"

## का सबित क दिन चंगा करब उचित बा?

**14** एक दाईं सबित क दिन मुख्य फरीसियन मँ स कउनो क घर ईसू खइया बरे गवा। ओहर उ पचे नगिचे स आँखि गड़ाइके लखत रहेन। [2]हुवाँ ओकरे समन्वा जलंधर स दुखी एक ठु मनई रहा। [3]ईसू धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन स पूछेस, "सबित क दिन कउनो क चंगा करब उचित अहइ या नाहीं?" [4]मुला उ पचे खमोस रहेन। तउ ईसू उ मनई क लइके चंगा कइ दिहस अउर फिन ओका कहूँ पठइ दिहस। [5]फिन उ ओनसे पूछेस, "जदि तोहमाँ स कउनो क लगे आपन बेटवा अहइ या बर्धा अहइ, उ कुआँ मँ गिरि पड़त ह तउ सबित क दिन भी तू ओका फउरन नाहीं निकरिब्या?" [6]उ पचे ऍह पइ ओकर बात नाहीं काटि सकेन।

## आपन क मान जिन द्या

[7]काहेकि ईसू इ लखेस कि मेहमान आपन बरे बइठइ क कउनो खास ठउर ढूँढ़त रहेन, तउ उ ओनका एक दिस्टान्त कथा सुनाएस। उ बोला: [8]"जब तोहका कउनो बियाहे क भोज प बोलावइ तउ हुवाँ कउनो

---

**लोखरी** लोखरी चलाक होत ह, यह बरे ईसू हेरोदेस क लोखरी क रूप मँ कहिके ओखा धूर्त कहइ चाहत रहा।

**'धन्य ... बा'** भजन 118:26

सम्मान क ठउर प जिन बइठा। काहेकि होइ सकत ह हुवाँ कउनो तोहसे जिआदा बड़कवा मनई क उ बोलॉए होइ। 9फिन तू दुइनउँ क बोलॉवइवाला तोहरे लगे आइके तोसे कही, 'आपन इ जगह इ मनई क दइ द्या।' अउर फिन लजाइके तोहका सबन क तले क ठउरे प बइठइ क होइ। 10तउ जब तोहका बोलॉवा जात ह तउ जाइके सबन त तले क जगह ग्रहण कइ ल्या जइसे जब तोहका न्यौता देइवाला आवइ तउ तोहसे कही, 'मीत उठा, ऊपर बइठा।' फिन उ सबन क समन्वा, जउन तोहरे लगे हुवाँ मेहमान होइहीं, तोहार मान बाढ़ी। 11काहेकि हर कउनो जउन आपन क उठाई ओका निहुराइ दीन्ह जाई अउर जउन आपन क निहुराई, ओका ऊँचा कीन्ह जाई।"

## बदले कफल

12फिन जउन ओका बोलाए रहा, ओसे उ बोला, "जब कबहुँ तू कउनो दिन या राति क भोज द्या तउ आपन धनी पड़ोसियन क जिन बोलॉवा काहेकि ऍकरे बदले मँ तोहका बोलइहीं अउर इ तरह तोहका ओकर फल मिलि जाई। 13मुला जब तू कउनो भोज द्या तउ दीन दुखियन, अपाहिजन, लंगड़न अउर अँधरन क बोलॉवा। 14फिन काहेकि ओनके लगे वापस लउटावइ कछू नाहीं अहइ, तउ इ तोहरे बरे आसीर्बाद बनि जाई। ऍकर बदले क फल तोहका धर्मी मनई क जी उठइ प दीन्ह जाई।"

## बड़वार भोज क दिस्टान्त कथा

*(मत्ती 22:1-10)*

15फिन ओकरे संग खइया क खात रहेन मनइयन मँ स एक इ सुनिके ईसू स कहेस, "हर उ मनई धन्य अहइ, जउन परमेस्सर क राज्य मँ जेंवत ह!"

16तब ईसू ओसे कहेस, "एक मनई कउनो बड़के भोज क तइयारी करत रहा, उ बहोत स मनइयन क न्यौत दिहस। 17फिन दावत क समइ जेनका न्यौता दिहस, नउकरे क पठइके इ कहवाएस 'आवा! काहेकि भोजन तइयार अहइ!' 18उ सबइ एक तरह आनाकानी करइ लागेन। पहिला ओसे कहेस, 'मइँ एक खेत बेसहे अहउँ, मोका जाइके ओका देखब अहइ, कृपा कइके मोका छमा करइँ।' 19फिन दूसर कहेस, 'मइँ पाँच जोड़ी बर्धा मोल लिहे अहउँ, मइँ तउ सिरिफ ओनका परखइ जात हउँ, कृपा कइके मोका छमा करइँ।' 20एक अउर भी बोला, 'मइँ अबहीं बियाह किए हउँ। इ कारण स नाहीं आइ सकत हउँ।' 21तउ जब उ नउकर लौटिके आवा तउ उ आपन स्वामी क इ बातन बताइ दिहस, ऍह पइ उ घरे क स्वामी बहोत कोहाइ गवा अउर आपन नउकरे स कहेस, 'हाली ही! सहर क गली कूचा मँ जा अउर गरीब गुरबा, अपाहिज, आँधर अउर लँगड़न क हिआँ लइ आवा।' 22उ नउकर स कहेस, 'स्वामी तोहार हुकुम पूरी कइ दीन्ह गइ अहइ मुला अबहिं भी ठउर बाकी अहइ।' 23फिन स्वामी नउकरे स कहेस, 'सड़कन प अउर खेतन क मेंड़े ताईं जा अउर हुवाँ स मनइयन स चिरौरी कइके हिआँ बुलाइ लिआवा जेसे मोर घर भरि जाइ। 24अउर मइँ तोहसे कहत हउँ जउन पहिले बोलाइ गवा रहेन ओहमाँ स एक भी भोज न चिखइ!'"

## चेला बनइ का कीमत

*(मत्ती 10:37-38)*

25ईसू क संग भारी भीड़ जात रही। उ ओनके कइँती मुड़ि गवा अउर बोला, 26"जदि मोरे लगे कउनो आवत ह अउर आपन बाप महतारी, पत्नी अउर बचवा, आपन भाइयन अउर बहिनियन अउर हिआँ ताईं कि आपन जिन्नगी तलक स मोसे जिआदा पिरेम राखत ह, उ मोर चेला नाहीं होइ सकत। 27जउन आपन क्रूस (यातना) उठाइके मोरे पाछे नाहीं चलत ह, उ मोर चेला नाहीं होइ सकत। 28जदि तोहमाँ स कउनो बुर्ज बनावइ चाहइ तउ का उ पहिले स बइठिके ओकरे दामे क, इ लखइ बरे कि ओका पूरा करइके ओकरे लगे काफी कछू बा कि नाहीं, हिसाब उसाब न लगाई? 29नाहीं तउ उ नेंव तउ खनि देइ अउर ओका पूरा न कइ पावइ स, जउन ओका सुरु होत लखेन ह, सबहिं ओकर मसखरी उड़इहीं अउर कइहीं, 30'अरे लखा इ मनई बनाउब तउ सुरु किहेस ह मुला इ ओका पूर नाहीं कइ सका!'

31"या कउनो राजा अइसा होइ जउन कउनो दूसर राजा क खिलाफ जुद्ध छेड़इ जाइ अउर पहिले बैठिके इ न बिचारइ कि आपन दस हजार सैनिकन क संग का उ बीस हजार सैनिकन आपन बैरी क मुकाबला कइ भी सकी कि नाहीं? 32अउर जदि उ समर्थ नाहीं होत तउ ओकर बैरी अबहीं राहे मँ होइहीं तबहीं उ आपन प्रतिनिधि मडंल क पठइके सांति मिलाप क सुझाई। 33तउ फिन इहइ तरह तोहमाँ स कउनो भी जउन आपन सबहिं धन दौलत क तजि नाहीं देत, मोर चेला नाहीं होइ सकत।

## आपन सुभाव जिन तजा

*(मत्ती 5:13; मरकुस 9:50)*

34"नोन उत्तिम अहइ मुला जदि ओकर स्वाद बिगर जाइ तउ ओका फिन स नमकीन नाहीं बनावा जाइ सकता। 35न तउ उ माटी क लायक रही अउर न पाँस क कूड़ा क। मनई सिरिफ ओका यूँ ही बहाइ देइहीं। जेकरे लगे सुनइ क कान अहइँ, ओका सुनइ द्या!"

## सरगे मँ खुसी

*(मत्ती 18:12-14)*

15 अब चुंगी (टिकॅस) क उगहिया अउर पापी सबहिं ओका सुनइ बरे ओकरे लगे आवइ लाग रहेन। 2तउ फरिसियन अउर धरम सास्तिरियन बड़बड़ करत

भए कहइ लागेन, "इ मनई तउ पापी मनइयन क अगवानी करत ह अउर ओनके संग जेवंत ह।" 3एँह पइ ईसू ओनका इ दिस्टान्त कथा सुनाएस: 4"मान ल्या तोहमाँ स कउनो क लगे 100 भेड़ अहइँ अउर ओहमाँ स कउनो एक हेराइ जाइ तउ उ का 99 क खुली जगह मँ तजिके हेरान भेड़ क पाछे न धाई जब ताईं उ ओका पाइ न जाइ। 5फिन जब ओका भेड़ मिलि जात ह तउ उ ओका खुसी क साथ आपन काँधे प उठावत ह। 6अउर जब घर लौटत ह तउ आपन मीतन अउर पड़ोसियन क नगिचे बोलॉइके कहत ह, 'मोर संग खुसी मनावा काहेकि मोका हेरान भेड़ मिलि गइ अहइ।' 7मइँ तोहसे कहत हउँ, इहइ तरह कउनो एक क मनफिरावइवाला पापी बरे, ओन 99 धर्मी मनइयन स, जेनका मनफिराव करइ क जरूरत नाहीं, सरगे मँ कहूँ जिआदा खुसी मनाइ जाइ।

8"या सोचि ल्या कउनो स्त्री अहइ जेकरे लगे दस चाँदी क सिक्का बाटेन अउर ओकर एक ठु सिक्का हेराइ जात ह तउ का उ दिया बारिके घरे क तब ताईं न बहारी अउर होसियारी स नाहीं ढूँढ़त रही जब तलक उ ओका न मिलि जाइ? 9अउर जब उ जब ओका पाइ जात ह तउ आपन मीतन अउर पड़ोसियन क लगे बोलॉइके कहत ह, 'मोरे संग खुसी मनावा काहेकि मोर सिक्का जउन हेराइ ग रहा, मिलि गवा।' 10मइँ तोहसे कहत हउँ इ तरह एक पापी बरे जउन मनफिराव ह, परमेस्सर क दूतन क हाजरी मँ हुआँ खुसी मनाइ जाइ।"

### भटक गवा बेटवा क पावइ क दिस्टान्त कथा

11फिन ईसू कहेस, "एक मनई क दुइ बेटवा रहेन। 12तउ छोटका बेटवा आपन बाप स कहेस, 'पिताजी, जउन धन दौलत मोरे हींसा मँ आवइ, ओका मोका दइ द्या!' तउ बाप उन दुइनउँ क आपन धन बाँट दिहेस। 13अबहीं कउनो जिआदा समइ नाहीं बीता रहा, कि छोटका बेटवा आपन समूचा धन दौलत बटोरेस अउर कउनो दूर देस क चला गवा। अउर हुवाँ जंगली क तरह रहत भवा आपन सारा धन बर्बाद कइ डाएस। 14जबहिं ओकर समूचा धन खतम होइ गवा तबहीं उ देस मँ सबहिं कइँती एक ठु भयानक अकाल पड़ि गवा अउर ओका जरूरत क चीजन क कमती पड़इ लाग। 15यह बरे उ देस क कउनो मनई क हिआँ जाइके उ मजूरी करइ लाग। उ ओका आपन खेते मँ सुअर चरावइ पठइ दिहेस। 16हुवाँ उ सोचत साइद कैरब क फरी पेट भरइ बरे मिलि जाइँ जेका सुअरन खात रहेन मुला कउनो ओका एक फरी नाहीं दिहेस। 17फिन जब ओकर होस ठिकाना मँ आइ गवा तउ उ बोला, 'मोरे बाप क लगे केतॅना ही अइसे मजूर अहइँ जेनके लगे खाइ क पाछे भी भोजन बचा रहत ह। अउर मइँ हियाँ भूख स मरत हउँ। 18तउ मइँ हियाँ स उठिके आपन बाप क लगे जाब अउर ओनसे कहब: पिताजी, मइँ परमेस्सर अउर तोहरे खिलाफ पाप किहे हउँ। 19अब अगवा स तोहार बेटवा कहवावइ क जोग्ग नाहीं अहउँ। मोका आपन रोजिन्दा क मजूर क नाईं बनइ ल्या।' 20तउ उ उठिके आपन बाप क लगे चला गवा।

"अबहीं उ जिआदा दूरी प ही रहा कि ओकर बाप ओका निहारेस अउर ओकरे बाप क दाया आइ। तउ दौड़िके उ ओका आपन बाँहे मँ गहियाइ लिहस अउर चूमेस। 21बेटवा बाप स कहेस, 'पिताजी, मइँ तोहरी निगाहे मँ अउर परमेस्सर क खिलाफ पाप किहे हउँ, मइँ अब अउर जिआदा तोहार बेटवा कहवावइ क जोग्ग नाहीं हउँ।' 22मुला बाप आपन नउकरन स कहेस, 'हाली! उत्तिम ओढ़ना निकारि लइ आवा अउर ओनका ऍका पहिरावा। ऍकरे हाथे मँ अँगूठी अउर गोड़वा मँ जूतियाँ पहिरावा। 23कउनो मोट बछवा लइ आइके मारि डावा अउर आवा ओका हम पचे खाइके खुसी मनाईं। 24काहेकि मोर इ बेटवा जउन मरि गवा रहा अब जइसे फिन स जिउ उठा बा। इ हेरॉइ गवा रहा, मुला अब इ मिलि गवा अहइ।' तउ उ पचे खुसी मनावइ लागेन।

25"अब ओकर बड़का बेटवा जउन खेते मँ रहा, जब आवा अउर घरे क लगे पहुँच गवा तउ उ गावइ नाचइ क सुर सुनेस। 26उ आपन एक ठु नउकर क बोलॉइके पूछेस, 'इ सब का होत अहइ?' 27नउकर ओसे कहेस, 'तोर भाई आइ गवा अहइ अउर तोर बाप ओका हिफाजत मँ अउर मोटमर्दी पाइके एक ठु मोट बछवा कटवाएस ह!' 28बड़का भाई कोहाइ गवा, उ भितरे जाइ तलक नाहीं चाहत रहा। तउ ओकर बाप बाहेर आइके ओका समझाएस बुझाएस। 29मुला उ बाप क जवाब दिहस, 'देखा बरिसन स तोहार सेवा मइँ करत रहेउँ। मइँ तोहरे कउनो हुकुम क खिलाफत नाहीं किहेउँ, मुला तू मोका तउ कबहूँ एक बकरी तलक नाहीं दिहा कि मइँ आपन मीतन क संग कउनो खुसी मनाइ सकित। 30मुला जब तोहार इ बेटवा आवा जउन वेस्यन मँ तोहार धन फूँकेस, ओकरे बरे तू मोट बछवा कटवाया।' 31बाप ओसे कहेस, 'मोर बेटवा, तू हमेसा ही मोरे लगे अहा अउर जउन कछू मोरे लगे बा, सब तोहार अहइ। 32मुला हमका खुस होइ चाही अउर जलसा मनावइ चाही काहेकि इ भाई, जउन मरि ग रहा, अब फिन जिन्ना होइ ग अहइ। इ हेराइ ग रहा, अब मिलि गवा बा।'"

### साँच धन

16 फिन ईसू आपन चेलन स कहेस, "एक धनी मनई रहा। ओकर एक प्रबन्धक रहा। उ प्रबन्धक प लांछन लगाइ गवा कि उ ओकर धन दौलत क नासत रहा। 2तउ उ ओका बोलाएस अउर कहेस, 'तोहरे बारे मँ इ मइँ का सुनत रहत हउँ? आपन संरजाम क हिसाब किताब द्या काहेकि अब अगवा तू प्रबन्धक नाहीं रहि

सक्त्या।’ 3एँह पइ प्रबन्धक मन ही मन मँ कहेस, ‘मोर
स्वामी मोसे मोर प्रबन्धक क नउकरी छीनत अहा, तउ
अब मइँ का करउँ? मोहमाँ अब एँतनी ताकत भी नाहीं
बा कि मइँ खेते खोदाई अउर गोंड़ाई क काम तलक
कइ सकउँ। अउर माँगइ मँ तउ मोका लाज आवति
बाटइ। 4ठीक, मोरी समझ मँ आइ गवा कि मोका का
करइ चाही जेहँसे जब मइँ प्रबन्धक क ओहदा स हटाइ
दीन्ह जाउँ तउ मनई आपन घरे मँ मोर सुआगत करइँ।’
5तउ उ स्वामी क हर देनदार क बोलाएस। पहिले मनई
स उ पूछेस, ‘तोहका मोरे स्वामी क केतँना देब अहइ?’
6उ कहेस, ‘3,000 लीटर जैतून क तेल।’ एँह पइ उ ओसे
बोला, ‘इ ल्या आपन बही खाता अउर बैठिके हाली
1,500 लीटर कइ द्या।’ 7फिन उ दूसर स कहेस, ‘अउर
तोह प केतनी देनदारी अहइ?’ उ बताएस, ‘270 क्विंटल
गोहूँ।’ उ ओसे बोला, ‘इ ल्या आपन बही अउर 225
क्विंटल कइ द्या।’

8“एँह प ओकर स्वामी उ बेइमान प्रबन्धक क सराहेस
काहेकि उ होसियारी स काम लिहे रहा। संसारे मँ रहइवाला
मनई आपन जइसे मनइयन स ब्यौहार करइ मँ परमेस्सर
क जोति वाला स जिआदा चालाक अहइ।

9“मइँ तोहसे कहत हउँ संसारे क धन दौलत स
आपन बरे मीत बनावा। काहेकि जब उ धन दौलत
खतम होइ जाइ, उ पचे अनंत निवासे मँ तोहार सुआगत
करिहीं। 10उ सबइ जेनँ पइ तनिक बरे बिसवास कीन्ह
जाइ सकत ह, ओन पइ जिआदा बरे भी बिसवास कीन्ह
जाइ अउर इहइ तरह जउन तनिक बरे बेइमान होइ
सकत हीं उ जिआदा बरे बेइमान होइहीं। 11इ तरह जदि
तू संसारे क धन दौलत बरे तू बिसवासनीय नाहीं रह्या
तउ साँच धने क बारे मँ तोह पइ कउन भरोसा करी?
12जदि जउन कउनो दूसर क अहइ, तू ओकरे बरे
बिसवास क जोग्ग नाहीं, बाट्या, तउ जउन तोहार अहइ,
ओका तोहरा कउन देइ? 13“कउनो भी नउकर दुइ
मालिक क सेवा नाहीं कइ सकत। उ या तो एक स
घिना करी अउर दूसर स पिरेम या उ एक क बरे
न्यौछावर करी अउर दूसर क दुरियाई। तू धने अउर
परमेस्सर दुइनउँ क सेवा एक संग नाहीं कई सकत्या।”

## परमेस्सर क व्यवस्था अटल बा

*(मत्ती 11:12-13)*

14अब फरीसियन जउन धन क लोभी रहेन, जब इ
सब सुनेन तउ उ पचे ईसू क बहोत बुराई किहेन। 15एँह
पइ उ ओनसे कहेस, “तू पचे उ सबइ अहा जउन मनइयन
क इ जताइ देइ चाहत ह कि तू बहोत नीक अहा मुला
परमेस्सर तोहरे मन क जानत ह। मनई जेका बहोत
कीमती समझत हीं, परमेस्सर बरे उ तुच्छ अहइ।

16“यूहन्ना तलक व्यवस्था अउर नबियन क समइ
रहा। ओकरे पाछे परमेस्सर क राज्य क सुसमाचार क
प्रचार होत रहा अउर हर कउनो बड़ी तेजी स एँकर
कइँती हइँचा आवत रहा। 17फिन सरग अउर धरती क
डुग जाब तउ सहल बा मुला व्यवस्था क एक एक बिन्दु
का अमान्य होब नाहीं।

## तलाक अउर दुहेजा बियाह

18“उ हर कउनो जउन आपन पत्नी क तजत ह
अउर दूसर स्त्री क बियाहत ह, व्यभिचार करत ह।
अइसे ही आपन पति स तलाकी गइ, कउनो मनई स
बियाहत ह, उ भी व्यभिचार करत ह।”

## धनी मनई अउर लाजर

19“अब देखा एक मनई रहा जउन बहोत धनी रहा।
उ बैंजनी रंग क ओढ़ना पहिरत रहा अउर हर रोज
अमीरी ठाट बाट स रहत आनन्द लेत रहा। 20हुँवई
लाजर नाउँ क दीन दुखिया ओकरे दुआरे ओलरा रहत
रहा। ओकर देह घाउन स भरि गइ रही। 21उ धनी मनई
क जूठे स ही उ आपन पेटवा भरइ क तरसत रहा।
हिआँ तलक कि कूकुर भी अउतेन अउर ओकरे घाउ
क चाट जातेन। 22अउर फिन अइसा भवा कि उ दीन
हीन मनई मरि गवा। तउ सरगदूतन लइ जाइके ओका
इब्राहीम क गोदी मँ बइठाइ दिहन। फिन उ धनी मनई
भी मरि गवा अउर ओका दफनियावा गवा। 23नरके मँ
तड़पत भवा उ जब आँखी खोलिके लखेस तउ इब्राहीम
ओका बहोत दूर देखाइ गवा मुला लाजर उ ओकरी गोदी
मँ लखेस। 24उ तब्बइ पुकारके कहेस, ‘बाप इब्राहीम,
मोहे प दाया करा अउर लाजर क पठवा कि उ पानी मँ
अगुँरि क नोक बोरिके मोर जीभ ठंढी कइ देइ, काहेकि
मइँ इ आगी मँ तड़पत हउँ!’ 25मुला इब्राहीम बोला, ‘मोर
बेटहना, याद राखा, तू आपन जिन्नगी मँ आपन नीक
चीजन्क पाइ गया मुला लाजर क बुरी चीज मिलि पाइँ।
तउ अब हिआँ उ आनन्द भोगत बा अउर तू दारुण
दुःख। 26अउर इ सब क अलावा हमरे अउर तोहरे बीच
एक बड़की खाई डाइ दीन्ह ग अहइ काहेकि हिआँ स
जदि कउनो तोहरे लगे जाइ चाहइ, उ जाइ नाहीं सकत
अउर हुवाँ स कउनो हिआँ आइ न सकइँ।’ 27उ धनी
मनई कहेस, ‘अइ बाप! मइँ तोहसे पराथना करत हउँ
कि तू लाजर क मोरे बाप क घर पठइ द्या 28काहेकि
मोरे पाँच भाइयन अहइँ। उ ओनका चिताउनी देइ ताकि
ओनका इ दारुण दुःख क ठउर मँ न आवइ क होइ।’
29मुला इब्राहीम कहेस, ‘ओनके लगे मूसा क व्यवस्था
अहइ अउर नबियन क लिखा अहइँ। ओ पचेन क
ओनका सुनइ द्या!’ 30धनी मनई कहेस, ‘नाहीं बाप
इब्राहीम, जदि कउनो मरे हुअन मँ स ओनके लगे जाइ
तउ उ पचे मनफिराव करिहीं।’ 31इब्राहीम ओसे कहेस,
‘जदि उ सबइ मूसा अउर नबियन क नाहीं अनकतेन
तउ, जदि कउनो मरे हुअन मँ स उठिके ओनके लगे

आवइ तउ भी कोउ काम क ना होई, काहेकि उ
ओनका भी न सुनिहीं।'"

17 ईसू आपन चेलन स कहेस, "जेनॅसे मनइयन
भटकत हीं, अइसी बातन तउ होइहीं ही मुला
धिक्कार उ मनई क अहइ जेकरे जरिये उ सबइ होइँ।
2ओकरे बरे जिआदा नीक इ होत कि बजाय ऍकरे कि
उ इन छोटकन मँ स कउनो क पाप करइ क हुस्कारि
देइ, ओकरे गटइया मँ चकरी क पाट टाँगिके ओका
समुद्दर मँ ढकेल दीन्ह जात। 3होसियार रहा!

"जदि तोहार भाई पाप करइ तउ ओका डाटा अउर
जदि उ आपन किहे प पछताइ तउ ओका छमा कइ
द्या। 4अगर हर दिना उ सात दाईं पाप करइ अउर
सातहु दाईं लौटिके तोहसे कहइ कि मोका पछतावा
अहइ तो तू ओका छमा कइ द्या।"

## तोहार बिसवास केतॅना बड़वार अहइ

5ऍह पइ प्रेरितन पर्भू स कहेन, "हमरे बिसवास क
बढ़ोतरी करा!" 6पर्भू कहेस, "जदि तोहमाँ सरसों क
दाना क तरह बिसवास होत तो तू इ सहतूत क बृच्छ स
कहि सकत ह 'उखड़ि जा अउर उ समुद्दर मँ जाइके
लगा।' अउर उ तोहार बात मान लेत।

## उत्तिम सेवकन बनि जा

7"मान ल्या तोहमाँ स कउनो क लगे एक दास
अहइ जउन हर जोतत या भेड़न क चरावत ह। उ जब
खेते स लौटिके आवइ तउ का ओकर स्वामी ओसे
कही, 'तुरन्त आवा अउर खइया क खाइ बैठि जा?'
8मुला बजाय ऍकरे का उ ओसे न कही, 'मोर भोजन
तइयार करा, आपन ओढ़ना पहिरा अउर मोर खात
पिअत क खइया परसा, तबहि ऍकरे पाछे तू भी खाइ पी
सकत ह।' 9का उ आपन हुकुम पूरा करइ प का उ
सेवक क बिसेस धन्यबाद देत ह? नाहीं। 10तोहरे संग भी
अइसा ही अहइ। जउन कछू करइ क तोहसे कहा ग
अहइ, ओका कइ डाए क पाछे तोहका कहइ चाही, 'हम
नालायक दास अही हमका कउन बड़कई न चाही। हम
तउ आपन कर्तब कीन्ह ह।'"

## आभारी रहा

11फिन जब ईसू यरूसलेम जात रहा तउ उ सामरिया
अउर गलील क बीच क चउहद्दी क लगे स निकरा।
12उ जब एक गाउँ मँ जात रहा तबहीं दस कोढ़ी ओका
मिलने। उ सबइ कछू दूरी प खड़ा रहेन। 13उ पचे ऊँच
आवाज मँ बोलेन, "हे ईसू! हे स्वामी! हम प दाया करा!"

14फिन जब उ ओनका लखेस तउ उ बोला, "जा
अउर आपन खुद क याजकन क देखावा।"

उ सबइ जात ही रहेन कि कोढ़ स छुटकारा पाएन।
15मुला ओहमाँ स एक जब इ देखेस कि उ चंगा होइ ग
अहइ, तउ उ वापस लौटा अउर ऊँच आवाज मँ परमेस्सर
क गुन गावइ लाग। 16उ मुँहना धइके ईसू क गोड़वा पर
गिरि गवा अउर ओकर ऍहसान मानेस। (उ एक सामरी
रहा।) 17ईसू ओसे पूछेस, "का सबहिं दस क दसउ कोढ़
स छुटकारा नाहीं पाएन? फिन उ सबइ नौ कहाँ बाटेन?
18का केवल सामरी क तजिके ओहमाँ स कउनो भी
परमेस्सर क स्तुति करइ वापस नाहीं लौटा?" 19फिन
ईसू ओसे कहेस, "खड़ा हवा अउर चला जा, तोहार
बिसवास तोहका चंगा किहेस ह।"

## परमेस्सर क राज्य तोहरे भीतर बा

*(मत्ती 24:23-28, 37:41)*

20एक दाईं जब फरीसियन ईसू स पूछेन, "परमेस्सर
क राज्य कब आई?" तउ उ ओनका जवाब दिहस,
"परमेस्सर क राज्य अइसे परगट होइके नाहीं आवत।
21मनइयन इ न कइहीं, 'उ हिआँ अहइ!' या 'उ हुवाँ
अहइ!' काहेकि परमेस्सर क राज्य तउ तोहरे भीतर ही
अहइ।"

22मुला चेलन उ बोलाएस, "अइसा समइ आइ जब
तू मनई क पूत क दिनन मँ स एक दिन क भी तरसब्या
मुला, ओका नलख पउब्या। 23अउर मनइयन तोहसे
कइहीं, 'देखा, हिआँ!' या 'देखा, हुवाँ!' तू हुवाँ जिन जा या
ओकर पाछे जिन जा।

## जब ईसू लौटी

24"वइसे ही जइसे बिजुरी चमकिके एक छोर स
दूसर छोर मँ चमकत ह, वइसे ही मनई क पूत भी
आपन दिन मँ परगट होइ। 25मुला ओका पहिले बहोत स
दारुण दुःख झेलइ क होइ अउर इ पीढ़ी क जरिए उ
जरूर ही न मान्न होइ। 26वइसे ही जइसे नूह क दिनन मँ
भवा रहा, मनई क पूत क दिनन मँ भी होइ। 27उ दिना
तलक जब नूह नाउ मँ बइठा, मनई खात पिअत रहेन,
बियाह करत रहेन, अउर बियाह मँ दीन्ह जात रहेन।
फिन जल परलइ आइ अउर उ सबन क नास कइ
दिहस। 28इहइ तरह होइ जइसे लूत क दिना मँ भी भवा
रहा। मनइयन खात पिअत रहेन, बेसहत रहेन, बेचत
रहेन अउर खेती अउर घर बनवत रहेन। 29मुला उ
दिन जब लूत सदोम स बाहेर निकरा तउ अकास स
आगी अउर गंधक बरसइ लाग अउर उ सबइ बर्बाद होइ
गएन। 30उ दिना भी जब मनई क पूत परगट होइ, ठीक
अइसे ही होइ।

31"उ दिन जदि कउनो मनई छते प होइ अउर
ओकर सामान घरे क भीतर होइ तउ ओका उठावइ
बरे तरखाले न उतरइ। इहइ तरह जदि कउनो मनई
खेते मँ होइ तउ उ पाछे न लौटइ। 32लूत क पत्नी क
याद करा, 33जउन कउनो आपन जिन्नगी बचावइ क
जतन करी, उ ओका खोइ देइ अउर जउन आपन

जिन्नगी खोइ, उ ओका बचाइ लेइ। 34मइँ तोहका बतावत
हउँ, उ राति एक खटिया प जउन दुइ मनई होइहीं,
ओहमाँ स एक उठाइ लीन्ह जाइ अउर दूसर छोर दीन्ह
जाइ। 35दुइ स्त्रियन एक संग चकरी चलावत होइहीं,
ओहमाँ स एक उठाइ लीन्ह जाइ अउर दूसर स्त्री छोर
दीन्ह आइ।" 36*

37फिन ईसू क चेलन ओसे पूछेन, "हे पर्भू, अइसा
कहाँ होइ?"

उ ओनसे कहेस, "जहाँ ल्हास पड़ी होइ, गिद्ध भी
हुवँइ एकट्ठा होइहीं।"

### परमेस्सर आपन मनइयन क जरूर सुनी

18 फिन ईसू चेलन क इ बतावइ बरे एक दिस्टान्त
कथा सुनाएस कि उ पचे लगातार पराथना करत
रहइँ अउर निरास न होइँ। उ इ दिस्टान्त कथा कहेस:
2"कउनो सहर मँ एक न्यायाधीस होत रहा। उ न तो
परमेस्सर स डेरात रहा अउर न ही मनइयन क परवाह
करत रहा। 3उहइ सहर मँ, अब लखा एक ठु विधवा भी
रहत रही। अउर उ ओनके लगे बार बार आवत अउर
कहत, 'देखा, मोरे बरे कीन्ह गवा अनिआउ क खिलाफ
निआउ मिलइ चाही!' 4तउ एक लम्बा समइ तलक तउ
उ न्यायाधीस नाहीं चाहत रहा मुल आखिर मँ उ आपन
मने मँ सोचेस, 'चाहे मइँ परमेस्सर स न डेरात हउँ अउर
न मनइयन क परवाह करत हउँ। 5तउ भी काहेकि इ
विधवा स मोर कान पक ग अहइँ तउ मइँ देखिहउँ कि
ओका निआउ मिलि जाइ जेहसे इ मोरे लगे कइउ दाइँ
आइके कहूँ मोरे नाक मँ दम करि देइ!'"

6फिन पर्भू कहेस, "देखा! उ दुस्ट न्यायाधीस का
कहे रहा। 7तउ का परमेस्सर आपन चुना भए मनइयन
प धियान न देइ कि ओनका, जउन ओका राति दिन
टेरत हीं, निआव मिलइ? का उ ओनकइ मदद करइ मँ
देर लगाई? 8मइँ तोहसे कहत हउँ कि उ ओनका जल्दी
निआव देई। फिन भी जब मनई क पूत आइ तउ का उ
धरती प बिसवास पाई?"

### दीन होइके परमेस्सर क आराधना

9फिन ईसू ओन मनइयन बरे जउन आपन क नेक
तउ मानत रहेन, अउर कउनो क कछू नाहीं समझतेन,
इ दिस्टान्त कथा सुनाएस। 10"मंदिर मँ दुइ मनई पराथना
करत रहेन, एक फरीसी रहा अउर दूसर चुंगी (टिक्स)
क उगहिया। 11उ फरीसी अलग खड़ा होइके इ पराथना
करइ लाग, 'हे परमेस्सर मइँ तोहार धन्यबाद करत हउँ
कि मइँ दूसर मनइयन जउन डाकू, ठग अउर व्यभिचार
नाहीं हउँ अउर न ही इ चुंगी उगहिया जइसा हउँ। 12मइँ
हफ्ता मँ दुइ दाईं उपास राखत हउँ अउर आपन समूची
आमदनी क दसवाँ हींसा दान मँ दइ देत हउँ।'

13"मुला उ चुंगी उगहिया जउन दूर खड़ा रहा अउर
हिआँ तलक कि सरगे कइँती आपन आँखिन उठाइके
नाहीं लखत रहा, आपन छतिया पीटत भवा बोला, 'हे
परमेस्सर, मोहे पापी प द्या कर!' 14मइँ तोहका बतावत
हउँ, इहइ मनई धर्मी कहवाइके आपन घरे लौट गवा, न
कि उ दूसर। काहेकि हर उ मनई जउन आपन खुद क
बड़का समझी, ओका छोटका बनइ दीन्ह जाइ अउर
जउन दीन मानी, ओका बड़का बनइ दीन्ह जाइ।"

### गदेलन परमेस्सर क सच्चा हकदार अहइँ

*(मत्ती 19:13-15 मरकुस 10:13-16)*

15मनई आपन गदेलन तलक ईसू क लगे लइ आवत
रहेन कि उ ओनका छू भरि देइ। मुला जब ओकर
चेलन इ लखेन तउ ओनका झड़पेन। 16मुला ईसू गदेलन
क लगे बोलाएस अउर चेलन स कहेस, "इ नान्ह गदेलन
क मोरे लगे आवइ द्या, एँनका जिन रोका, काहेकि
परमेस्सर क राज्य अइसन क अहइ। 17मइँ सच कहत
हउँ कि जउन परमेस्सर क राज्य इ गदेलन क नाईं
ग्रहण नाहीं करत ह, ओहमाँ कबहुँ घुसि न पाई!"

### एक धनी मनई क ईसू स सवाल

*(मत्ती 19:16-30 मरकुस 10:17-31)*

18फिन कउनो यहूदी नेता ईसू स पूछेस, "उत्तिम
गुरु, अनन्त जीवन क हक पावइ बरे मोका का करइ
चाही?" 19ईसू ओसे कहेस, "तू मोका उत्तिम काहे कहत
अहा? सिरिफ परमेस्सर क तजिके अउर कउनो भी
उत्तिम नाहीं अहइ। 20तू परमेस्सर क हुकुम क तो
जानत अहा: 'व्यभिचार जिन करा, कतल जिन करा,
चोरी जिन करा, झूठी साच्छी जिन द्या, आपन बाप
अउर महतारी क आदर करा।'*"

21उ यहूदी नेता बोला, "मइँ इन बातन क आपन
लरिकाई स मानत आवा हउँ!"

22ईसू जब इ सुनेस तउ उ ओसे बोला, "अबहीं एक
बात अहइ जेकर तोहमाँ कमी अहइ। तोहरे लगे जउन
कछू अहइ, सब कछू क बेंचि डावा अउर फिन जउन
मिलइ, ओका गरीबन मँ बाँटा। एँहसे तोहका सरगे मँ
भण्डारा मिली। फिन आवा अउर मोरे पाछे होइ जा।"
23तउ जब यहूदी नेता सुनेस तउ उ बहोत दुःखी भवा,
काहेकि उ बहुत अमीर रहा।

24ईसू जब ई देखेस कि उ बहोत दुःखी अहइ तउ उ
कहेस, "ओन मनइयन बरे जेनके लगे धन वा, परमेस्सर
क राज्य मँ घुसि पाउब केतँना मुस्किल अहइ! 25हाँ,

**पद 36** कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 36 जोड़ा गया अहइ: "दुइ ठु पुरुसन जउन खेतवा मँ होइहीं, ओहमाँ स एक उठाइ लीन्ह जाइ अउ दूसर छोड़ दीन्ह जाइ।"

**'व्यभिचार ... करा'** निर्ग 20:12-16; व्यवस्था 5:16-20

कउनो ऊँट बरे सुई क नोंक स निकरि जाब तउ सहज
बा मुला कउनो धनी मनई क परमेस्सर क राज्य मँ घुस
पाउब सहल नाहीं अहइ!"

## केकर उद्धार होइ?

26उ मनइयन जउन इ सुनेन, बोलेन, "फिन भला
उद्धार केकर होइ?"
27ईसू कहेस, "उ बातन जउन मनइयन बरे नाहीं
होइ सकतीं, परमेस्सर बरे होइ सकत हीं!"
28फिन पतरस कहेस, "देखा, तोहरे पाछे चलइ बरे
हम उ सब कछू तजि दीन्ह ह जउन हमरे पास रहा!"
29तब ईसू ओनसे बोला, "मइँ तोहसे सच कहत हउँ,
अइसा कउनो नाहीं जउन परमेस्सर क राज्य बरे घर-बार,
पत्नी या भाइयन या महतारी बाप या संतान क तजि दिहे
होइ, 30अउर ओका इहइ जुग मँ कइउ कइउ गुना
जिआदा न मिलइ अउर आवइवाला समइ मँ उ अनन्त
जीवन क न पाइ जाइ।"

## ईसू मरिके जी उठी

*(मत्ती 20:17-19; मरकुस 10:32-34)*

31फिन ईसू ओन बारहु क एक कइँती लइ जाइके
ओनसे बोला, "सुना, हम यरूसलेम जात अही। मनई क
पूत क बारे मँ नबियन क जरिये जउन कछू लिखा गवा
अहइ, उ पूर होइ। 32हाँ, उ गैर यहूदियन क सौंप दीन्ह
जाइ, ओकर मसखरी उड़ाइ जाइ, उ कोसा जाइ अउर
ओह पइ थूक दीन्ह जाइ। 33फिन उ सबइ ओका पिटिहीं
अउर मारि डइहीं अउर तीसर दिन फिन जी जाई।"
34एहमाँ स कउनो भी बात उ सबइ नाहीं समुझ सकेन।
इ कहब ओनसे छुपा ही रहि गवा कि उ कउने बारे मँ
बतावत रहा।

## आँधर क आँखिन

*(मत्ती 20:29-34; मरकुस 10:46-52)*

35ईसू जब यरीहो क लगे पहुँचा रहा तउ भीख
माँगत भवा एक आँधर, हुवँई राह किनारे बइठा रहा।
36आँधर जब मनइयन क जाइ क आवाज सुनेस तउ उ
पूछेस, "का होत अहइ?"
37तउ मनइयन ओसे कहेन, "नासरत क ईसू हिआँ
स जात अहइ।"
38तउ आँधर इ कहत भवा पुकार उठा, "दाऊद क
पूत, ईसू। मोहे प द्या करा!"
39उ जउन अगवा चलत रहेन उ पचे ओसे खमोस
रहइ क कहेन, मुला उ अउर जिआदा पुकारइ लाग,
"दाऊद क पूत मोहे प द्या करा!"
40ईसू थम गवा अउर उ हुकुम दिहेस कि आँधर क
ओकरे लगे लइ आवा जाइ! तउ जब उ नगिचे आवा तउ
ईसू ओसे पूछेस, 41"तू का चाहत ह? मइँ तोहरे बरे का
करउँ?" उ कहेस, "पर्भू, मइँ फिन स देखइ चाहत हउँ।"
42एँह पइ ईसू कहेस, "तोहका जोति मिलइ, तोहार बिसवास
स तोहार उद्धार भवा ह।"
43अउर फउरन ही ओका आँखिन मिल गइन। उ
परमेस्सर क महिमा क बखान करत भवा ईसू क पाछे
होइ गवा। जब सब मनइयन इ देखेन तउ उ पचे परमेस्सर
क स्तुति करइ लागेन।

## जक्कई

19 फिन ईसू यरीहो मँ घुसिके जब हुवाँ स जात रहा।
2तो हुवाँ जक्कई नाउँ क एक मनई भी हाजिर
रहा। उ चुंगी (टिक्स) उगहियन मुखिया रहा। तउ उ
बहोत धनी रहा। 3उ इ देखइ क जतन करत रहा कि
ईसू कउन अहइ, मुला भिड़िया क कारण उ देख नाहीं
पावत रहा काहेकि ओकर कद छोटवार रहा। 4तउ उ
सबन क अगवा धावत भवा एक ठु गुलरी क बृच्छ प
जाइ चढ़ा जेहसे, उ ओका निहारि सकइ काहेकि ईसू क
उहइ रास्ता स होइके निकरइ क रहा। 5फिन जब ईसू
उ ठउरे प आवा तउ उ ऊपर लखत भवा जक्कई स
कहेस, "जक्कई, हाली स नीचे उतरि आवा काहेकि
मोका आजु तोहरे ही घरे प रुकइ चाही।"
6तउ उ तड़फड़ नीचे उतरिके खुसी क संग ओकर
अगवानी किहेस। 7जब सबहिं मनइयन इ लखेन तउ उ
पचे बड़बड़ाइ लागेन अउर बोलेन, "अरे इ एक पापी क
घर मेहमान बनइ जात अहइ।"
8मुला जक्कई खड़ा भवा अउर पर्भू स बोला, "हे
पर्भू, देखा, मइँ आपन सारी धन दौलत क आधा हींसा
गरीब गुरबन क दइ देब अउर जदि मइँ कउनो क छल
कइके कछू भी छीना ह तउ ओका चौगुना कइके
लौटाइ देब!"
9ईसू ओसे कहेस, "इ घरे प आज उद्धार आइ गवा
ह, काहेकि इ मनई भी इब्राहीम क ही संतान अहइ!
10काहेकि मनई क पूत भी जउन कउनो हेराइ गवा
अहइ, ओका ढूँढ़इ अउर ओकर उद्धार करइ आवा
ह।"

## परमेस्सर जउन देत ह ओका बैपरा

*(मत्ती 25:14-30)*

11जब उ मनइयन इ बातन क सुनत रहेन तउ ईसू
ओनका एक दिस्टान्त कथा सुनाएस काहेकि ईसू यरूसलेम
क नगिचे रहा अउर उ पचे सोचत रहेन कि परमेस्सर
क राज्य तुरंत ही परगट होइ जात अहइ। 12तउ ईसू
कहेस, "एक ऊँच कुल क मनई राजा क पद पावइ बरे
कउनो परदेस मँ गवा। 13तउ उ आपन दस नउकरन क
बोलाएस अउर ओनमाँ स हर एक क एक एक थैली
दिहस अउर ओनसे कहेस, 'जब ताईं मइँ लौटउँ, एँसे
कउनो बियापार करा।' 14मुला सहर क दूसर मनई

ओसे घिना करत रहेन, यह बरे उ पचे ओकर पाछे इ
कहइ क एक प्रतिनिधि मण्डत पठएस, ‘हम नाहीं चाहित
कि इ मनई हम पइ राज करइ!’

15“मुला उ राजा क पदवी पाइ गवा। फिन जब उ
वापस लौटा तउ जउन नउकरन क उ धन दिहे रहा
ओनका इ जानइ बरे कि उ सबइ कउन लाभ कमाइ
लिहन ह, उ बोलॉवा पठएस। 16पहिला आइ अउर बोला,
‘स्वामी, तोहार थैलियन स मइँ दस अउर थैली कमाउँ
ह!’ 17एँह पइ ओकर स्वामी ओसे कहेस, ‘उत्तिम नउकर
तू नीक किहा ह। काहेकि तू इ छोटकी सी बात प
बिसवास क जोग्ग रहा। तू दस सहरन क अधिकारी
होब्या!’ 18फिन दूसर नउकर आवा अउर बोला, ‘स्वामी
तोर थैलियन स मइँ पाँच अउर थैली कमायउँ ह!’
19फिन उ एँसे कहेस, ‘तू पाँच सहरन क ऊपर राज
करब्य!’ 20फिन एक दूसर नउकर आवा अउर बोला,
‘स्वामी इ रही तोहार थैली जेका मइँ अँगौछा मँ बाँधिके
कहूँ रख दिहे रहेउँ। 21मइँ तोहसे डेरात रहत हउँ, काहेकि
तू, एक कठोर मनई अहा। तू जउन रख्या नाहीं ह तू
ओका भी लइ लेत ह अउर जउन तू बोया नाहीं ओका
काटत ह!’ 22मालिक ओसे कहेस, ‘अरे दुस्ट नउकर!
मइँ तोहरे आपन सब्दन क ऊपर तोहार निआव करब।
तू तो जानत ही ह कि मइँ जउन राखत नाहीं हउँ, ओका
भी लइ लेइवाला अउर जउन बोवत नाहीं ओका भी
काटइवाला कठोर मनई हउँ? 23तउ फिन तू मोर धन
बियाज प काहे नाहीं लगाया ताकि मइँ अबहुँ वापस
आवत होतउँ तउ बियाज क साथ ओका लइ लेतउँ।’
24फिन लगे खड़ा मनइयन स उ कहेस, ‘एँकर थैली एँसे
लइ ल्या अउर जेकरे लगे दस थैली अहइँ ओका दइ
द्या।’ 25एँह पइ उ सबइ ओसे बोलेन, ‘मालिक, ओकरे
लगे तउ दस थैली अहइँ!’ 26मालिक कहेस, ‘मइँ तोहसे
कहत हउँ हर एक उ मनई क जेकरे लगे अहइ अउर
जिआदा दीन्ह जाइ अउर जेकरे पास नाहीं अहइ, ओसे
जउन ओकरे लगे अहइ, उ भी छीन लीन्ह जाइ। 27मुला
मोर उ बैरी जउन नाहीं चाहतेन कि मइँ ओन पइ
हुकूमत करउँ जेनका हिआँ मोरे समन्वा लावा अउर
मारि डावा।’”

## ईसू क यरूसलेम मँ घुसब

*(मत्ती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; यूहन्ना 12:12-19)*

28इ बातन कहि चुके क पाछे ईसू अगवा चलत
भवा यरूसलेम कइँती बढ़इ लाग। 29अउर फिन जब उ
बैतफगे अउर बैतनिय्याह मँ उ पहाड़ी क नगिचे पहुँचा
जउन जैतून क पर्वतन कही जात रहीं तउ उ आपन दुइ
चेलन क इ कहिके पठएस कि 30“इ जउन गाउँ तोहरे
समन्वा अहइ, हुवाँ जा। जइसे ही तू हुवाँ घुसब्या, तोहका
गदही क बच्चा हुवाँ बाँधा भवा मिली। जेहँ पइ कउनो
कबहूँ सवारी नाहीं किहे होइ, ओका खोलिके हिआँ
लिआवा। 31अउर जदि कउनो तोहसे पूछइ तू एँका काहे
खोलत अहा, तो तोहका ओसे इ कहब अहइ, ‘पर्भू क
चाही।’” 32फिन जेनका पठवा ग रहा, उ पचे गएन
अउर ईसू जइसा ओनका बताए रहा, ओनका बइसा ही
मिला। 33तउ जब उ सबइ बचवा क खोलत ही रहेन,
ओकर मालिक लोगन ओनसे पूछेन, “तू इ बचवा क
काहे खोलत बाट्या?” 34उ पचे कहेन, “इ पर्भू क
चाही।” 35फिन उ पचे ओका ईसू क लगे लइ आएन। उ
पचे आपन ओढ़ना उ बच्चा प ओढ़ाइ दिहेन अउर ईसू
क ओह पइ बइठाइ दिहन। 36ईसू जब जात रहा तउ
मनइयन आपन ओढ़ना सड़क पइ बिछावत जात रहेन।

37अउर फिन जब उ जैतून क पर्वतन स तलहटी क
लगे आवा तउ चेलन क समूची भीड़ ओन सबहिं अजूबा
कामे बरे, जउन उ पचे लखे रहेन, ऊँच आवाज मँ खुसी
स परमेस्सर क स्तुति करइ लागेन। उ पचे पुकारेन:

38 “‘राजा उ धन्य अहइ, आवत ह जउन नाउँ मँ
पर्भू (परमेस्सर) क!
*भजन संहिता 118:26*

सरगे मँ सान्ति होइ, अउर अकास मँ महिमा
होइ परमेस्सर क!”

39भिड़िया मँ खड़ा भएन कछू फरीसियन ओसे कहेन,
“गुरु, चेलन क मना करा!”

40तउ उ जवाब दिहस, “मइँ तोहसे कहत हउँ जदि इ
सबइ खमोस होइ जाइँ तउ इ सबइ पाथर चिचियइहीं।”

41जब उ नगिचे आइके सहर क लखेस तउ उ ओह
प रोइ पड़ा। 42अउर बोला, “जदि तू बस आजु इहइ
जानत होत्या कि कउन तोहका सान्ति देइ मुला अब उ
तोहरी आँखी स ओझर होइ गवा बा। 43उ दिनन तोहे प
अइहीं जब तोहरे बैरी चारिहुँ कइँती अड़चन खड़ी कइ
देइहीं। उ सबइ तोहका घेरि लेइहीं अउर सब कइँती स
तोह पइ दबाव डइहीं। 44उ सबइ तोहका धूरी मँ मिलइहीं।
तोहका अउर तोहरे दीवार क भीतर रहइवालन गदेलन
क। तोहरी चहरदीवारे क भीतर उ सबइ तोहरे मकाने
क एक पथरा भी ना छोड़िहइँ। काहेकि जब परमेस्सर
तोहरे लगे आइ, तू उ घड़ी क नाहीं पहिचान्या।”

## ईसू मंदिर मँ

*(मत्ती 21:12-17; मरकुस 11:15-19 यूहन्ना 2:13-22)*

45फिन ईसू मंदिर मँ घुसा अउर जउन हुवाँ दुकानदारी
करत रहेन ओनका बाहेर निकारइ लाग। 46उ ओनसे
कहेस, “पवित्तर सास्तर मँ लिखा ग अहइ , ‘मोर घर
पराथना घर होइ।’* मुला तू पचे एँका ‘डाकुअन क

---

**‘मोर … होइ’** यसा 56:7

अड्डा'* बनए अहा।" [47]अब तो हर दिन मंदिर मँ उपदेस देइ लाग। मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन अउर मुखिया मनइयन ओका मार डावइ क ताकि मँ रहइ लागेन। [48]मुला ओनका अइसा कइ डावइ क कउनो अउसर न मिल पावा काहेकि मनइयन ओकरे बचन क बहोत मान्नता देत रहेन।

## ईसू स यहूदियन क सवाल

*(मत्ती 21:23-27; मरकुस 11:27-33)*

20 एक दिन जब ईसू मंदिर मँ मनइयन क उपदेस देत भवा सुसमाचार सुनावत रहा तउ मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन, बुजुर्ग यहूदी नेतन क संग ओकरे लगे आएन। [2]उ पचे ओसे पूछेन, "हमका बतावा तू इ काम कउनो अधिकार स करत अहा? उ कउन अहइ जउन तोहका इ अधिकार दिहे अहइ?"

[3]ईसू ओनका जवाब दिहस, "मइँ भी तोहसे एक सवाल पूछत हउँ, तू मोका बतावा [4]यूहन्ना क बपतिस्मा देइ क अधिकार सरग स मिला रहा या मनई स?"

[5]एँह पइ आपुस मँ बिचार क चर्चा करत भवा उ पचे बोलेन, "जदि हम कहित ह, 'सरग स' तउ इ कही, 'तउ तू ओह प बिसवास काहे नाहीं किहा?' [6]अउर अगर हम कही, 'मनई स' तउ सबहीं मनई हम पइ पाथर फेंकिहीं। काहेकि उ सबइ इ मानत हीं कि यूहन्ना एक नबी रहा।" [7]तउ उ सबइ जवाब दिहेन कि उ पचे नाहीं जानतेन कि उ अधिकार कहाँ स मिला। [8]फिन ईसू ओनसे कहेस, "तउ मइँ भी तोहका नाहीं बताउब कि इ चीज मइँ कउनो अधिकारे स करत हउँ!"

## परमेस्सर आपन पूत क पठवत ह

*(मत्ती 21:33-46; मरकुस 12:1-12)*

[9]फिन ईसू मनइयन स आपन दिस्टांत कथा कहइ लाग: "कउनो मनई अंगूरे क बगिया लगाइके ओका कछू किसानन क लगाने प दिहस अउर उ बहोत दिना तक कहूँ चला गवा। [10]जब फसल काटइ क समइ आइ, तउ उ एक नउकर क किसानन क लगे पठएस ताकि उ पचे ओका अंगूरे क बगिया क कछू फल दइ देइँ। मुला किसानन ओका मार पीटिके खाली हाथ लौटाइ दिहन। [11]उ तब एक नउकर हुवाँ पठएस। मुला उ पचे ओकर ठोंकाइ कइ डाएन। उ सबइ ओकरे संग बहोत बुरा ब्यौहार किहेन। अउर ओका भी खाली हाथे लौटाइ दिहन। [12]एँह पइ उ एक तिसरा नउकर पठएस मुला उ पचे एक भी घायल कइके बाहेर ढकेल दिहन। [13]तब तउ बगिया क मालिक कहइ लाग, 'मोका का करइ चाही? मइँ आपन पियारे बेटवा क पठउब साइद वे ओकर इज्जत करिहइँ!"

[14]मुला किसानन जब ओकरे बेटवा का लखेन तउ आपुस मँ सोच बिचारि करत भए बोलेन, 'इ तउ वारिस अहइ, आवा एँका मारि डाइ जेहसे वारिस हमार होइ जाइ!' [15]अउर उ पचे ओका बगिया स बाहेर खदेरके मारि डाएन।

"तउ फिन बगिया क मालिक ओनके संग का करी? [16]उ आइ अउर ओन किसानन क मारि डाई अउर अंगूरे क बगिया अउरन क सौंपि देइ।" उ पचे जब इ सुनेन तउ उ सबइ बोलेन, "अइसा कबहूँ न होइ चाही!"

[17]तब ईसू ओनकइ कइँती निहारत भवा कहेस, "तउ फिन इ जउन लिखा अहइ ओकर अरथ का अहइ:

'जउने पाथर क राजगीर बेकार समझ लिहे
रहेन उहइ कोनवा क प्रमुख पाथर बन गवा'?
*भजन संहिता 118:22*

[18]हर कउनो जउन उ पाथर प गिरी चूर चूर होइ जाइ अउर जेहँ पइ उ गिरी चकनाचूर होइ जाइ!"

[19]धरम सास्तिरियन अउर मुख्ययाजकन कउनो रस्ता ढूँढिके ओका पकड़ि लेइ चाहत रहेन काहेकि उ ताड़ ग रहेन कि उ इ दिस्टान्त कथा ओनके खिलाफ कहेस ह। मुला उ पचे मनइयन स डेरात रहेन।

## यहूदी नेतन क चाल

*(मत्ती 22:15-22; मरकुस 12:13-17)*

[20]तउ उ पचे होसियारी स ओह प निगाह राखइ लागेन। उ पचे अइसे खुफिया पठएन जउन ईमानदार होइ क सुआंग रचत रहेन। (ताकि उ सबइ ओकर कही भइ कउनो बातन मँ फँसाइके राज्यपाल क सक्ती अ अधिकारे क मातहत कर देइँ।) [21]तउ उ पचे ओसे पूछत भए कहेन, "गुरु, हम जानित ह कि जउन नीक अहइ अउर उहइ क तू कहत अउर उपदेस देत अहा अउर न ही कउनो क पच्छ लेत ह। मुला तू सचाई स परमेस्सर क रास्ता क उपदेस देत अहा। [22]तउ बतावा कैसर क हमका चुंगी (टिक्स) देब नीक बा या नाहीं चुकाउब?"

[23]ईसू ओनकइ चाल क ताड़ गवा रहा। तउ उ ओनसे कहेस, [24]"मोका एक दीनार देखावा, एँह पइ मूरति अउर लिखाइ केकर अहइ?"

उ सबइ कहेन, "कैसर क।"

[25]एँह पइ उ ओनसे बोला, "तउ फिन जउन कैसर क अहइ, ओका कैसर क द्या। अउर जउन परमेस्सर क अहइ ओका परमेस्सर क।"

[26]उ पचे ओकरे जवाबे प चकित होइके चुप रहि गएन अउर उ मनइयन क समन्वा जउन कछू कहे रहा, ओह पइ ओका पकड़ नाहीं पाएन।

---

**'डाकुअन ... अड्डा'** यिर्म 7:11

## ईसू क धरइ बरे सदूकियन क चाल

*(मत्ती 22:23-33; मरकुस 12:18-27)*

27अब देखा कछू सदूकियन ओकरे लगे आएन। (इ सबइ सदूकियन उ रहेन जउन फिन स जी उठब का नाहीं मनतेन।) उ पचे ओसे पूछत भए कहेन, 28"गुरु, मूसा हमरे बरे लिखा बा कि जदि कउनो क भाई मरि जाइ अउर ओकरे कउनो बचवा न होइ अउर ओकर पत्नी होइ तउ ओकर भाई विधवा स बियाहिके आपन मरे भए भाई बरे, ओसे संतान पइदा करइ। 29अब देखा, सात भाइयन रहेन। पहिला भाइ कउनो स्त्री स बियाह किहेस अउर उ बे संतान क ही मरि गवा। 30फिन दूसर भाई ओसे बियाहा, 31अउर अइसे ही तीसर भाई ओसे बियाहा। सबन क संग एक जइसा ही भवा। उपचे बे संताने क मर गएन। 32पाछे उ स्त्री भी मरि गइ। 33अब बतावा, फिन स जी उठे प उ केकर पत्नी होइ काहेकि ओसे तउ सातहु ही बियाहे रहेन?" 34तब ईसू ओसे कहेस, "इ जुग क मनई बियाह करत हीं अउर बियाह कइके बिदा होत हीं। 35मुला उ मनइयन जउन मरे भएन मँ स जी जाइ बरे अउर आवइवाले जुग मँ भाग लेइ क जोग्य ठहराइ दीन्ह ग अहइँ, उ पचे न तउ बियाह करिहीं अउर न ही बियाह कइके बिदा कीन्ह जइहीं। 36अउर उ फिन कबहुँ मरिहीं भी नाहीं, काहेकि उ पचे सरगदूतन क नाई अहइँ, उ पचे परमेस्सर क संतान अहइँ काहेकि उ पचे पुनरुत्थान क पूत अहइँ। 37मुला तलक झाड़ी स जुड़ा भवा अनुच्छेद मँ देखाएस ह कि उ पचे मरे भएन मँ स जिआवा ग अहइँ, जबकि उ कहेस पर्भू, 'इब्राहीम क परमेस्सर, इसहाक क परमेस्सर अउर याकूब क परमेस्सर' अहइ।* 38उ मरे भएन क नाहीं, मुला जिअत क परमेस्सर अहइ। उ सबइ मनइयन जउन ओकर अहइँ, जिआ अहइँ।"

39कछू धरम सास्तिरियन कहेन, "गुरु, नीक कह्या।" 40काहेकि फिन ओसे कउनो अउर सवाल पूछइ क हिम्मत नाहीं कइ सकेन।

## मसीह का दाऊद क पूत अहइ?

*(मत्ती 22:41-46; मरकुस 12:35-37)*

41ईसू ओसे कहेस, "उ पचे कहत हीं कि मसीह दाऊद क पूत अहइ। इ कइसे होइ सकत ह? 42काहेकि भजन संहिता क किताब मँ दाऊद खुद कहत ह:

'पर्भू (परमेस्सर) मोरे पर्भू (मसीह) स कहेस:
मोरे दाहिन हाथ बइठा,
43 जब तलक कि मइँ तोहरे बैरियन क तोहरे
गोड़ धरइ क चउकी न बनाइ देउँ।
*भजन संहिता 110:1*

44इ तरह जब दाऊद मसीह क 'पर्भू' कहत ह तउ मसीह दाऊद क पूत कइसे होइ सकत ह?"

## धरम सास्तिरियन क खिलाफ ईसू क चिताउनी

*(मत्ती 23:1-36; मरकुस 12:38-40 लूका 11:37-54)*

45सबहीं मनइयन क सुनत उ आपन मनवइयन स कहेस, 46"धरम सास्तिरियन स होसियार रहा। उ लम्बा चोगा पहिरिके इज्जत क संग बाजारन मँ सुआगत सम्मान पावइ चाहत हीं। अउर आराधनालय मँ ओनका सबस जिआदा प्रमुख आसन क ललक रहत ह। दाउतन मँ उ सबइ इज्जत स भरा आसन चाहत हीं। 47उ पचे विधवन क अकसर धोखा देत हीं अउर ओनकर मकान लइ लेत हीं। देखॉवा बरे उ पचे बड़ी बड़ी पराथना करत हीं। इन मनइयन क कड़ी स कड़ी सजा भुगुतइ पड़ी।"

## सच्चा दान

*(मत्ती 12:41-44)*

21 ईसू आपन अँखिया उठाइके देखेस कि धनी लोग दान पात्र मँ आपन आपन भेंट चढ़ावत अहइँ। 2तबहीं उ एक गरीब विधवा क ओहमाँ ताँबे क दुइ नान्ह सिक्का नावत भइ लखेस। 3उ कहेस, "मइँ तोहसे सच कहत हूँ कि दूसर सबहीं मनइयन स इ विधवा जिआदा दान दिहेस ह। 4इ मइँ ह बरे कहत हउँ काहेकि इ सबहीं मनइयन आपन उ धने मँ स जेकर ओनका जरूरत नाहीं रही, दान दिहे रहेन मुला इ विधवा गरीब होत भइ जिन्ना रहइ बरे जउन कछू ओकरे लगे रहा, सब कछू दइ डाएस।"

## मंदिर क बिनास

*(मत्ती 24:1-14; मरकुस 13:1-13)*

5कछू चेलन मंदिर क बारे मँ बतियात रहेन कि उ मंदिर सुन्नर पथरन अउर परमेस्सर की दीन्ह गइ मनौती क भेंट स कइसे सजाना ग बा!

6तबहीं ईसू कहेस, "अइसा समइ आइ जब, इ जउन कछू तू देखत अहा, ओहमाँ एक पाथर दूसर पाथर टिक न रह पाइ। उ सबइ ढहाइ दीन्ह जइहीं!"

7उ पचे ओसे पूछत भए बोलेन, "गुरु, इ बातन कब होइहीं? अउर इ बातन जउन होइवाली अहइँ, ओकर कउन चीन्हा होइहीं?"

8ईसू कहेस, "होसियार रहा, कहूँ कउनो तोहका छल न लेइ। काहेकि मोरे नाउँ स बहोत मनइयन अइहीं अउर कइहीं, 'मइँ मसीह अहउँ' अउर 'समइ आइ पहुँचा अहइ!' ओनके पाछे जिन जा। 9परन्तु जब तू जुद्ध अउर दंगा क बात सुना तउ जिन डेराअ काहेकि इ बातन तउ पहिले घटि जइहीं। अउर ओनकइ अंत फउरन न होइ।" 10उ ओनसे फिन कहेस, "एक जाति दूसर जाति क खिलाफ खड़ी होइ अउर एक राज्य दूसर राज्य

---

**'इब्राहीम ... अहइ'** निर्ग 3:6

क खिलाफ। 11बड़ा-बड़ा भुइँडोल अइहीं अउर अनेक
जगहन प अकाल पड़िहीं अउर महामारी आइ। अकासे
मँ खौफनाक घटना घटिहीं अउर भारी चीन्हा परगट
होइहीं।
12"मुला इ सबन घटना स पहिले तोहका बंदी बनइ
डइहीं अउर तोहका दारुण दु:ख देइहीं। उ सबइ तोह प
जुर्म लगावइ बरे तोहका आराधनालय क सौपिहीं अउर
फिन तोहका जेल पठइ दीन्ह जाइ। अउर फिन मोरे
नाउँ क कारण उ पचे तोहका राजा लोग अउर राज्यपाल
क समन्वा लइ जइहीं। 13एँसे तोहका मोरे बारे मँ साच्छी
देइ क अउसर मिली। 14यह बरे पहिले स ही एँकर
फिकिर न करइ कि आपन बचाव कइसे करब्या।
15काहेकि अइसी बुद्धि अउर सब्द तोहका मइँ देब कि
तोहार कउनो भी बैरी तोहार सामना अउर तोहार खण्डन
नाहीं कइ सकी।
16मुला तोहार महतारी–बाप, भाई, बन्धु, नातेदार
अउर मीत भी तोहका धोखा स पकड़वइहीं अउर तोहमाँ
स कछू क तउ मरवाइ ही डइहीं। 17मोरे कारण सब तोसे
बैर रखिहीं। 18मुला तोहरे मूँड़े क एक बार बाँका नाहीं
होइ। 19तोहार सहइ क सक्ती, तोहरे प्रान क रच्छा
करी।

## यरूसलेम क नास

*(मत्ती 24:15-21; मरकुस 13:14-19)*

20"अब लखा जब यरूसलेम क तू फऊज स घिरा
देखब्या तउ समुझ लिहा कि ओकर तहस नहस होइ
जाब नगिचे अहइ। 21तब तउ जउन यहूदिया मँ होइँ,
ओनका चाही कि उ पचे पहाड़न प पराइ जाइँ अउर उ
सबइ जउन सहर क भीतर होइँ, बाहेर निकर आवइँ
अउर उ पचे जउन गाउँ मँ होइँ ओनका सहर मँ नाहीं
जाइ चाही।
22काहेकि उ दिनन सजा क होइहीं। एँहसे जउन
लिखा ग बाटइ, उ सबहीं पूर होइँ। 23उ स्त्रियन बरे,
जउन पेटवा स भारी होइहीं अउर ओनके बरे जउन दूध
पिआवत होइहीं, उ दिनन केतॅना खौफनाक होइहीं।
काहेकि उ दिनन धरती प बहोत बड़की बिपत आइ इ
मनइयन प परमेस्सर कोहाइ जाइ। 24उ सबइ तरवारे क
धार स गिरा दीन्ह जइहीं अउर कैदी बनाइके सब देसन
मँ पहुँचाइ दीन्ह जइहीं। अउर यरूसलेम बे यहूदियन क
गोड़वा तरे तब तलक रौंद जाइ जब तलक गैर यहूदियन
क समइ पूर नाहीं होइ जात।

## डेराअ जिन

*(मत्ती 24:29-31; मरकुस 13:24-27)*

25"सूरज, चाँद अउर तारन मँ चीन्हा परगट होइहीं
अउर धरती प क सबहीं रास्ट्रन प बिपत आई अउर उ
सबइ समुद्दर क आवाज अउर उथर–पुथर स घबराइ
उठिहीं। 26मनइयन डर अउर संसार प आवइ वाली
बिपत क भय से बेहोस होइ जइहीं काहेकि आकास क
सक्ती हलोर दीन्ह जाइ। 27अउर तबहीं उ पचे मनई क
पूत क आपन सक्ती अउर महान महिमा क एक बादर
आवत भवा देखिहीं। 28अब देखा, इ बातन जब घटइ
लागइँ तउ खड़ा होइके तू आपन मूँड़ ऊपर उठाइ ल्या।
काहेकि तोहार छुटकारा नगिचे आइ रही होइ!"

## मोर बचन अमर बा

*(मत्ती 24:32-35; मरकुस 13:28-31)*

29फिन एक ठु दिस्टान्त कथा कहेस: "अउर सबहीं
बृच्छन अउर अंजीरे क बिरवा लखा। 30ओहमाँ स जइसे
ही कोंपर फूटत हीं, तू आपन आप जान जात ह कि गर्मी
क रितु बस आइ ग अहइ। 31वइसे ही तू जब इ बातन क
घटतइ देख्या तउ जान लिहा कि परमेस्सर क राज्य
नगिचे अहइ।
32"मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि जब तलक इ सब
बातन घटि नाहीं जातिन, इ पीढ़ी क अंत नाहीं होइ!
33धरती अउर अकास बरिबाद होइ जइहीं, पर मोर
बचन हमेसा अटल रही!

## हमेसा तइयार रहा

34"आपन धियान राखा जेहसे तोहार मन कहूँ पीने
पिआवइ अउर संसारे क फिकिर स पाथर न होइ जाइ।
अउर उ दिन एक फंदा क तरह तोह प एकाएक न
आइ पड़इ। 35सचमुच ही उ इ सारी धरती क बसइयन
पइ अइसे ही आइ गिरी। 36हर छिन होसियार रहा, अउर
पराथना करा कि तोहक इ सब बातन स, जउन घटइवाली
अहइँ, बचइ क ताकत मिलइ अउर तू मनई क पूत क
समन्वा खड़ा होइ सका।"
37हर रोज मंदिर मँ उपदेस देत रहा मुला, राति बीति
जाइ प हर साँझ जैतून पर्वत प चला जात रहा। 38सबहीं
मनई भिन्सारे क तड़के उठत रहेन अउर मंदिर मँ
ओकरे लगे जाइके, ओका सुनत रहेन।

## ईसू क मार डावइ क कुचाल

*(मत्ती 26:1-5, 14:16; मरकुस 14:1-2, 10-11;
यूहन्ना 11:45-53)*

22 अब फसइ नाउँ क बे खमीरे क रोटी क त्यौहार
आवइ क रहा। 2ओहॅर मुख्ययाजकन अउर
धरम सास्तिरियन काहेकि मनइयन स डेरात रहेन। यह
बरे कउनो अइसे चाल क ताक मँ रहेन जेहसे उ ईसू क
मारि डावइँ।

## यहूदा क कुचाल

3फिन इस्करियोती कहावइवाला उ यहूदा मँ, जउन
उन बारहु मँ एक रहा, सइतान समाइ गवा। 4उ

मुख्ययाजकन अउर सैनिकन क लगे गवा अउर ओनसे
ईसू क कइसे पकड़वाइ सकत ह, इ बारे मँ बातचीत
किहेस। 5उ सबइ बहोत खुस भएन अउर ओका एँकरे
बरे धन देइ क राजी होइ गएन। 6उ भी राजी होइ गवा
अउर उ अइसे अउसरे क ताड़ मँ रहइ लाग जब भीड़-बड़ि
न होइ अउर उ ईसू का ओकरे हथवा मँ धराइ देइ।

## फसह क तइयारी

*(मत्ती 26:17-25; मरकुस 14:12-21; यूहन्ना 13:21-30)*

7फिन बे खमीर क रोटी क उ दिन आवा जब
फसह क मेमने क बलि दीन्ह जात ह। 8तउ उ इ कहत
भवा पतरस अउर यूहन्ना क पठएस, "जा अउर हमरे
बरे फसह क भोज तइयार करा जेसे हम पचे ओका
खाइ सकी।"

9उ सबइ ओसे पूछेन, "तू हम पचन स ओकर
तइयारी कहाँ करावइ चाहत ह?" उ ओनसे कहेस,
10"तू जइसे ही सहर मँ घुसब्या तोहका पानी क गगरी
लइ जात भवा एक मनई मिली, ओकरे पाछे होइ जाया
अउप जउन घरे मँ उ जाइ तू भी पाछे चला जाया।
11अउर घरे क स्वामी स कह्या 'गुरु, तोहसे पूछेस ह
कि उ मेहमान क कमरा कहाँ बा जहाँ मइ आपन
चेलन क संग फसह क भोज क खइया क खाइ सकउँ।'
12फिन उ मनई सिढ़ियन क ऊपर तोहका सजा सजावा
एक बड़ा कमरा देखॅाई, हुवँई तइयारी कर्‍या।"

13उ पचे चल पड़ेन अउर वइसा ही पाएन जइसा उ
ओनका बताए रहे। फिन उ पचे फसह क भोज क
तइयार किहेन।

## पर्भू भोज

*(मत्ती 26:26-30; मरकुस 14:22-26;*
*1 कुरिन्थियन 11:23-25)*

14फिन उ घड़ी आइ तब ईसू खाइ बरे बइठा अउर
प्रेरितन ओनके साथ बइठेन। 15उ ओनसे कहेस, "यातना
झेलइ स पहिले इ फसह क भोज संग करइ क मोर
प्रबत इच्छा रही। 16काहेकि मइँ तोहसे कहत हउँ कि
जब तलक परमेस्सर क राज्य मँ फसह क भोज का
पूरा मतलब न समझ लिया तब तलक मइँ एँका दूसरी
दाईं न खाब।"

17फिन उ खोरा उठाइके धन्यबाद दिहेस अउर कहेस,
"ल्या एँका आपुस मँ बाँटि ल्या। 18काहेकि मइँ तोहसे
कहत हउँ आजु क पाछे जब ताईं परमेस्सर क राज्य
नाहीं आइ जात मइँ कइसी भी दाखरस कबहुँ न पिअब।"

19फिन उ तनिक रोटी लिहस अउर धन्यबाद दिहस।
उ रोटी का तोड़ेस अउर ओनका देत भवा कहेस, "इ
मोर देह अहइ जउन तोहरे बरे दीन्ह ग अहइ। मोरे याद
मँ अइसा ही कर्‍या।" 20अइसे ही जब उ पचे भोजन कइ
चुकेन तउ उ खोरा उठाएस अउर कहेस, "इ दाखरस
मोरे उ लहू क रूप मँ एक नवा करार क प्रतीक अहइ
जउन तोहरे बरे उड़ेला गवा अहइ।"

## ईसू क बैरी कउन

21"मुला देखा, मोका जउन धोखा स पकड़वाइ, ओकर
हाथ हिअँइ मेजे प मोर संग अहइ। 22काहेकि मनई क
पूत तउ मारा ही जाइ जइसा कि तइ अहइ मुला धिक्कार
उ मनई क अहइ जेकरे जरिए उ पकड़वाइ जाइ।"

23एँह पइ उ आपुस मँ एक दुसरे स सवाल करइ
लागेन, "ओहमाँ स उ कउन होइ सकत ह जउन अइसा
करइ जात अहइ?"

## सेवक बना

24फिन ओहमाँ इ बात भी उठी कि ओहमाँ स सब
स बड़कवा केका समुझा जावइ 25मुला ईसू ओनसे कहेस,
"गैर यहूदियन क राजा ओन प रुतवा राखत हीं अउर
उ सबइ जउन ओन प हुकुम चलावत हीं, खुद मनइयन
क 'उपकारी' कहवावत हीं। 26मुला तू वइसे नाहीं अहा
तउ भी तोहमाँ स सब स बड़कवा सब ते छोटकवा जइसा
होइ चाही अउर जो राज करत ह ओका चाकर क नाईं
होइ चाही। 27काहेकि बड़कवा कउन अहइ: उ जउन
खाइ क मेज प बइठा अहइ या उ जउन परसत ह? का
उहइ नाहीं जउन मेज प अहइँ मुला तोहरे बीच मइँ
वइसा हउँ जउन परोसत ह! 28मुला तू उ सबइ अहा
जउन मोरी परीच्छा मँ मोर साथ दिहा ह। 29अउर मइँ
तोहका वइसे ही एक राज्य देत अही जइसे मोर परमपिता
एँका मोका दिहे रहेन। 30काहेकि मोरे राज्य मँ तू मोरे
मेज प खा अउर पिआ अउर इस्राएल क बारहु जनजातिन
क निआव करत भवा सिंहासने प बइठा।

## बिसवास बनाइ राखा

*(मत्ती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; यूहन्ना 13:36-38)*

31"समौन, ओ समौन! सुना, तू सबन क गोहूँ क
तरह फटकइ बरे सइतान चुन लिहे बा। 32मुला मइँ
तोहरे बरे पराथना कीन्ह ह कि जेसे की परमेस्सर पर
तोहार बिसवास खतम न होइ अउर जब तू वापस आवा
तउ तोहरे भाइयन क ताकत बढ़इ।"

33मुला समौन ओसे कहेस, "पर्भू, मइँ तोहरे संग जेल
जाइ अउर मरइ तलक तइयार अहउँ!"

34फिन ईसू कहेस, "पतरस मइँ तोहसे बतावत हउँ
कि आजु तब तलक मुर्गा बाँग न देइ जब ताईं तू तीन
दाईं मना नाहीं कइ लेब्या कि तू मोका जानत ह!"

## दारुण दुख झेलइ क तइयार रहा

35फिन ईसू आपन चेलन स कहेस, "मइँ तोहका
जब बे बटुआ, बे थैली या बे चप्पल क पठए रहे तउ का
तोहका कउनो चीजे क कमी रही?"

उ पचे कहेन, “कउनो चीजे क नाहीं।”

36उ ओनसे कहेस, “मुला अब जउन कउनो क लगे भी कउनो बटुआ अहइ, उ ओका लइ लेइ अउर उ थैला भी लइ लेइ अउर उ थैला क भी लइके चलइ। जेकरे लगे तरवार न होइ, उ आपन चोगा तलक बेंचिके ओका बेसहि लेइ। 37काहेकि मइँ तोहका बतावत हउँ कि पवित्तर सास्तर क इ लिखा मोह प सचमुच ही पूरा होइ जाइ:

‘उ एक अपराधी माना गवा।’

यसायाह 53:12

हाँ मोरे बारे मँ लिखी गइ इ बात पूरा होइ जाइ प आवति अहइ।”

38उ सबइ कहेन, “पर्भू, देखा, हिआँ दुइ तरवार अहइँ!”

एँह प ओनसे कहेस, “बस बहोत अहइ।”

## प्रेरितन क पराथना क हुकुम

*(मत्ती 26:36-46; मरकुस 14:32-42)*

39-40फिन उ हुवाँ स उठिके रोज क तरह जैतून पर्वत प चला गवा। अउर ओकर चेलन भी ओकरे पाछे पाछे होइ गएन। उ जब उ ठउरे प पहुँचा तउ उ ओनसे कहेस, “पराथना करा कि तोहका परीच्छा मँ न पड़इ क होइ।”

41फिन उ ओनसे पाथर फेंकई क तरह पूरी दूरी तक चला गवा। फिन उ घुटना क सहारे निहुरा अउर पराथना करइ लाग, 42“हे परमपिता, अगर तोहार इच्छा होइ इ यातना क कटोरा मोहसे दूर हटावा मुला फिन भी नाहीं, बल्कि तोहार इच्छा पूर होइ।” 43तबहीं एक सरगदूत हुवाँ परगट भवा अउर ओका सक्ती देइ लाग। 44ओहर ईसू ब्याकुल होय कर बड़े आग्रह पूर्वक पराथना करइ लाग। ओकर पसीना लोहू क बूँदे क नाई धरती पइ गिरत रहा। 45अउर जब उ पराथना स उठिके आपन चेलन क लगे आवा तउ उ ओनका दुखे मँ थकि के सोवत पावा। 46तउ उ ओनसे कहेस, “तू पचे सोवत काहे अहा? उठा अउर पराथना करा कि तू कउनो परीच्छा मँ न पड़ा।”

## ईसू क बंदी बनाउब

*(मत्ती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; यूहन्ना 18:3-11)*

47उ अबहीं बोलत ही रहा कि एक भीड़ जमा होइ गइ। यहूदा नाउँ क एक मनई जउन बारहु मँ स एक रहा, ओनकइ अगुवई करत रहा। उ ईसू क चुम्मा लेइ ओकरे लगे आवा।

48मुला ईसू ओनसे कहेस, “अरे यहूदा, का तू एक चुम्मा स मनई क पूत क धोखा दइके पकड़वावइ जात अहा?” 49जउन घटइ जात रहा, ओका लखिके ओकरे नगिचे क मनइयन कहेन, “पर्भू, का हम पचे तरवारि क वार करी?” 50अउर ओहमाँ स एक तउ महायाजक क नउकर प वारि कइके ओकर दाहिन कान काट डाएस। 51मुला ईसू फउरन कहेस, “ओनका इ भी करइ द्या।” फिन ईसू ओकर कनवा छुइके चंगा किहेस।

52फिन ईसू ओह प चढ़ाई करइ आएन मुख्ययाजकन, मंदिर क सैनिकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन स कहेस, “का तू तरवारि अउर लाठिन लइके कउनो डाकू क मुकाबला करइ निकरा अहा? 53मंदिर मँ मइँ हर दिन तोहरे ही संग रहेउँ, मुला तू मोह पइ हाथ नाहीं राख्या। मुला इ समइ तोहार अहइ-अँधियारे (पाप) क हुकुम क काल।”

## पतरस क इन्कार

*(मत्ती 26:57-58; मरकुस 14:53-54, 66-72; यूहन्ना 18:12-18, 25-27)*

54उ पचे ओका कैदी बनाइ लिहन अउर हुवाँ स लइ गएन। फिन उ सबइ ओका महायाजक क घर लइ गएन। पतरस कछू दूरी प ओकरे पाछे पाछे आवत रहा। 55अँगने क बीच उ पचे आगी सुलगाएन अउर एक साथे खाले बैठि गएन। पतरस भी हुवँई ओनही मँ बइठा रहा। 56आगी क रोसनी मँ एक नउकरानी ओका हुवाँ बइठे लखेस। उ ओह पइ आँखी गड़ावत भइ कहेस, “इ मनई तउ ओकरे साथे भी रहा।”

57मुला पतरस इन्कार करत भवा कहेस, “हे स्त्री, मइँ ओका नाहीं जानत हउँ।” 58तनिक दरे पाछे एक ठु दूसर मनई ओका लखेस अउर कहेस, “तू भी ओनही मँ स एक अहइ।” मुला पतरस बोला, “भल मनई, मइँ उ नाहीं हउँ।”

59कउनो लगभग एक घड़ी बीत भइ होइ कि कउनो अउर भी जोर स कहइ लाग, “सचमुच ही इ मनई ओकरे संग भी रहा! काहेकि लखा उ गलील वासी भी अहइ।”

60मुला पतरस बोला, “भल मनई, मइँ नाहीं जानत हउँ तू केकरे बारे मँ बतियात अहा!”

उहइ घड़ी, उ अबहीं बातन करत ही रहा कि एक ठु मुर्गा बाँग दिहस। 61अउर पर्भू मुड़िके पतरस मँ आँखी गड़ाएस। तबहिं पतरस क पर्भू क उ बचन याद आवा जउन उ ओसे कहे रहा: “आजु मुर्गा क बाँग देइ स पहिले मोका तीन दाईं मुकरि जाब्या।” 62तब उ बाहेर चला गवा अउर फूटि फूटि को रोवइ लाग।

## ईसू क मसखरी

*(मत्ती 26:67-68; मरकुस 14:65)*

63-64जउन मनइयन ईसू क धइ राखे रहेन उ पचे ओकर मसखरी अउर ओका ठोंकइ लागेन। ओकरे

आँखी प पट्टी बाँधि दिहन अउर ओसे इ कहत भए
पूछइ लागेन, "भविस्सबाणी करा! उ कउन अहइ जउन
तोहका मारेस!" 65उ सबइ ओका बेज्जत करइ बरे ओसे
अउर भी बातन कहेन।

## ईसू यहूदी नेतन क समन्वा

*(मत्ती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; यूहन्ना 18:19-24)*

66जबहिं दिन भवा कि मुख्ययाजकन अउर धरम
सास्तिरियन संग मनइयन क बुजुर्ग नेतन क एक सभा
भइ। फिन उ पचे ओका आपन महा सभा मँ लइ गएन।
67उ सबइ पूछेन, "हमका बतावा का तू मसीह अहा?"
ईसू ओनसे कहेस, "जदि मइँ तोहसे कहउँ तउ तू
मोर बिसवास नाहीं करब्या। 68अउर जदि मइँ पूछउँ तउ
तू जवाब नाहीं देब्या। 69मुला अब स मनई क पूत सबन
स सक्तीवाला परमेस्सर क दाहिन कइँती बइठाइ जाइ।"
70उ पचे बोलेन, "तब तउ का तू परमेस्सर क पूत
अहा?" उ कहेस, "हाँ, मइँ हउँ।"
71फिन उ पचे कहेन, "अब हमका कउनो अउर
प्रमाण क जरूरत नाहीं अहइ? हम पचे खुद एकरे
आपन मुँहना स इ सुन तउ लिहा ह!"

## पिलातुस ईसू स पूछताछ किहेस

*(मत्ती 27:1-2, 11-14; मरकुस 15:1-5; यूहन्ना 18:28-38)*

23 फिन सारा जमघट खड़ा होइ गवा अउर ओका
पिलातुस क समन्वा लइ गवा 2अउर उ पचे
ओह पइ इ दोख लगावइ लागेन। उ सबइ कहेन, "हम
पचे इ मनई का हमरे मनइयन क बहकावत भए धरा
ह। इ कैसर क चुंगी (टिक्स) चुकावइ बरे खिलाफत
करत ह अउर कहत ह इ खुद मसीह अहइ, एक
राजा।" 3एँह पइ पिलातुस ओहसे पूछेस, "का तू यहूदियन
क राजा अहा?"
ईसू ओका जवाब दिहस, "तू ठीक कहत रह्या कि
मइँ उहइ हउँ।"
4एँह पइ पिलातुस मुख्ययाजकन अउर भीड़ स कहेस,
"मोका इ मनई प कउनो दोख लगावइ क कउनो प्रमाण
नाहीं देखॉइ देत।"
5मुला उ पचे इ कहत भए दबाव डावत रहेन, "इ
समूचइ यहूदिया मँ मनइयन क आपन उपदेस स भड़काएस
ह। इ एँका गलील मँ सुरू किहे रहा अउर समूचइ रस्ता
पार कइके हिआँ तलक आइ पहुँचा अहइ!"

## ईसू क हेरोदेस क लगे पठउब

6पिलातुस इ सुनिके पूछेस, "का इ मनई गलील क
अहइ?" 7फिन जब ओका इ पता लाग कि उ हेरोदेस क
अधिकार पहँटा क मातहत अहइ तउ उ ओका हेरोदेस
क लगे पठएस जउन उ समइ यरूसलेम मँ ही रहा। 8तउ
हेरोदेस जब ईसू क निहारेस तउ उ बहोत खुस भवा
काहेकि बरिसन स ओका लखइ चाहत रहा। काहेकि उ
ओकरे बारे सुनि चुका रहा अउर ओका कउनो अद्भुत
कारज करत भवा लखइ क आसा करत रहा। 9उ ईसू
स ढेर सवाल किहेस मुला ईसू ओका कउनो जवाब
नाहीं दिहेस। 10मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन
हुवँइ खड़ा रहेन अउर उ सबइ ओह प बुरी तरह स जुर्म
लगावत रहेन। 11हेरोदेस भी आपन सैनिकन क संग
ओकर बेज्जत ब्यौहार किहेस अउर ओकर मसखरी
उड़ाएस। फिन उ सबइ ओका एक उत्तिम चोगा पहिराइ
के पिलातुस क लगे वापस पठइ दिहेस। 12उ दिन हेरोदेस
अउर पिलातुस एक दूसर क मीत होइ गएन। एँसे पहिले
तउ एक दूसर क बैरी रहेन।

## ईसू क मरब रहा

*(मत्ती 27:15-26; मरकुस 15:6-15; यूहन्ना 18:39, 19:16)*

13फिन पिलातुस मुख्ययाजकन, यहूदी नेतन अउर
मनइयन क एक संग बोलाएस। 14उ ओनसे कहेस, "तू इ
मनइयन क बहकावइ वाला मनई क रुप मँ हिआँ मोरे
लगे लइ आए अहा। अउर मइँ हिआँ अब तोहरे समन्वा
ही एँकर जाँच पड़ताल कइ लीन्ह ह अउर तू एँह पइ
जउन दोख लगाया ह ओकर न तउ कउनो ठोस सबूत
मिलि पावा ह। 15नाहीं हेरोदेस ने काहेकि उ एँका वापस
हमरे लगे पठइ दिहा ह। जइसा कि तू लखत अहा कि इ
अइसा कछू नाहीं किहे अहइ कि इ मउत क काबिल
अहइ। 16यह बरे मइँ एँका कोड़ा स पिटवाइ क छोड़
देबूँ।" 17*
18मुला उ सबइ एक संग चिल्लायन, "इ मनई क
लइ जा। हमरे बरे बरअब्बा क तजि द्या।" 19(बरअब्बा
क सहर मँ मार धाड़ अउर कतल बरे जेल मँ धाँधा गवा
रहा।)
20पिलातुस ईसू क तजि देइ चाहत रहा, तउ उ
ओनका समझाएस। 21मुला उ पचे नारा लगावत रहेन
"एँका क्रूस प चढ़ाइ द्या, एँका क्रूस प चढ़ाइ द्या!"
22पिलातुस ओनसे तिसरी दाईं पूछेस, "मुला इ मनई
जुर्म का किहे अहइ? मोका एँकरे खिलाफ कछू नाहीं
मिला बाटइ जउन एँका मउत क सजा दीन्ह जाइ। यह
बरे मइँ कोड़वा लगावाइ के एँका छोड़ि देइहउँ।"
23मुला उ सबइ ऊँच आवाज मँ नारा लगाइके माँग
करत रहेन कि ओका क्रूसे प चढ़ाइ दीन्ह जाइ। अउर
ओकइ नारा क कुलाहल एँतना बाढ़ि गवा कि 24पिलातुस
फैसला किहेस कि ओनकइ माँग मान लीन्ह जाइ।
25पिलातुस उ मनई क छोड़ दिहस जेकॉ मार धाड़ अउर
कतल बरे जेलि मँ धाँधा ग रहा (इ उहइ रहा जेकरे

---

**पद 17** लूका क कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 17 जोड़ा गवा
अहइ: "हर बरिस फसह क त्यौहार प पिलातुस क जनता बरे
एक कैदी क छोड़ देइ पड़त रहा।"

तजि देइ क उ पचे माँग करत रहेन।) अउर ईसू क ओकरे हाथन मँ सौंपि दिहन कि उ सबइ जइसा चाहइँ, करइँ।

## ईसू क क्रूस प चढ़ावा जाब

*(मत्ती 27:32-44; मरकुस 15:21-32; यूहन्ना 19:17-27)*

26जब उ सबइ ईसू क लइ जात रहेन तउ उ पचे कुरेनी क बसइया समौन नाउँ क एक मनई क, जउन आपन खेते स आवत रहा, धइ लिहन, अउर ओह पइ क्रूस लादिके ओका ईसू क पाछे पाछे चलइ क मजबूर कइ दिहन।

27मनइयन एक भारी भीड़ ओकरे पाछे चलत रही। एहमाँ कछू स्त्रियन भी रहिन जउन ओकरे बरे रोवत रहिन अउर बिलापत रहिन। 28ईसू ओनके कइँती मुड़ि गवा अउर बोला, "यरूसलेम क स्त्रियो, मोरे बरे जिन बिलापा बल्कि तू पचे आपन बरे अउर आपन बचवन बरे बिलाप कर। 29काहेकि अइसे दिनन आवत अहइँ जब मनइयन कइहीं, 'उ सबइ स्त्रियन धन्य अहइँ, जउन बाँझ बाटिन अउर धन्य अहइँ, उ सबइ कोख जउन कउनो क कबहूँ जनम ही नाहीं दिहन। उ सबइ चूची धन्य अहइँ कबहूँ दूध नाहीं पियाएन।' 30फिन उ पचे पहाड़न स कइहीं, 'हम पइ फाटि पड़ा!' अउर पहाड़ियन स कइहीं, 'हमका ढ़ाँकि ल्या!'* 31काहेकि मनइयन जब बृच्छ हरियर बाटइ, ओकरे संग तब अइसा करत हीं तउ जब पेड़ झुराइ जाइ तब का होइ?"

32दुइ अउर मनई, जउन दुइनउँ ही अपराधी रहेन, ओकर संग मउत क सजा दिये बरे लइ जावा जात रहेन। 33फिन जब उ पचे उ ठउरे प आएन जउन खोपड़ी कहवावत ह तउ उ पचे ओन दुइनउँ अपराधियन क संग ओका क्रूस प चढ़ाइ दिहन। एक अपराधी क ओकरे दाहिन कइँती अउर, दूसर क बाईं कइँती।

34एँह पइ ईसू बोला, "हे परमपिता, एँनका छमा कर्‍या काहेकि इ पचे नाहीं जानतेन कि इ सबइ का करत अहइँ।"

फिन उ सबइ पाँसा फेंकि के ओकरे ओढ़ना क बाँटि लिहन। 35हुवाँ खड़ा भएन मनइयन लखत रहेन। यहूदी नेतन ओकर मसखरी करत भएन बोलेन, "इ दूसरन क उद्धार किहे अहइ। अगर उ परमेस्सरे क चुना भवा मसीह अहइ तउ एँका आपन खुद क रच्छा करइ द्या।"

36सैनिकन भी आइके ओकर मसखरी उड़ाएन। उ पचे ओका दाखरस पिअइ क दिहेन 37अउर कहेन, "जदि तू यहूदियन क राजा अहा तउ आपन खुद क बचाइ ल्या।" 38(ओकरे ऊपर इ खबर छापी गइ "इ अहइ यहूदियन क राजा।")

39हुवाँ लटकावा भवा अपराधियन मँ स एक ओका बेज्जत करत भवा कहेस, "का तू मसीह नाहीं अहइ? हमका अउर आपन खुद क बचाइ ल्या!"

40मुला दूसर उ पहिले अपराधी क फटकारत भवा कहेस, "का तू परमेस्सर स नाहीं डेरात्या? तोहका भी उहइ सजा मिलति अहइ 41मुला हमार सजा तउ उचित निआव स भरी अहइ काहेकि हम जउन कछू कीन्ह, ओकरे बरे जउन हमका मिलइ चाही रहा, उहइ मिलत बा मुला इ मनई तउ कछू भी बुरा नाहीं किहेस!" 42फिन उ बोला, "ईसू, जब तू आपन राज्य मँ आवा तउ मोका याद राख्या!"

43ईसू ओसे कहेस, "मइँ तोहसे सच कहत हउँ, आज ही तू सरगलोक मँ मोरे संग होब्या!"

## ईसू क मउत

*(मत्ती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; यूहन्ना 19:28-30)*

44उ समइ दिना क बारह बजा होइ तबहीं तीन बजे तलक समूची धरती प गहिर अँधियारा छाइ गवा। 45सूरज भी नाहीं चमकत रहा। ओहर मंदिर मँ परदे क फटे क दुइ टूका होइ गएन। 46ईसू ऊँच आवाज मँ पुकारेस, "हे परमपिता, मइँ आपन आतिमा तोहरे हाथे मँ सौंपत हउँ।" इ कहिके उ आखिरी साँस लिहेस।

47जब रोम क फऊजी नायक, जउन कछू घटि गवा रहा, उ लखेस तउ परमेस्सर क गुन गावत भवा उ कहेस, "इ सचमुच ही एक नीक मनई रहा!"

48जब हुवाँ देखइ आएन एकट्ठा मनइयन, जउन कछू भवा रहा, ओका देखेन तउ आपन छाती पीटत लौटि गएन। 49मुला उ सबइ जउन ओका जानत रहेन, ओन स्त्रियन संग, जउन गलील स पाछे पाछे आवत रहिन, इ बातन क लखइ कछू दूरी प खड़ा रहेन।

## अरिमतियाह क यूसुफ

*(मत्ती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; यूहन्ना 19:38-42)*

50-51अब हुवँई यूसुफ नाउँ क मनई रहा जउन यहूदी महासभा क निअम्बर रहा। उ एक नीक धर्मी पुरुस रहा। उ ओनके फैसला अउर ओका काम मँ लावइ बरे राजी नाहीं रहा। उ यहूदियन क एक सहर अरमत्तिया क बसइया रहा। उ परमेस्सर क राज्य क बाट जोहत रहा। 52उ मनई पिलातुस क लगे गवा अउर ईसू क ल्हास माँगेस। 53उ ल्हास क क्रूस पइ स नीचे उतरा अउर सने क उत्तिम रेसा क बना कपड़ा मँ ओका लपेट दिहस। फिन उ ओका चट्टान मँ काटी गइ एक कब्र मँ धइ दिहस, जेहमाँ पहिले कबहुँ कउनो क भी नाहीं राखा गवा रहा। 54उ सुकरवार क दिन रहा, अउर सबित सुरू होइ क रहा। 55उ सबइ स्त्रियन जउन गलील स ईसू क साथे आइ रहिन, यूसुफ क पाछे होइ चलिन. उ पचे उ कब्र देखिन अउर लखेन कि ओकर

---

**'उ पचे ... ढाँकि ल्या!'** होसे 10:8

ल्हास कब्र मँ कइसे धरी गइ। 56फिन उ पचे घर लौटिके
खुसबूदार सामग्री अउर लेप तइयार किहेन।
सबित क दिन व्यवस्था क मुताबिक उ पचे आराम
किहेन।

## ईसू क फिन जी उठब

*(मत्ती 28:1-10; मरकुस 16:1-8; यूहन्ना 20:1-10)*

24 हफ्ता क पहिले दिन बहोत भिन्सारे उ सबइ
स्त्रियन कब्र पइ खुसबूदार सामग्री क, जेका उ
पचे तइयार किहेन, लइके आइन। 2ओनका कब्र पइ स
लुढ़कि गवा पाथर मिला। 3तउ उ पचे भीतर चली गइन
मला हुवाँ पर्भू ईसू क ल्हास नाहीं मिली। 4उ सबइ एँह
पइ अबहीं असमंजस मँ ही पड़ी रहिन कि, ओनके लगे
चमचमात ओढ़ना पहिरे दुइ मनई (सरगदूतन) खड़ा
भएन। 5डर स उ पचे धरती कइँती मुँहना लटकाए
रहिन। उ दुइ मनइयन ओनसे कहेन, "जउन जिअत
अहइ, ओका तू मुर्दवन क बीच काहे हेरति अहा? 6उ
हिआँ नाहीं अहइ। उ जिउ उठा बा। याद कर जब उ
अबहीं गलील मँ रहा, उ तोहसे का कहे रहा। 7उ कहे
रहा कि मनई क पूत क पापी मनइयन क हाथ सौंप
दीन्ह जाब तय अहइ। फिन उ क्रूस पइ चढ़ाइ दीन्ह जाइ
अउर तिसरे दिन ओका फिन स जीवित कइ देब तय
अहइ।" 8तब ओन स्त्रियन क ओकर सब्द याद होइ
गएन। 9उ पचे कब्र स लौटि आइन अउर उ सबइ सब
बातन ओन ग्यारहु चेलन अउर दूसर सबन क बताएन।
10इ पचे स्त्रियन रहिन, मरियम मगदलीनी, योअन्ना
अउर याकूब क महतारी मरियम। उ सबइ अउर ओनके
साथे क दूसर स्त्रियन इ बातन क प्रेरितन स कहत
रहिन। 11मुला ओनके सब्द प्रेरितन क बृथा जानि पड़ेन।
तउ उ सबइ ओनका बिसवास नाहीं किहेन। 12मुला
पतरस खड़ा भवा अउर कब्र कइँती पराइ गवा। उ खाले
निहुरिके लखेस मुला ओका सन क उत्तिम रेसन स
बना कफन क अलावा कछू नाहीं देखॉइ दिहे रहा।
फिन आपन मन ही जउन कछू भ रहा, ओहॅ प अचरज
करत भवा उ चला गवा।

## इम्माऊस क रस्ते प

*(मरकुस 16:12-13)*

13उहइ दिना ओकर चेलन मँ स दुइ, यरूसलेम स
कउनो सात मीत दूर बसा भवा इम्माऊस नाउँ क गाउँ
क जात रहेन। 14जउन घटना घटी रहिन, ओन सब प उ
सबइ आपुस मँ बतियात रहेन। 15जबहिं उ सबइ ओन
बातन प बातचीत अउर सोच विचार करत रहेन तबहीं
खुद ईसू हुवाँ हाजिर भवा अउर साथे साथे चलइ लाग।
16(मुला ओनका ओका पहिचानइ स टोका गवा।) 17ईसू
ओनसे कहेस, "चलत चलत एक दुसरे स तू कउनो
बातन प बतियात रह्या?"
उ पचे चलत चलत थम गएन। उ पचे दुख्खी देखॉइ
देत रहेन. 18ओहमाँ स क्लियोपास नाउँ क एक मनई
ओसे कहेस, "यरूसलेम मँ रहइवाला अकेल्ला तू ही
अइसा मनई होब्या जउन पिछले दिनन जउन बातन घटी
अहइँ, ओका नाहीं जानत्या।"
19ईसू ओनसे पूछेस, "कउन सी बातन?"
उ पचे ओसे कहेन, "सब नासरत क ईसू क बारे मँ
अहइँ। इ एक अइसा मनई रहा जे जउन किहेस अउर
कहेस ओहसे परमेस्सर अउर सबहीं मनइयन क समन्वा
इ देखॉइ दिहस कि उ एक महान नबी रहा।
20अउर हम इ बारे मँ बातन करत रहेन कि हमरे
मुख्ययाजकन अउर नेतन ओका कइसे मउत क सजा
देइ बरे सौंपि दिहेन। अउर उ पचे ओका क्रूस प चढ़ाइ
दिहन। 21हमार आसा रही कि इहइ रहा उ जउन इस्राएल
क अजाद करावत। अउर इ सब कछू क अलावा इ
घटना क भए आजु तीसर दिन अहइ 22अउर हमरी
टोली क कछू स्त्रियन हमका अचरजे मँ डाइ दिहन ह।
आजु भोर मँ भिन्सारे उ पचे कब्र प गइन। 23मुला
ओनका ल्हास नाहीं मिली। उ सबइ लौटि आइन अउर
हमका बताएन कि उ पचे सरगदूतन क दर्सन पाइ गइन
ह जउन कहे रहेन कि उ जीवित अहइ। 24फिन हम
पचन मँ स कछू कब्र प गएन अउर जइसा स्त्रियन बताए
रहिन, उ पचे हुवाँ वइसा ही पाएन उ सबइ ओका नाहीं
देखेन।"
25तब ईसू ओनसे कहेस, "तू पचे केतॅना मूरख अहा
अउर नबियन जउन कछू कहेन, ओह प बिसवास करइ
मँ केतॅना धीमे अहा। 26का मसीह बरे इ जरूरी नाहीं
रहा कि उ इ दारुण दु:खन क झेलइ अउर इ तरह
आपन महिमा मँ घुसि जाइ?" 27अउर इ तरह मूसा स
सुरु कइके सबहिं नबियन तलक अउर पवित्तर सास्तरन
मँ ओकरे बारे मँ जउन कहा गवा रहा, उ ओका
खोलिके ओनका समझाएस।
28उ पचे जब उ गाउँ क लगे आएन, जहाँ जात
रहेन, ईसू अइसा बर्ताव किहेस, जइसे ओका अगवा
जाइके होइ। 29मुला उ पचे ओसे जबरदस्ती हठ करत
भए कहेन, "हमरे साथ ठहर जा काहेकि करीब करीब
साँझ होइ गइ अहइ अउर अब दिन ओनवइ क रहा।"
तउ उ ओकरे संग ठहरइ भीतर आइ गवा।
30जब ओनके संग उ खइया क मेजे प रहा तबहीं उ
रोटी उठाएस अउर धन्यबाद दिहस। फिन ओका तोड़िके
जब उ ओनका देत रहा 31तबहीं ओनकइ आँखी खोलि
दीन्ह गइ अउर उ पचे ओका पहिचान लिहन। मुला उ
ओनके समन्वा स अन्तर्धान होइ गवा। 32फिन उ आपुस
मँ बोलेन, "रास्ता मँ जब उ हमसे बात करत रहा अउर
हमका पवित्तर सास्तरन क समझावत रहा तउ का
हमरे हिरदइ क भीतर आगी भी नाहीं भड़क गइ?"
33फिन उ तुरंत खड़ा भएन अउर वापस यरूसलेम क

चल दिहेन। हुवाँ ओनका ग्यारहवाँ प्रेरित अउर दूसर ओनके संग एँकट्ठा मिलेन, 34जउन कहत रहेन, “पर्भू, असल मँ जिउ उठा अहइ। उ समौन (पतरस) क दर्सन दिहेस ह।” 35फिन उ दुइनउँ राह मँ जउन भवा रहा, ओकर ब्यौरा दिहन अउर बताएन कि जब उ रोटी क कउर लिहेस, तब उ सबइ ईसू क पहिचान लिहन।

## ईसू क आपन चेलन क समन्वा परगट होब

*(मत्ती 28:16-20; मरकुस 16:14-18; यूहन्ना 20:19-23; प्रेरितन क काम 1:6-8)*

36अबहीं उ पचे ओनका इ बातन बताइ ही रहत रहेन कि उ खुद ओनके बीच आइ खड़ा भवा अउर ओनसे बोला, “तोहका सान्ति मिलइ।”

37मुला उ पचे चौंकि के सहम गएन। उ पचे सोचेन जइसे उ सबइ कउनो भूत लखत होइँ। 38मुला उ ओनसे बोला, “तू अइसे घबरान काहे अहा? तोहरे मनवा मँ सन्देह काहे उठति अहइ? 39मोरे हाथन अउर मोरे गोड़े क लखा। तू देख सकत ह कि इ सच मँ मइँ अहउँ। मोका छुआ, अउर लखा कि कउनो भूत क माँस अउर हाड़ नाहीं होती अउर जइसा कि तू लखत अहा कि, मोर उ सबइ अहइँ।”

40इ कहत भवा उ हाथ अउर गोड़ ओनका देखाएस। 41मुला आपन आनन्द क कारण उ पचे अब भी ओह पइ बिसवास नाहीं कइ सकेन। उ पचे भउचक्का रहेन। तउ ईसू ओनसे कहेस, “हिआँ तोहरे पास कछू खाइ क अहइ।” 42उ पचे पकाइ गइ मछरी क एक टुकड़ा ओका दिहेन। 43अउर उ ओका लइके समन्वा खाएस। 44फिन उ ओनसे कहेस, “इ बातन उ सबइ अहइँ जउन मइँ तोहसे तब कहे रहेउँ, जब मइँ अबहीं तोहरे संग हउँ। हर उ बात जउन मोरे बारे मँ मूसा क व्यवस्था मँ, नबियन क किताबन अउर भजन संहिता मँ लिखी अहइ, पूरी होब ही अहइ।” 45फिन पवित्तर सास्तरन क समझइ बरे उ ओनकइ बुद्धि क दुआर खोल दिहस।

46अउर उ ओनसे कहेस, “इ उहइ अहइ, जउन लिखा अहइ कि मसीह दारुण दुख भोगी अउर तिसरे दिन मरे हुअन मँ स जी उठी। 47अउर पापे क छमा बरे मनफिराव क इ संदेस यरूसलेम स सुरू होइके सब देसन मँ प्रचार कीन्ह जाइ। 48तू इ बातन क साच्छी अहा। 49अउर अब मोरे परमपिता मोसे जउन सपथ किहेस ह, ओका मइँ तोहरे बरे पटउब। मुला तोहका इ सहर मँ उ समइ तलक ठहरे रहइ क होइ जब तक तू सरगे क सक्ती स जुरा न ह्वा।”

## ईसू क सरग क वापसी

*(मरकुस 16:19-20; प्रेरितन क काम 1:9-11)*

50ईसू फिन ओनका बैतनिय्याह तलक बाहेर लइ गवा अउर उ हथवा उठाइके आसीर्बाद दिहेस। 51ओनका आसीर्वाद देत देत उ ओनका तजि दिहेस अउर फिन ओका सरगे मँ उठाइ लीन्ह गवा। 52तब उ पचे ओकर आराधना किहेन अउर असीम आनन्द लइके यरूसलेम लौटि आएन। 53अउर मंदिर मँ परमेस्सर क स्तुति करत भएन उ पचे आपन दिन काटइ लागेन।

# License Agreement for Bible Texts

***World Bible Translation Center***
***Last Updated: September 21, 2006***

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

**These Scriptures:**

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

**WBTC's web site –** World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

**Order online –** To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

**Current license agreement –** *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

**Trouble viewing this file –** If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from: http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

**Viewing Chinese or Korean PDFs –** To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from: http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html